- शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन भी तेजी निफ्टी सेंसेक्स ऊपर चढ़े - 12

- युद्ध से आपूर्ति संकट... देश में एलपीजी की खपत में हुई 17 प्रतिशत की गिरावट - 12

- टीएमसी बंगाल में 291 सीटों पर लड़ेंगी चुनाव - 13

- पत्नी के सीधे सरल सवाल ने बदल दिया सूर्यकुमार यादव का करियर - 14

आज का मौसम

35.0° अधिकतम तापमान

21.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.15

सूर्यास्त 06.19

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 08:25 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2083

बुधवार, 18 मार्च 2026, वर्ष 4, अंक 206, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

हमले में ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी और टॉप कमांडर सुलेमानी मारे गए

इजराइल के रक्षा मंत्री ने की पुष्टि, खामेनेई के मारे जाने के बाद लारीजानी ने संभाली थी कमान

चीन की बड़ी पहल

- ईरान, लेबनान व पड़ोसी देशों को इमरजेंसी मानवीय मदद की घोषणा
- इजराइली सेना ने ईरान के कई शहरों पर किए हमले

यरूशलम/दुबई/बीजिंग, एजेंसी

इजराइल के रक्षा मंत्री काट्ज ने मंगलवार को दावा किया कि उनकी सेना ने रात भर किए गए हमले में ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी और रिवोल्यूशनरी गार्ड के स्वयंसेवी बल बासिज के प्रमुख गुलामरजा सुलेमानी को मार गिराया है। इस बल को ईरान में प्रदर्शनों को दबाने के लिए एक अहम बल माना जाता है। बहरहाल, ईरान ने अभी तक सुलेमानी की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

इजराइली सेना ने कहा, बासिज बल ईरानी आतंकी शासन की सशस्त्र व्यवस्था का हिस्सा है। उसने कहा, ईरान में आंतरिक विरोध प्रदर्शनों के दौरान, खासकर हाल के समय में जब प्रदर्शन तेज हुए तो सुलेमानी के नेतृत्व में बासिज बलों ने दमन की मुख्य कार्रवाई की, जिसमें भीषण हिंसा, व्यापक गिरफ्तारियां और असैन्य प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग शामिल था। इजराइली सेना ने ईरान के कई शहरों में हमले किए। इजराइली ने दावा किया है कि हमले में बसीज फोर्स के 300 सैनिकों की मारे गए हैं। इस बीच ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि पहले अमेरिका और इजराइल से हिसाब लिया जाएगा, उसके बाद ही शांति की बात की जाएगी। वहीं, चीन ने भीषण संघर्ष के बीच मानवीय संकट को कम करने के लिए ईरान, जॉर्डन, लेबनान और इराक को आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। प्रवक्ता ने कहा कि युद्ध ने ईरान तथा इस क्षेत्र के अन्य देशों के नागरिकों के लिए असहनीय मानवीय आपदा पैदा कर दी है।

संयुक्त अरब अमीरात में ड्रोन के ईधन के टैंक से टकराने के बाद उठता धुएं का गुबार। इनसेट में मारे गए लारीजानी व सुलेमान।

ईयू नहीं देगा अमेरिका के साथ, कहा- ये हमारी लड़ाई नहीं, ट्रंप नाराज

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों की आलोचना करते हुए कहा है कि हॉर्मुज स्ट्रेट मार्ग को सुरक्षित करने के लिए उन्होंने जिस गठबंधन का प्रस्ताव रखा है, उसके प्रति सहयोगियों में उत्साह की कमी है। ट्रंप ने सोमवार देर रात ओवल ऑफिस में कहा कि ईरान के साथ संघर्ष जल्द ही खत्म हो सकता है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस हफ्ते किसी समाधान की संभावना कम है। उन्होंने इस सैन्य अभियान का बचाव करते हुए कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए यह जरूरी था। ट्रंप ने कहा, यह अभियान जल्द ही खत्म हो जाएगा। हमारी दुनिया कहीं ज्यादा सुरक्षित होगी। यूरोपीय यूनियन की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास ने कहा कि यूरोप के देशों में होर्मुज स्ट्रेट में युद्धपोत भेजने को तैयार नहीं हैं। कोई भी अपनी जनता को खतरे में डालना नहीं चाहता।

शीर्ष अमेरिकी अधिकारी केंट का इस्तीफा, कहा- मेरा दिल ईरान युद्ध का समर्थन करने की गवाही नहीं देता

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी केंद्र के निदेशक जो केंट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि उनका दिल इस बात की गवाही नहीं देता कि वह ट्रंप प्रशासन के ईरान युद्ध का समर्थन करें। केंट ने सोशल मीडिया पर कहा कि ईरान से हमारे देश को कोई तात्कालिक खतरा नहीं था, और यह स्पष्ट है कि हमने इस युद्ध की शुरुआत इजराइल तथा उसकी शक्तिशाली अमेरिकी लॉबी के दबाव के कारण की। गत जुलाई में 44 के मुकाबले 52 मतों से केंट को उनके पद पर नियुक्त किया गया था।

धार्मिक यात्रा में श्रद्धा सर्वोपरि पर्यटन बाद में : मुख्यमंत्री

कैलाश मानसरोवर तीर्थ के दर्शनार्थियों को लखनऊ में वित्तीय सहायता राशि के वितरण कार्यक्रम में श्रद्धालु को चेक देते मुख्यमंत्री योगी।

- कैलाश मानसरोवर की यात्रा से लौटे 555 लोगों को एक-एक लाख रुपये दिए
- योगी बोले- धार्मिक स्थलों पर बढ़ती भीड़ चुनौती के साथ अवसर भी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि तीर्थ यात्राएं केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र को जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। धार्मिक यात्राओं में श्रद्धा सर्वोपरि होनी चाहिए, जबकि पर्यटन और मनोरंजन बाद में आते हैं। उन्होंने सचेत किया कि यदि यह संतुलन बना रहे तो तीर्थ स्थलों की पवित्रता और मर्यादा सुरक्षित रह सकती है और आने वाली पीढ़ियां भी इन मूल्यों से जुड़ी रहेंगी।

वे मंगलवार को लोकभवन में कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटे 555 श्रद्धालुओं को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि वितरित करने बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। योगी ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में तीर्थ यात्रा व्यक्ति को संस्कार, अनुशासन और सामाजिक एकता का बोध कराती है। आदि शंकराचार्य द्वारा चारों दिशाओं में पीठों की स्थापना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय राजनीतिक विविधता के बावजूद भारत सांस्कृतिक रूप से एक था और आज भी उसी भावना को बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार तीर्थ स्थलों पर सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है। वर्ष 2017-18 में गाजियाबाद में कैलाश मानसरोवर भवन का निर्माण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां यात्रियों को यात्रा से पूर्व आवश्यक सुविधाएं मिलती हैं।

सीएम ने बताया कि वर्ष 2025 में प्रदेश के विभिन्न धर्मस्थलों पर 164 करोड़ श्रद्धालुओं का आगमन हुआ, जिनमें से 66 करोड़ प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचे। काशी, अयोध्या और मथुरा-वृंदावन जैसे प्रमुख स्थलों पर बढ़ती भीड़ जहां व्यवस्थाओं के लिए चुनौती है, वहीं यह पर्यटन, रोजगार व आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का अवसर भी प्रदान करती है। सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देते हुए एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को मजबूत कर रही है। अयोध्या, काशी, प्रयागराज, चित्रकूट, विंध्याचल और नैमिषारण्य जैसे तीर्थस्थलों पर बीते वर्षों में व्यापक विकास कार्य हुए हैं। साथ ही सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं।

ब्रीफ न्यूज

एयर इंडिया के बोइंग 777-300 ईआर विमान ने 6 साल बाद भरी उड़ान

नई दिल्ली। एयर इंडिया के पुराने बोइंग 777-300ईआर विमान ने छह साल से अधिक समय तक सेवा से बाहर रहने के बाद फिर से उड़ान भरना शुरू कर दिया है। एयरलाइन ने मंगलवार को बताया कि विमान वीटी-एएलएल को फिर से उड़ान के लायक बनाने के लिए 3,000 से अधिक नए प्रमुख पुर्जे लगाए गए और 4,000 से ज्यादा मरम्मत कार्य पूरे किए गए। ये सभी काम एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआईईएसएल) के नागपुर स्थित मरम्मत एवं रखरखाव (एमआरओ) केंद्र में हुए। एयरलाइन ने कहा कि यह विमान फरवरी, 2020 में कई तकनीकी खामियों और पुराने हो चुके पुर्जों के कारण सेवा से हटा दिया गया था।

यूपी रेरा ने 13 जिलों में 24 रियल एस्टेट परियोजनाएं की मंजूर

ग्रेटर नोएडा। उप्र भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने मंगलवार को 13 जिलों में 24 रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी दी जिनमें गौतमबुद्ध नगर जिले की सबसे अधिक पांच परियोजनाएं शामिल हैं। यूपी-रेरा की 198वीं बैठक में स्वीकृत इन परियोजनाओं में फ्लैट, विला, भूखंड और दुकानों को मिलाकर कुल 7,830 इकाइयों का विकास किया जाएगा। यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने बताया कि आवासीय, वाणिज्यिक और मिश्रित उपयोग वाली परियोजनाओं को मंजूरी दी।

अब 24 घंटे के अंदर मिलेगा पीएनजी का नया कनेक्शन

- पाइपलाइन बिछाने के लिए तमाम मंजूरियों की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर सरकार ने पाइप के माध्यम से रसोई गैस का पीएनजी कनेक्शन लेने वालों के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू करने के साथ- साथ नए आवेदनों को 24 घंटे में मंजूरी देने का निर्णय लिया है।

उपभोक्ताओं को रसोई गैस सिलेंडर आसानी से उपलब्ध कराने के लिए सरकार जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ व्यापक अभियान चला रही है । इसके तहत पिछले कुछ दिनों में देश भर में लगभग 12,000 छापे मारे गए हैं और लगभग 15,000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा घरेलू एलपीजी का उत्पादन भी 38 प्रतिशत बढ़ गया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने मंगलवार को बताया कि केन्द्र सरकार वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं को पीएनजी में स्थानांतरित करने की कोशिश कर रही है। केंद्र ने राज्य सरकारों को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि पीएनजी की नई पाइपलाइन बिछाने के लिए सभी अनुमतियां स्वीकृति मानी जाएं और स्थानीय प्राधिकरण द्वारा लगाए जाने वाले सड़क पुनर्स्थापन और अनुमति शुल्क को माफ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में जीएएल अथॉरिटी ऑफ इंडिया पहले ही सभी सीजीडी कंपनियों के साथ बैठक कर चुकी है। इसके अलावा, पीएनजी आरबीआई ने भी एक परामर्श जारी किया है। शर्मा ने कहा, हमारी सीजीडी कंपनियां जैसे आईजीएल, एमजीएल, जीएएल इंडिया और बीपीसीएल ने उन कंपनियों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन घोषित किए हैं जो पीएनजी कनेक्शन लेना चाहती हैं।

युद्ध क्षेत्र से दूसरा एलपीजी टैंकर भारत पहुंचा, 22 अन्य जहाजों को लाने के प्रयास जारी

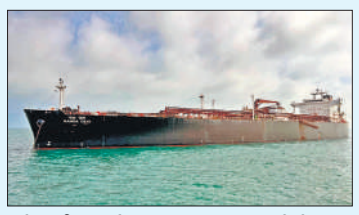

नई दिल्ली। भारतीय ध्वज वाला दूसरा एलपीजी टैंकर युद्धग्रस्त होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकलने के बाद मंगलवार तड़के स्वदेश पहुंच गया। युद्ध क्षेत्र में फंसे अन्य 22 भारतीय जहाजों को सुरक्षित लाने के प्रयास जारी हैं। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि एलपीजी टैंकर नंदा देवी, मंगलवार तड़के लगभग 2:30 बजे गुजरात के कांडला बंदरगाह पर पहुंचा। सोमवार को पहला जहाज, शिवालिक गुजरात के मुंदड़ा बंदरगाह पर पहुंचा था। दोनों जहाज पर लगभग 92,712 टन एलपीजी हैं। यह देश में एक दिन की खाना पकाने की गैस की आवश्यकता के बराबर है।

हरदीप पुरी की बेटी को एप्स्टीन से जोड़ने वाली सोशल मीडिया सामग्री हटाने क निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी को दोषी अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से जोड़ने वाली सोशल मीडिया सामग्री को 24 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा ने उपयोगकर्ताओं को सोशल मीडिया मंचों पर किसी भी तरह से ऐसी सामग्री प्रकाशित या प्रसारित करने से भी रोका। हिमायनी पुरी द्वारा दायर एक मुकदमे की सुनवाई कर रहीं न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि यदि सोशल मीडिया उपयोगकर्ता पोस्ट नहीं हटाते हैं, तो मंच ऐसी सामग्री को हटा देंगे या उस (सामग्री) तक पहुंच को अवरुद्ध कर देंगे। कहा कि हिमायनी पुरी के पक्ष में प्रथम दृष्टया मामला बनता है और यदि अंतरिम राहत नहीं दी गई तो उन्हें अपूरणीय क्षति होगी।

अफगानिस्तान में अस्पताल पर एयरस्ट्राइक में हुई मौतों पर भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक अस्पताल पर पाकिस्तान के हमले को कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि इस अमानवीय कृत्य है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों की जान चली गई। इस अस्पताल को किसी भी तरह से सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है। जायसवाल ने कहा कि भारत शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है और इस दुखद घड़ी में अफगानिस्तान के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है।

दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या कर शव खेत में दफनाया

- बिधनू के एक गांव में पांचवीं की 11 वर्षीय छात्रा के साथ दरिंदगी, पड़ोसी प्रापर्टी डीलर, उसके तीन बेटों पर दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : बिधनू में पांचवीं की 11 वर्षीय छात्रा की दुष्कर्म के बाद हत्या कर अर्धनग्न शव घर से 500 मीटर दूर खेत में दफना दिया गया। लापता बच्ची की तलाश में जुटे परिजनों ने संदेह पर एक खेत की नम मिट्टी खोदी तो बच्ची का शव दफन मिला। ग्रामीणों-परिजनों ने पड़ोसी प्रापर्टी डीलर पिता-तीन पुत्रों पर वारदात करने का आरोप लगाया। आक्रोशित ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। आरोपी का घर फूंकने की कोशिश की। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस शव को कब्जे में ले सकी। आरोपियों को पूरे परिवार को पुलिस थाने ले गई। जेसीपी लॉ एंड आर्डर के नेतृत्व में पुलिस और फोरेंसिक टीम ने आरोपी के पूरे घर को घेरकर जांच शुरू की। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। बच्ची का पोस्टमार्टम पैनल व वीडियाग्राफी के बीच हुआ। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार बच्ची के गले-सीने पर खंरोच के निशान मिले हैं।

जानकारी के अनुसार बिधनू के एक गांव में मंगलवार सुबह हृदय विदारक घटना से हड़कंप मच गया। पेशे से मजदूर पिता के अनुसार उनकी बेटी पांचवीं की छात्रा थी। सोमवार दोपहर तीन बजे वह घर से करीब 200 मीटर दूरी पर खेत में बकरी चरा रही थी। बालिका के ताऊ का कहना है कि वह खेत के पास पेड़ से पत्ते तोड़ रहा था। उसने बच्ची से पत्ते अपने घर पहुंचाने को कहा था। बच्ची पत्ते लेकर उसके घर गई थी। मजदूरी करके देर शाम बच्ची का पिता व ताऊ घर लौटे तो उसके लापता होने की जानकारी मिली। इस पर परिजन बच्ची की तलाश में जुट गए, लेकिन कुछ पता नहीं चला। घरवाले पुलिस के साथ पूरी रात बच्ची की खोजबीन करते रहे। मंगलवार सुबह करीब छह बजे घरवाले घर से करीब 500 मीटर दूर गेहूं के खेत पर पहुंचे तो झाड़ियों के आसपास की मिट्टी खुदी हुई दिखी। खुदी मिट्टी पर संदेह हुआ। एक जगह बच्ची का पैर मिट्टी से बाहर दिखाई दिया तो मिट्टी हटाई गई। मिट्टी हटाते ही बच्ची का अर्धनग्न शव मिल गया। इसके बाद कुछ ही देर में ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। बच्ची के शव की दशा देखकर परिजनों व ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने घटनास्थल से कुछ दूरी पर रहने वाले प्रापर्टी डीलर गणेश शंकर बेड़िया व उसके ट्रक चालक बेटे कमल, आशीष व शनि पर बेटी से दुष्कर्म व हत्या करने के बाद शव खेत में गाड़ने का आरोप लगाया।

भीड़ ने आरोपियों का घर घेर लिया और आग लगाने चली। बवाल बढ़ता देखकर पुलिस ने मशक्कत कर शव किसी तरह कब्जे में तत्काल पोस्टमार्टम भिजवाया। एसीपी घाटमपुर कृष्ण पाल सिंह ने भीड़ से दो हत्यारोपियों को हिरासत में लेने की बात कही। सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया, तब जाकर भीड़ शांत हुई। जेसीपी कानून व्यवस्था विपिन टाडा, डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी, एडीसीपी योगेश कुमार व कई थानों का फोर्स व पीएसी बल मौके पर पहुंचा। जेसीपी ने घटनास्थल पर जांच के बाद पीड़ित व हत्यारोपी के घर पहुंचकर पड़ताल व पूछताछ की। परिजनों को सख्त सजा का भरोसा दिलाया। आरोपी के घर से मिट्टी सने और खून लगे कपड़े मिले हैं। कुछ और सबूत भी मिले हैं जिनकी जांच फोरेंसिक टीम कर रही है। गांव में कई थानों का फोर्स, पीएसी के साथ अफसर मौजूद हैं।

लोकसभा के आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा ने मंगलवार को उन आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया जिन्हें संसद के वर्तमान बजट सत्र के पहले चरण में सदन की अवमानना के मामले में निलंबित किया गया था। इसके साथ ही, सदन में इस बात पर जोर दिया गया कि सदन के सुचारू रूप से संचालन के लिए सदस्यों के लिए लक्ष्मण रेखा होना जरूरी है।

सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने आसन से निलंबन रद्द करने का अनुरोध किया और विपक्षी सदस्यों के आचरण पर खेद भी जताया। संसदीय कार्य मंत्री

- सदन ने कहा- सुचारू संचालन के लिए लक्ष्मण रेखा होना जरूरी

किरेन रीजीजू ने निलंबन खत्म करने का प्रस्ताव सदन में रखा जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दी। कांग्रेस नेता सुरेश ने आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन खत्म करने का आग्रह करते हुए कहा, हम आसन के साथ सहयोग के लिए तैयार हैं...सत्तापक्ष की तरह हमें भी बराबर का मौका मिलना चाहिए। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा, सारे सदस्यों की जिम्मेदारी बनती है कि सदन की मर्यादा का पालन करते हुए सदन को चलाएं... सत्तापक्ष के लोग संकल्प लें तभी सदन सुचारू तरीके से चलेगा। उनका यह भी कहना था कि सदन के सुचारू संचालन के लिए 'भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को अपना आचरण सुधारना होगा। इस पर निशिकांत दुबे ने आपत्ति जताई और कहा कि मैंने जीवन में कभी लोकतंत्र और संसद की मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, देश में एक संदेश जाना चाहिए कि हम एक-दूसरे का सम्मान करते हुए सदन चला रहे हैं और हम सब देश की सेवा के लिए यहां आए हैं। जनता दल (यू) के नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि ताली दोनों हाथ से बजती है तथा ऐसे में विपक्ष को भी लोकतांत्रिक परंपरा का पालन करना चाहिए।

ऐतिहासिक फैसला | सुप्रीम कोर्ट ने मातृत्व लाभ की आयु सीमा खत्म की

तीन माह से बड़े बच्चों को गोद लेने पर भी मिलेगी मैटरनिटी लीव

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020'' के उस प्रावधान को रद्द कर दिया, जो केवल तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली माताओं को ही मातृत्व लाभ देने की अनुमति देता था। अदालत ने इस प्रतिबंध को मनमाना और संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करार दिया है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की।

पीठ ने माना कि बच्चा तीन महीने से कम का हो या अधिक का, गोद लेने वाली मां की भूमिका और जिम्मेदारियां एक समान होती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को पितृत्व अवकाश पर भी विचार करने का दिया सुझाव

उच्चतम न्यायालय ने इस फैसले के साथ एक कदम आगे बढ़ते हुए केंद्र सरकार को पितृत्व अवकाश को सामाजिक सुरक्षा लाभ के रूप में मान्यता देने पर विचार करने का सुझाव दिया। न्यायालय ने कहा कि देखभाल की जिम्मेदारी केवल माता की नहीं होती, इसलिए पिता के लिए भी अवकाश का प्रावधान होना चाहिए जो बच्चे और माता-पिता दोनों की जरूरतों के अनुरूप हो। यह फैसला 'मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961' और बाद में सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020' में शामिल हुए पुराने प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर आया है।

गोद लिए गए बच्चे की जरूरतें जैविक बच्चे से अलग नहीं होतीं। न्यायालय ने कहा कि केवल बच्चे की उम्र के आधार पर माताओं के बीच भेदभाव करना कृत्रिम है और इसका कोई ठोस आधार नहीं है। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि देश में कानूनी रूप से गोद लेने की प्रक्रिया पूरी होने तक बच्चा अक्सर तीन महीने की उम्र पार कर चुका होता है। ऐसे में पुराना नियम अधिकतर माताओं को इस लाभ से वंचित कर रहा था। न्यायालय के इस फैसले का परिणाम यह होगा कि बच्चा गोद लेने वाली सभी माताएं और कमीशनिंग मदर्स (सरोगेसी के मामले में) बच्चे के सुपुर्दगी की तारीख से 12 सप्ताह के मातृत्व लाभ की हकदार होंगी। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चे की उम्र अब मातृत्व लाभ के लिए बाधा नहीं बनेगी। न्यायालय ने माना कि गोद लेने के बाद बच्चे और माता-पिता के बीच भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक तालमेल बिठाने के लिए शुरुआती समय और सरकारी सहायता अनिवार्य है।

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 18 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

निजीकरण व स्मार्ट मीटर के विरोध में धरना आज

अमृत विचार, लखनऊ: अभी तक बिजली निजीकरण और स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध में विद्युत कर्मचारी संगठन ही आंदोलन कर रहे थे। अब ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के साथ आंदोलन करने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा में भी उतर आया है। 18 मार्च बुधवार को इंजीनियर्स फैडरेशन के साथ संयुक्त किसान मोर्चा प्रदेश भर के सभी तहसीलों के एसडीएम कार्यालयों पर धरना प्रर्दशन करेगा। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे और संयुक्त किसान मोर्चा के प्रवक्ता शशिकांत ने बताया कि बिजली के निजीकरण और स्मार्ट मीटर के विरोध सभी जिलों में आंदोलन होगा। यह आंदोलन अब केवल कर्मचारियों तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि गरीब उपभोक्ताओं, किसानों और आम जनता की सक्रिय भागीदारी के साथ एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। बिजली निजी हाथों में गई तो किसानों और गरीबों को मिलने वाली सब्सिडी खत्म हो जाएगी।

आम, परवल समेत 13 नई प्रजाति अधिसूचित

अमृत विचार, लखनऊ: केंद्र सरकार ने प्रदेश में विज्ञानियों द्वारा विकसित की गईं आम, अमरूद, बेल, परवल, हल्दी समेत 11 प्रजाति अधिसूचित की हैं। तेलीबाग स्थित केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान में मंगलवार को अध्यक्ष/अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीणा ने अध्यक्षता में राज्य बीज उप समिति की 14वीं बैठक हुई। इसमें केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान रहमानखेड़ा की ओर से विकसित की गई आम की प्रजाति अवध अभय, अवध समृद्धि, आईसीएआर सागरिका, बेल की अवध अर्पन व अवध श्रेष्ठ प्रजाति, परवल की अवध सुचित्रा व अवध सुरेखा प्रजाति, अमरूद की अवध भूषण से अवगत कराया गया। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज अयोध्या की ओर से विकसित नरेंद्र बेल-17, नरेंद्र बेल-2 व नरेंद्र हल्दी-5 प्रजाति की जानकारी दी गई। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी की ओर से विकसित टमाटर की पांच व करेला, लौकी, क्लस्टर बीन, विंग्ड बीन, चौलाई, सिंघाड़ा, बेबी कार्न, कमल की एक-एक प्रजाति के साथ केंद्रीय उपोष्ण बागवनी द्वारा जामुन व बेल की एक-एक प्रजाति, सेम की दो, आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय से बेर की एक प्रजाति का भी प्रस्तुतीकरण किया गया।

बिजली बाधित करने की साजिश में प्रबंधन पर लगाया जाए एस्मा

अमृत विचार, लखनऊ: विद्युत नियामक आयोग की सुनवाई में बताया गया कि उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 51 हजार करोड़ रुपए सरप्लस है। ऐसे में बिजली बिल की दरों मे बढ़ोत्तरी का सवाल ही पैदा नहीं होता। उधर प्रीपेड स्मार्ट मीटर रिचार्ज कराने के बाद भी लाखों उपभोक्ताओं को बिजली नहीं मिलने पर मुआवजा दिए जाए। साथ ही बिजली बाधित करने की साजिश का आरोप लगाते हुए विद्युत वितरण निगम के प्रबंधन के खिलाफ एस्मा लगाने की भी मांग की गई। विद्युत नियामक आयोग की सुनवाई मंगलवार को बरेली के जीआईसी आडीटोरियम में हुई। आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह के समक्ष राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश वर्मा और मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल आला अफसरों के साथ मौजूद रहीं। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक ने विभागों के कार्यों व टैरिफ पर अपना प्रस्तुतीकरण किया गया।

'पंडित' पर आपत्तिजनक प्रश्न से नाराज भगवाधारी ने किया आत्मदाह का प्रयास

दरोगा भर्ती परीक्षा

गोसेवक दीपक शर्मा।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पुलिस भर्ती बोर्ड मुख्यालय के बाहर पुलिस ने पेट्रोल डालने से पहले पकड़ लिया
- बुलंदशहर के ब्लॉक दानपुर गांव का रहने वाला है गोसेवक दीपक शर्मा

अमृत विचार: विधानसभा मार्ग स्थित उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड मुख्यालय के बाहर भगवाधारी गो-सेवक दीपक शर्मा ने आत्मदाह का प्रयास किया। खुद पर पेट्रोल उड़ेल पाता, उससे पहले पुलिसकर्मियों ने दौड़कर उसे पकड़ लिया। हुसैनगंज पुलिस भगवाधारी को लेकर कोतवाली पहुंची। पूछताछ में बताया कि दरोगा भर्ती के पेपर में अवसर के साथ बदल जाने वाले प्रश्न में विकल्प में पंडित दिए जाने से नाराज है। इंस्पेक्टर हजरतगंज को इस संबंध में प्रार्थना पत्र भी दिया था, लेकिन अभी तक रिपोर्ट नहीं दर्ज की गई। पुलिस ने बुलंदशहर पुलिस को सूचना दे दी है।

एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि दीपक शर्मा मूल रूप से बुलंदशहर के ब्लॉक दानपुर गांव के रहने वाले हैं। दीपक करीब 11 बजे बोतल में पेट्रोल लेकर पुलिस भर्ती बोर्ड मुख्यालय के पास पहुंचे थे। पुलिस पहले से वहां सक्रिय थी। इससे पहले कोई कुछ समझ पाता, दीपक भर्ती बोर्ड के मेन गेट से अंदर घुसते ही बोतल निकाल ली। इससे पहले कि वह ज्वलनशील पदार्थ डाल पाता हुसैनगंज शिवमंगल सिंह व अन्य पुलिस कर्मियों ने पकड़ लिया। पुलिस दीपक को लेकर कोतवाली पहुंची। दीपक ने पूछताछ में बताया कि इन दिनों लगातार ब्राह्मणों को प्रताड़ित किया जा रहा है। ब्राह्मणों को टारगेट कर उनपर आपत्तिजनक कमेंट किए जा रहे हैं। दरोगा भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में शनिवार को पंडित शब्द का इस्तेमाल कर अपमानित किया गया। लोगों में इससे बहुत आक्रोश है। अबतक प्रश्नपत्र बनाने वालों पर कार्रवाई नहीं हुई। जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए। कुछ दिनों से बाह्मण देश छोड़ो, ब्राह्मण को देश मे रहने नहीं देंगे। इस तरह के कमेंट और नारेबाजी लोगों के द्वारा किया जा रहा है।

इस संबंध में कार्रवाई मांग करते हुए दो दिन पूर्व हजरतगंज कोतवाली में ज्ञापन भी दिया था। इसके बाद भी करवाई नहीं हुई। एसओ हुसैनगंज शिवमंगल सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी बुलंदशहर पुलिस को दे दी गई है। बुलंदशहर पुलिस के आने पर दीपक शर्मा को उनके सुपुर्द कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दी बहुगुणा को श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा को लोकप्रिय राजनेता, कुशल प्रशासक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बताते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। योगी ने कहा कि बहुगुणा जी ने सामाजिक जन-जागरूकता और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए। योगी मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बोल रहे थे।

300 मिलियन डॉलर से सुधारी जाएगी प्रदेश की वायु गुणवत्ता

विश्व बैंक, भारत सरकार और प्रदेश सरकार के बीच नई दिल्ली में हुआ करार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 3.9 मिलियन घरों को मिलेगी स्वच्छ कुकिंग सुविधा
- 700 से अधिक ईंट भट्ठों का किया जाएगा आधुनिकीकरण
- किसानों को उर्वरकों के कुशल उपयोग के लिए प्रोत्साहित करेंगे

ट्रैक्टर, कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट व फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगेंगी

- यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में निवेश की रफ्तार तेज, तीन कंपनियों को भूमि आवंटन
- 3400 करोड़ रुपये से अधिक निवेश का रास्ता साफ, 5700 से ज्यादा रोजगार सृजन

अमृत विचार: प्रदेश में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए विश्व बैंक, भारत सरकार और प्रदेश सरकार के बीच नई दिल्ली में महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते के तहत उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्रोग्राम को करीब 299.66 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 300 मिलियन डॉलर) की वित्तीय सहायता मिलेगी।

परिवहन, कृषि और उद्योग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में एकीकृत समाधान लागू कर वायु प्रदूषण कम करने पर केंद्रित इस कार्यक्रम से न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि आसपास के राज्यों को भी लाभ मिलेगा। एमओयू पर प्रदेश की ओर से स्वच्छ वायु प्रबंधन प्राधिकरण की सीईओ बी. चंद्रकला, भारत सरकार की ओर से आर्थिक मामलों के विभाग की संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी और विश्व बैंक की ओर से कार्यवाहक कंट्री डायरेक्टर पॉल प्रोसी ने हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है और आर्थिक विकास के साथ पर्यावरणीय संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से विकास का आकलन केवल जीडीपी से नहीं, बल्कि स्वच्छ वातावरण और स्वस्थ नागरिकों से भी होगा। विश्व बैंक के अनुसार, इस पहल से परिवहन और एमएसएमई क्षेत्र में लगभग 150 मिलियन डॉलर की निजी पूंजी आकर्षित होगी। साथ ही इलेक्ट्रिक बसों व तीन पहिया वाहनों में निवेश, उद्योगों में उत्सर्जन निगरानी और स्वच्छ तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में औद्योगिक निवेश को गति देने की दिशा में योगी सरकार को एक और बड़ी सफलता मिली है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में तीन प्रमुख कंपनियों को भूमि आवंटित की गई है, जो यहां ट्रैक्टर, कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट व फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाएंगी। इन परियोजनाओं के जरिए प्रदेश में 3,400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आएगा और 5,700 से ज्यादा रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

इन्वेस्ट यूपी की संस्तुति पर हुए इस आवंटन को प्रदेश में बेहतर होती निवेश नीति और उद्योग अनुकूल माहौल का परिणाम माना जा रहा है। सरकार का लक्ष्य यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र को एक बड़े औद्योगिक हब के रूप में विकसित करना है। सबसे बड़ा निवेश एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। कंपनी को सेक्टर-10 में 154 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जहां ट्रैक्टर और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट निर्माण इकाई स्थापित होगी। इस परियोजना में करीब 2,029 करोड़ रुपये का निवेश होगा और लगभग 4,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे कृषि और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को मजबूती मिलने की उम्मीद है। वहीं, सीएनएच इंडस्ट्रियल इंडिया प्रा. लि. को सेक्टर-8डी में 100 एकड़ भूमि दी गई है। कंपनी यहां ट्रैक्टर निर्माण इकाई स्थापित करेगी, जिसमें 1,219.81 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इस प्रोजेक्ट से करीब 1,200 रोजगार सृजित होंगे और प्रदेश कृषि मशीनरी निर्माण का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। तीसरी कंपनी सन ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज प्रा. लि. को सेक्टर-8डी में 30,000 वर्गमीटर भूमि आवंटित की गई है। यहां ड्राई फ्रूट प्रोसेसिंग और पैकेजिंग यूनिट स्थापित होगी, जिसमें 225.16 करोड़ रुपये का निवेश और 569 रोजगार सृजित होंगे।

सरकार की सिंगल विंडो प्रणाली, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योग अनुकूल नीतियों के चलते निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। इन परियोजनाओं से स्थानीय अर्थव्यवस्था, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन को भी नई गति मिलेगी। कार्यक्रम के तहत 3.9 मिलियन घरों को स्वच्छ कुकिंग सुविधा, 700 से अधिक ईंट भट्ठों का आधुनिकीकरण और किसानों को उर्वरकों के कुशल उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। 10 वर्ष की अवधि वाला यह कार्यक्रम इंडो-गंगा क्षेत्र के व्यापक वायु गुणवत्ता सुधार प्रयासों का हिस्सा है।

किस कंपनी को क्या मिला

- एस्कॉर्ट्स कुबोटा: 154 एकड़, 2029 करोड़ निवेश
- सीएनएच इंडस्ट्रियल: 100 एकड़, 1219 .81 करोड़ निवेश
- सन ऑर्गेनिक: 30,000 वर्गमीटर, 225 .16 करोड़ निवेश

यह होगा फायदा

- 5700 से अधिक रोजगार के अवसर
- कृषि व निर्माण क्षेत्र को मजबूती
- फूड प्रोसेसिंग सेक्टर को बढ़ावा
- यमुना एक्सप्रेसवे बनेगा औद्योगिक हब

19 को बागपत में बेटियों का सम्मान

अमृत विचार, लखनऊ: नवरात्र के पहले दिन बागपत में बेटियों के सम्मान और सशक्तीकरण का अनूठा आयोजन 'नन्ही कली' कार्यक्रम के तहत किया जाएगा। 19 मार्च को आयोजित इस कार्यक्रम में छह बार की विश्व चैंपियन बॉक्सर मैरी कॉम बेटियों को सम्मानित करेंगी और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी। इस पहल की खासियत है कि 'नन्ही कली' गुड़िया गांव की महिलाओं द्वारा रिसाइकिल प्लास्टिक और कपड़ों के टुकड़ों से तैयार की जा रही है। इसमें बेकार प्लास्टिक बोतलों से बने फाइबर का उपयोग किया गया है।

मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री ने उतारी मां विंध्यवासिनी की आरती, कॉरिडोर का कार्य भी देखा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मीरजापुर में मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन, आरती उतारी और मां को लाल चुनरी अर्पित कर मंदिर की परिक्रमा की। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री बच्चों के बीच पहुंचे और उनसे बातचीत कर पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। बच्चों को मोबाइल का सीमित उपयोग करने की सलाह दी और चॉकलेट वितरित की।

चैत्र नवरात्र से पहले मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नवरात्र और रामनवमी के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित दर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के लिए भी कहा। दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने विंध्यवासिनी कॉरिडोर का निरीक्षण कर वहां लगे स्टाल भी देखे। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, विधायक रत्नाकर मिश्र, विधान परिषद सदस्य विनीत सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

मां विंध्यवासिनी विवि का किया निरीक्षण

- **अमृत विचार, लखनऊ:** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने 31 मई तक निर्माण कार्य हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विवि परिसर में मौलिश्री का पौधा भी लगाया। निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में सड़कों के निर्माण और पेयजल व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि यहां ऐसे पाठ्यक्रम संचालित किए जाएं, जो युवाओं को कौशल विकास के साथ रोजगार से भी जोड़ें। उन्होंने विशेष रूप से मीरजापुर, सोनभद्र और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम तैयार करने पर जोर दिया। साथ ही तृतीय श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय क्षेत्र के युवाओं की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसे उच्च गुणवत्ता के साथ विकसित किया जाना चाहिए। कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, विधायक रमाशंकर पटेल, प्रमुख सचिव महेंद्र अग्रवाल, आयुक्त राजेश प्रकाश, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हज यात्रियों के लिए मेडिकल स्क्रीनिंग, वैक्सीनेशन अनिवार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सऊदी गाइडलाइंस के तहत आज फिटनेस प्रमाणन जरूरी

अमृत विचार: हज यात्रा 2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। सऊदी अरब सरकार के हज मंत्रालय की गाइडलाइंस के अनुसार सभी हज यात्रियों के लिए मेडिकल स्क्रीनिंग और वैक्सीनेशन अनिवार्य कर दिया गया है। एस.पी. तिवारी ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया के 16 मार्च 2026 के सर्कुलर के तहत यह निर्देश जारी किए गए हैं, जिनमें एनआरआई हज यात्री भी शामिल हैं।

निर्देशों के अनुसार, हज यात्रियों को अपनी मेडिकल स्क्रीनिंग और फिटनेस प्रमाणन 18 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से कराना होगा। वहीं वैक्सीनेशन यात्रा से 10 दिन पूर्व तक कराया जा सकता है। सभी यात्रियों को अपनी पूरी यात्रा के दौरान मूल हेल्थ कार्ड साथ रखना जरूरी होगा।एनआरआई हज यात्रियों को जिस देश में वे रह रहे हैं, वहीं के सरकारी या मान्यता प्राप्त निजी स्वास्थ्य केंद्रों से मेडिकल स्क्रीनिंग कराकर उसका प्रमाण पत्र संबंधित राज्य हज समिति को उपलब्ध कराना होगा। इनके मेडिकल और वैक्सीनेशन का पूरा खर्च यात्रियों को स्वयं वहन करना होगा।

सपा-कांग्रेस के महापुरुषों में दम नही इसीलिए मना रहे कांशीराम जयंती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मायावती बोलीं, बसपा को खत्म करने की रची जा रही साजिश

अमृत विचार: बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती मनाने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने एक बार फिर सपा-कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पहले से ही सपा-कांग्रेस द्वारा बसपा को खत्म करने की साजिश की जाती रही है।

बसपा प्रमुख ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यूपी के विधान सभा चुनाव नजदीक आते ही दलित विरोधी पार्टियां एकाएक सक्रिय हो गई हैं। दलित वोटों के स्वार्थ में अब यह बसपा के संस्थापक कांशीराम की जयंती सोची-समझी साजिश के तहत मना रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की जब केन्द्र में सरकार थी, तब उन्हें भारत रत्न की उपाधि नहीं दी, लेकिन अब दूसरी सरकार से देने की मांग कर रहे हैं। इससे अधिक हास्यास्पद क्या हो सकता है। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने जिस बसपा की नींव रखी, उसकी एकमात्र उत्तराधिकारी वह खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनके जिंदा रहते हुए कोई उनकी पार्टी को हिला नहीं सकता। ऐसा लगता है कि सपा और कांग्रेस के महापुरुषों में कोई जान नहीं रही है। अब ये हमारे महापुरुषों को भुनाने में लगे हैं। हैरत की बात तो यह है कि कांशीराम के सम्मान में किए गए विकास कार्यों के नाम भी सपा सरकार ने बदल दिए। उन्होंने सपा-कांग्रेस में शामिल अनुसूचित जाति के नेताओं से कहा कि वह कांशीराम द्वारा लिखी चमचा युग के नाम पर लिखी किताब पढ़ लें।

लघु सिंचाई विभाग में 402 पदों पर पीईटी पास को मौका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 15 अप्रैल से आवेदन शुरू, 5 मई अंतिम तिथि

अमृत विचार: प्रदेश के लघु सिंचाई विभाग में 402 सहायक बोरिंग तकनीशियन पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है। इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया 15 अप्रैल से शुरू होगी और अभ्यर्थी ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा कराई जाने वाली इस भर्ती में चयन प्रक्रिया पीईटी-2025 के स्कोर के आधार पर होगी। पीईटी में शून्य या नकारात्मक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी आवेदन के पात्र नहीं होंगे। आवेदन शुल्क जमा करने और फॉर्म सबमिट करने की अंतिम तिथि 5 मई निर्धारित की गई है।

सभी श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 25 रुपये रखा गया है। इन पदों के लिए चयनित अभ्यर्थियों को 19,900 से 63,200 रुपये तक का वेतनमान मिलेगा। भर्ती से जुड़ी विस्तृत जानकारी और आवेदन प्रक्रिया आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है, जहां अभ्यर्थी निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन कर सकते हैं।

नई वित्तीय नीति | योगी सरकार ने तय किया है हर रुपये का उद्देश्य व पारदर्शिता

जनता के काम में सीधे खर्च हो रहा टैक्स का धन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गो कल्याण, सड़क, खेती और विरासत को मिल रहा सीधा लाभ

अमृत विचार: योगी सरकार ने सार्वजनिक वित्त प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए टैक्स व्यवस्था को सीधे जनहित से जोड़ने का नया मॉडल लागू किया है। इस नीति के तहत अब राजस्व केवल संग्रह का माध्यम नहीं, बल्कि एक तय उद्देश्य के साथ खर्च किया जा रहा है। यानी जनता से जो पैसा आता है, वह किस क्षेत्र में खर्च हो रहा है, यह पूरी तरह स्पष्ट किया जा रहा है।

सरकार की इस पहल से आम नागरिक अब आसानी से समझ सकता है कि उसका दिया गया टैक्स किस काम में उपयोग हो रहा है। यह पारदर्शिता न केवल भरोसा बढ़ा रही है, बल्कि विकास योजनाओं को भी अधिक प्रभावी बना रही है। राज्य सरकार का मानना है कि स्पष्ट नीति और लक्ष्य आधारित खर्च से समाज, अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विरासत तीनों को एक साथ मजबूती दी जा सकती है।

इस मॉडल का एक प्रमुख उदाहरण गो कल्याण सेस है। आबकारी राजस्व पर लगाए गए 0.5 प्रतिशत के इस सेस से राज्य को सैकड़ों करोड़ रुपये प्राप्त हो रहे हैं, जिन्हें सीधे निराश्रित गोवंश की देखभाल में खर्च किया जा रहा है। प्रदेश के गोवंश आश्रय स्थलों में पशुओं के लिए भोजन, आवास और उपचार की सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इससे किसानों को भी राहत मिल रही है। सरकार ने "जिस सेक्टर से राजस्व, उसी सेक्टर में निवेश" की नीति को भी लागू किया है। इसके तहत स्टाम्प ड्यूटी से मिलने वाले राजस्व को धार्मिक और पर्यटन परियोजनाओं, खनन से प्राप्त आय को सिंचाई व जल प्रबंधन, एक्सप्रेसवे टोल को ग्रामीण सड़कों और कनेक्टिविटी तथा मंडी शुल्क को किसानों की योजनाओं में लगाया जा रहा है। इससे विकास का लाभ सीधे संबंधित क्षेत्रों तक पहुंच रहा है। नई वित्तीय नीति की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पारदर्शिता है। अब टैक्स का उपयोग अस्पष्ट नहीं है, बल्कि स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इससे सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है और योजनाओं के क्रियान्वयन में भी गति आई है। प्रदेश सरकार 2029-30 तक एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। इसके लिए सड़क, सिंचाई, लॉजिस्टिक्स, उद्योग और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में पूंजीगत निवेश लगातार बढ़ाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश का यह मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी एक उदाहरण बनकर उभर रहा है।

ऐसे काम कर रहा मॉडल

- टैक्स को तय उद्देश्य से जोड़ा गया
- जहां से राजस्व, वहीं खर्च की नीति
- गो कल्याण सेस से पशु संरक्षण
- टोल से सड़क, स्टाम्प से पर्यटन विकास
- पारदर्शिता से जनता का भरोसा बढ़ा

इन क्षेत्रों को मिला लाभ

- गोवंश संरक्षण और आश्रय स्थल
- ग्रामीण सड़क और कनेक्टिविटी
- सिंचाई व जल प्रबंधन
- धार्मिक व पर्यटन विकास
- किसान कल्याण और फसल सुरक्षा

प्रोजेक्ट अलंकार में अब जरूरत के अनुसार ही मिलेगी धनराशि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बनाई जाएगी समिति

अमृत विचार: राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में मरम्मत और रखरखाव कार्यों को तेज करने के लिए प्रदेश सरकार ने 'प्रोजेक्ट अलंकार' की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब स्कूलों को पहले की तरह तय भारांक (वेटेज) के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक जरूरत के अनुसार धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।

नई व्यवस्था के तहत विद्यालय अब पहले से निर्धारित 35 मानकों के अलावा अपनी अन्य आवश्यक मरम्मत कार्यों को भी प्रस्ताव में शामिल कर सकेंगे। वर्तमान में प्रदेश के 1167 राजकीय माध्यमिक विद्यालय इस योजना से जुड़े हुए हैं। शासनादेश के अनुसार वर्ष 2021 और 2023 में जारी पुराने आदेशों में प्रक्रिया जटिल होने के कारण समय पर प्रस्ताव नहीं मिल पाते थे, जिससे धन आवंटन में देरी होती थी। इस समस्या को दूर करने के लिए अब पुराने आदेशों को निरस्त करते हुए नई सरल व्यवस्था लागू की गई है।

नई प्रक्रिया के तहत किसी भी विद्यालय में मरम्मत की जरूरत का चिन्हांकन सबसे पहले प्रधानाचार्य या प्रधानाध्यापक करेंगे। इसके बाद प्रस्ताव जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को भेजा जाएगा। डीआईओएस निर्माण एजेंसी से लागत का एस्टीमेट तैयार कराकर प्रस्ताव को जिला स्तर की समिति के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। प्रस्तावों को स्वीकृति देने के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित की जाएगी। इसमें मुख्य विकास अधिकारी उपाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता तकनीकी सदस्य और डीआईओएस सदस्य सचिव होंगे। समिति से मंजूरी मिलने के बाद प्रस्ताव शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), प्रयागराज को भेजा जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

अनफिट मिले स्कूली वाहनों का चालान

रसूलाबाद। बिना फिटनेस के चल रहे स्कूली वाहनों एवं अन्य वाहनों के विरुद्ध एआरटीओ प्रशासन ने एक स्कूली वैन एवं दो ऑटो के विरुद्ध एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई कर वाहनों को रसूलाबाद थाने पर खड़ा करवा दिया है। एआरटीओ प्रशासन सोमलता ने एक स्कूली मारुति वैन और दो ऑटो में अधिक सवारी बैठने, आवश्यक प्रपत्र पूरे ना होने के चलते मोटर व्हीकल अधिनियम की धारा 207 के तहत कार्रवाई कर उन्हें रसूलाबाद थाने की सुपुर्दगी में दे दिया है। चर्चा है कि स्कूली वैन का चालक स्कूली बच्चों को वैन में बंद कर फरार हो गया। तब किसी प्रकार उन बच्चों को बाहर निकाला गया और उस वैन के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की गई।

डीएम ने झंडी दिखा प्रचार वाहन दौड़ाए

कानपुर देहात। मंगलवार को जिलाधिकारी कपिल सिंह ने रोजगार मेले के प्रचार- प्रसार हेतु प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 20 मार्च को माती रोड पर स्थित अकबरपुर महाविद्यालय में आयोजित होने वाले वृहद रोजगार मेले के जनपद में व्यापक प्रचार प्रसार हेतु वाहनों की रवानगी की गई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी, दुष्यंत कुमार मौर्य, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट नीलिमा यादव, शालिनी उत्तम एवं जिला सेवायोजन अधिकारी शशि तिवारी आदि उपस्थित रहे।

गांव में जल संरक्षण के महत्व बताए गए

कानपुर देहात। जल जीवन मिशन के अंतर्गत मंगलवार को संदलपुर के अगवासी में जल अर्पण महोत्सव हुआ। कार्यक्रम में राज्यमंत्री अजीत पाल सिंह मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर ग्रामीणों को जल संरक्षण सुरक्षित पेयजल जल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं सामुदायिक सहभागिता के प्रति जागरूक किया गया। जल पद यात्रा प्रभात फेरी, जल बंधन, जल संकल्प कार्यक्रम आयोजित किए गए। राज्यमंत्री ने ग्रामीणों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया। बताया गया कि योजना में 754 हाउस कनेक्शन में सोलर सिस्टम से नियमित जलापूर्ति की जा रही है। अधिशासी अभियंता द्वारा ग्रामवासियों को शुद्ध पेयजल के लाभ के बारे में जानकारी दी गई।

डीएम ने कलेक्ट्रेट में बैठकर सुनी व्यथा

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई की। उन्होंने समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना और निस्तारण के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं को उनके प्रकरण की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे जनसामान्य का प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल की नियमित समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि पोर्टल पर प्राप्त किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए। सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके।

गैस की कमी से ईद की खुशियां फीकीं

रसूलाबाद। मुस्लिम समुदाय के सबसे बड़े त्योहार ईद पर घरों में पकवान बनाने के लिए गैस की कमी खल रही है। ईद की तैयारियों के बीच लोगों को गैस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। विभिन्न प्रकार के पकवान बनाने के लिए गैस की बड़ी समस्या बन गई है, जिससे उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर जहां ईद नजदीक आते ही जहां बाजारों में रौनक बढ़ गई है वहीं दूसरी ओर गैस की कमी लोगों की चिंता बढ़ा रही है। कपड़े, जूते, इत्र और सेवइयां की खरीदारी के लिए दुकानों पर भीड़ उमड़ रही है। क्षेत्रीय लोगों अतहर खां भुट्टो,शब्बर खान, अकील खान, वसीम अहमद खान, वसीम शाह आदि का कहना है कि अधिकतर घरों में गैस चूल्हे का उपयोग होता है। पहले लकड़ियों से चूल्हे पर खाना बनाया जाता था। ऐसे में समय पर गैस सिलेंडर न मिलने से त्योहार की तैयारियों पर सीधा असर पड़ रहा है और लोगों को त्योहार के पकवान बनाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

डूबते दोस्त को बचाने में खुद की गवां दी जान

संवाददाता, रसूलाबाद

- दोस्तों संग पिकनिक मनाने गया था बंगाली कॉलोनी का युवक

अमृत विचारः याकूबपुर निचली रामगंगा नहर पश्चिमी प्रयागराज पुल से अपने दोस्त को बचाने के लिए नहर में कूदे एक युवक की डूबने से मृत्यु हो गई। सोमवार शाम रसूलाबाद क्षेत्र के बांद्रा गांव के पास शव मिला। इसकी सूचना ग्रामीणों ने परिजनों को दी। युवक अपने पिता का एकलौता पुत्र था। मंगलवार को उसका शव घर पर आने पर परिवार में कोहराम मच गया।

रविवार दोपहर लगभग तीन बजे कस्बे के बंगाली कॉलोनी महेंद्र नगर सेक्टर नंबर एक निवासी विधान (35) पुत्र विमल अपने दोस्तों विवेक सेन व शेखर के साथ बाइक से बेला क्षेत्र की याकूबपुर पुलिस चौकी के डमरपुर के निकट झाल में पिकनिक मनाने रामगंगा नहर के किनारे पहुंचे थे। बेला थानाध्यक्ष गंगादास गौतम के मुताबिक विधान नहर किनारे बैठा था। उसके दोनों दोस्त नहर में नहा रहे थे। विवेक डूबने लगा तो विधान उसे बचाने के लिए नहर में कूद गया। विधान ने विवेक को तो बाहर निकाला, लेकिन खुद तेज बहाव में बह गया।

सूचना पर उसे ढूंढने का प्रयास किया गया। एसडीआरएफ की भी मदद ली गई। नहर में युवक की तलाश में पुलिस, गोताखोर, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) टीम सोमवार सुबह से लगी रही। करीब 30 घंटे बाद सोमवार शाम उसका शव ग्राम ढकपुर्वा अजनपुर क्षेत्र में मिला। क्षेत्रीय ग्रामीणों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। मंगलवार शाम शव घर पहुंचने पर कोहराम गया। विधान की असामयिक मौत पर पिता विमल, मां अधूरी सेन, पत्नी शुक्रिता सेन, पुत्रियां अर्पिता सेन, मनू सेन व सिया सेन बेहाल रहीं।

दिनदहाड़े बैंक से 100 मीटर दूर शिक्षिका की छीनी चेन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- अकबरपुर के गांधी नगर इलाके में वारदात से फैली सनसनी
- धक्का देने से शिक्षिका घायल कैमरे में नजर आए दोनों लुटेरे

अमृत विचारः अकबरपुर शहर के गांधी नगर इलाके में बाइक सवार लुटेरों ने मंगलवार को दिनदहाड़े शिक्षिका की चेन छीन ली। गले से चेन निकालने के लिए लुटेरों ने शिक्षिका को धक्का भी मारा। वह जमीन पर गिर गईं। उठकर शोर मचातीं, इसके पहले ही लुटेरे रफूचक्कर हो गए। वारदात बैंक से महज सौ मीटर की दूरी पर हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस मौके पर पहुंची। सदर चौकी इंचार्ज ने कहा कि तहरीर मिलेगी तो जांच कर कार्रवाई करेंगे।

गांधी पार्क के पास रहने वाले अवकाश प्राप्त दूरसंचार कर्मी संतोष कुमार तिवारी की पत्नी नीलम तिवारी शहजादपुर गांव के स्कूल की हेड मास्टर हैं। इन दिनों बीआरसी में उनकी ट्रेनिंग चल रही। बीआरसी उनके घर के नजदीक ही है। रोज की तरह मंगलवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे वह एक नर्सिंग होम के पीछे से होकर वह बीआरसी

लुटेरों के धक्का देने से जमीन पर गिरकर घायल हुईं प्रधानाध्यापिका नीलम तिवारी।

घटनास्थल के पास सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए बाइक सवार दोनों लुटेरे।

जा रही थीं। रास्ते में बाइक पर दो युवक आए। एक ने हेलमेट लगा रखा था जबकि दूसरे ने अपना चेहरा गमछे से ढका हुआ था। बाइक की रजिस्ट्रेशन प्लेट भी कवर कर रखी थी। बदमाशों ने आते ही नीलम तिवारी पर झपट्टा मारा। गले में पहनी चेन छीनने की कोशिश की।

चेन नहीं मिली तो बदमाशों ने उन्हें गिरा दिया और फिर चेन लेकर दोबारा अस्पताल के नुक्कड़ पर आकर टीचर्स कॉलोनी होते हुए इंटर कॉलेज की तरफ भाग निकले। इधर, सड़क पर गिरने और चेन छीन लिए जाने से नीलम तिवारी सदमे में आ गई। किसी तरह उठी तो शोर मचाया। इलाकाई लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद उन्हें घर ले जाया गया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। कैमरे की फुटेज में दोनों लुटेरे आते और जाते दिखाई दिए। देर शाम तक लुटेरों के बारे में कोई सुराग नहीं लग सका। चौकी इंचार्ज अभिषेक सिंह चौहान ने बताया कि तहरीर अभी नहीं मिली है। घटना की जांच की जा रही है।

ढकी नंबर प्लेट वाली बाइक लेकर घूमते रहे लुटेरे

आम तौर पर छोटे-छोटे मामलों में वाहन रोककर कार्रवाई करने वाली ट्रैफिक पुलिस ने भी नंबर प्लेट ढक कर घूमते लुटेरों को नहीं टोका। घटनास्थल के पास रहने वाले कुछ लोगों ने बताया कि लुटेरों ने पहले मेन गली में ही नीलम तिवारी को लूटना चाहा था, मगर ऐन वक्त पर उनका इरादा बदला। मिल्क डेयरी कैंपस में घुसते ही लुटेरे उन पर टूट पड़े। लूट के बाद फिर से पुराने रास्ते पर लौटे।

घटना के बाद पुलिस की गश्त पर सवाल

- प्रिंसिपल के साथ हुई घटना को लेकर इलाकाई लोग भयभीत हैं। लोगों का कहना है कि बदमाश यदि दिनदहाड़े इस तरह घटना को अंजाम दे सकते हैं तो रात का आलम क्या होगा। कुछ लोगों ने बताया कि इस समय पुलिस की गश्त बंद सी है। इसी से लुटेरों का हौसला बढ़ा।

बैंक के पास सुरक्षा बढ़ाने की उठी मांग

- जिस जगह वारदात हुई, उससे करीब 100 मीटर की दूरी पर यूनियन बैंक संचालित है। रोज लोग लाखों रुपये का लेन-देन होता है। इसी बैंक के पीछे हुई इस वारदात को लेकर बैंक कस्टमरों में भय का माहौल है। उन्होंने बैंक के आस-पास सुरक्षा बढ़ाए जाने की मांग की है।

शव रखकर सड़क जाम, 3 घंटे हंगामा

रूरा-शिवली रोड पर गहलों के पास ट्रेलर की टक्कर से घायल हुए तीसरे युवक की भी थम गईं सांसें

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः चार दिन पहले शिवली-रूरा मार्ग पर गहलों गांव के पास डंपर ट्रेलर एवं बाइक के बीच आमने-सामने हुई भिड़ंत में बाइक सवार दो युवकों की मौत के बाद तीसरे युवक की भी इलाज के दौरान हैलट अस्पताल में मौत हो गई। सोमवार की रात पोस्टमार्टम के बाद शव गांव आने पर परिजनों के बीच कोहराम मच गया।

घटना से आक्रोशित परिजनों एवं ग्रामीणों ने मंगलवार की सुबह शिवली-रूरा मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया और मुआवजे की मांग करने लगे। सूचना पर मैथा एसडीएम, शिवली पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण नहीं माने। जाम की खबर पर राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला एवं पूर्व सांसद अनिल शुक्ला भी पहुंचे और खफा लोगों को समझाने का प्रयास किया। करीब तीन घंटे बाद एसडीएम के समझाने व योजनाओं का लाभ दिलाने के आश्वासन पर जाम खुला।

14 मार्च को शिवली कोतवाली क्षेत्र के जुगराजपुर शिवली निवासी सुमित पाल, अनुराग पाल व रूपेंद्र पाल एक शादी समारोह में शामिल होने रूरा थाना क्षेत्र के तिगाईं गांव गए थे। देर रात बाइक से गांव लौट रहे थे, तभी शिवली-रूरा मार्ग पर गहलों गांव के पास मोड़ पर सामने से तेज रफ्तार डंपर ट्रेलर ने टक्कर मार दी थी। टक्कर से रूपेंद्र पाल की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि सुमित पाल और अनुराग पाल को हैलट अस्पताल ले जाया गया था। सोमवार की सुबह अनुराग पाल की भी मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम के बाद अनुराग पाल का शव घर आ भी नहीं पाया था कि सुमित पाल की भी मौत हो गई। सोमवार की रात पोस्टमार्टम के बाद सुमित का शव जैसे ही गांव पहुंचा तो मातम छा गया। परिजनों में कोहराम मच गया। एक साथ तीन युवकों की मौत से आक्रोशित हुए परिजनों व ग्रामीणों ने सुमित का शव लेकर जुगराजपुर सीएचसी के सामने पहुंचे और सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। जाम की जानकारी मिलने पर एसडीएम राजकुमार पांडेय, शिवली कोतवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। ग्रामीण मुआवजा और मृतकों के परिजनों को दो-दो बीघा जमीन का पट्टा एवं सीएचसी में नौकरी दिलवाने की मांग पर अड़े रहे। इसी बीच राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला एवं पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी भी पहुंच गए और ग्रामीणों को समझाया बुझाया, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं हुए। काफी देर तक हंगामा चलने के बाद जेपी पाल, सत्येंद्र पाल व सुरेश पाल टिल्लू,अम्बरपुर प्रधान संजय आदि द्वारा मध्यस्थता की जाने पर एसडीएम के समझाने व योजनाओं का लाभ दिलाने के आश्वासन पर जाम खुल गया। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि जाम खुलवा दिया गया है, आवागमन चालू हो गया है।

मुआवजे के लिए सड़क पर शव रखकर बैठीं गांव-परिवार की महिलाएं। अमृत विचार

लोगों को समझाने का प्रयास करते पूर्व सांसद और राज्यमंत्री। अमृत विचार

दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के मामले में 10 साल कैद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- शिवली कोतवाली क्षेत्र में करीब दो साल पहले हुई थी घटना

अमृत विचारः शिवली क्षेत्र में करीब 2 साल पहले महिला को बहला फुसलाकर ले जाने, धर्म परिवर्तन कराने और दुष्कर्म के मामले में आरोपी को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने 15 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। जुर्माना अदा नहीं किया तो आरोपी को दस माह की और जेल काटनी होगी।

9 अप्रैल 2024 को शिवली कस्बे के शिवाजी नगर में रहने वाले सलामत अली पुत्र लियाकत अली के खिलाफ महिला ने केस दर्ज कराया था। आरोप था कि सलामत महिला को बहला फुसला कर ले गया। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया, फिर अश्लील वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। आरोपी ने महिला को मस्जिद में ले जाकर धर्म परिवर्तन भी कराया। धारा 366, 376, 506 आईपीसी, धारा 67 आईटी एक्ट एवं 3/5(1) उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत केस पंजीकृत किया गया था। मुकदमा एडीजे-15/पॉक्सो एक्ट कोर्ट में चल रहा था। स्थानीय पुलिस के विवेचक द्वारा विवेचना पूरी करते हुए वास्तविक तथ्यों के आधार पर उसी साल 3 मई को न्यायालय में चार्ज शीट भेज दी। न्यायालय में पेश किए गए साक्ष्यों व गवाहों के बयानों के आधार पर आरोपी सलामत अली को दोषी ठहराया गया। मंगलवार को न्यायालय ने फैसला सुनाया। आरोपी सलामत अली पुत्र लियाकत अली 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 15 हजार का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड अदा न करने की दशा में सलामत को 10 माह के अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा भुगतनी होगी।

शिवली के जागेश्वर मंदिर में मनाया गया बाला जी का 9वां वार्षिकोत्सव

संवाददाता, शिवली

- भजनों पर झूमे श्रद्धालु, चाव से ग्रहण किया भंडारे का प्रसाद

अमृत विचारः विगत वर्षों की बात इस वर्ष भी श्री बालाजी सेवा समिति द्वारा मंगलवार को शिवली जागेश्वरधाम पर श्री बालाजी महाराज का नवां वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्रीबालाजी महाराज की सुंदर झांकी का दर्शन करने एवं परम पूज्य बंगरा वाले छोटे महाराज जी का सानिध्य प्राप्त परम पूज्य अनूप शर्मा बंगरा महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए भक्तों का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा।

वार्षिकोत्सव में हवन और भंडारे भी आयोजित किया गया। उपस्थित भक्तों ने हवन में भाग लेकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर अपने जीवन को धन्य बनाया। भजन गायक पंडित अनूप महाराज के साथ आई जागरण पार्टी के कलाकारों द्वारा सुंदरकांड एवं प्रस्तुत किए गए भजनों को सुन भक्तगण मंत्रमुग्ध हो गए। मंगलवार को बाला जी सरकार का नवां वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इसमें भक्तों का भारी सैलाब उमड़ पड़ा। वार्षिकोत्सव में पधारे बंगरा वाले श्री छोटे जी महाराज का सानिध्य प्राप्त अनूप शर्मा बंगरा महाराज जी का भक्तों ने आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रवि शर्मा, दयाशंकर शर्मा, सुनीत कुमार द्विवेदी, विमलेश मिश्रा, जटाशंकर शर्मा, रजत शर्मा, मोनू शर्मा, धीरेंद्र शर्मा, सोनू शर्मा कमलेश मिश्रा, गोपी पांडेय, उमा शंकर सविता, बालजी गुप्ता, डीके टेलर आदि मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव में सजी बाला जी महाराज की भव्य झांकी। अमृत विचार

घर में घुसकर पिटाई और चोरी का आरोप

रसूलाबाद। कपराहट के लल्लऊ की पत्नी ममता देवी ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि मंगलवार सुबह 5 बजे वह शौच के लिए खेत गई थी। इसी दौरान गांव के संदीप और उसके पुत्र अंकुश ने घर में घुसकर कमरे में रखे बक्से का ताला तोड़कर जेवरात व करीब 30 हजार नकद ले गए। उन्हें घर से निकलते टोका तो मारपीट करने लगे। बचाने आए पड़ोसी गणेश के साथ भी मारपीट की। तब गणेश की पत्नी मीरा भी बचाव में पहुंची।

संदीप, उसकी पत्नी पप्पी, पुत्र अंकुश एवं पुत्री रश्मि व दो अज्ञात लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मीरा के गले से चेन व कान के बाले छीन लिया। थाना प्रभारी शिवनारायण सिंह ने बताया कि इस मामले की उन्हें तहरीर मिली है। मामले की जांच करने के लिए कहिंजरी चौकी से पुलिस बल भेजा गया है। जांच के उपरांत विधिक कार्रवाई की जाएगी।

किसानों की आर्थिक मजबूती से ही देश में आती खुशहालीः विधायक

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः देश की मजबूती किसानों की आर्थिक स्थिति पर निर्भर करती है। भाजपा सरकार किसी भेदभाव के किसानों से लेकर सभी वर्गों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। यह बात भाजपा विधायक पूनम संखवार ने ब्लॉक सभागार में मंगलवार को क्षेत्र पंचायत सदस्यों और ग्राम प्रधानों की बैठक में कही।

ब्लॉक प्रमुख राधा दुबे ने ग्राम प्रधानों को सरकारी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हैं। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि किशन दुबे ने पंचायत स्तर पर बेहतर समन्वय से विकास कार्यों में तेजी लाने का आह्वान किया। खंड विकास अधिकारी विपुल विक्रम सिंह ने वर्ष 2025-26 के लिए पंचायतों का विस्तृत बजट प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल 2025 तक 1 करोड़ 34 लाख 97 हजार 461 रुपये शेष थे। राज्य वित्त से 2 करोड़ 18 लाख 9 हजार 698 रुपये और अन्य स्रोतों से 3 करोड़ 53 लाख 7 हजार 159 रुपये प्राप्त हुए।

कुल उपलब्ध रुपये में से 22 लाख 44, हजार 209 रुपये का व्यय प्रस्तावित है। पंचायत स्तर पर 1 करोड़,74 लाख ,76 हजार 545 रुपये की प्राप्ति के मुकाबले 1 करोड़ 44 लाख 42 हजार 359 रुपए खर्च किए गए और 30 लाख 34 हजार 186 रुपए शेष दर्शाए गए। बैठक के दौरान लघु सिंचाई विभाग द्वारा 24 किसानों को डीजल पंपिंग सेट और संबंधित प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसमें किसानों को केवल 18 हजार रुपए जमा करने होंगे।

रसूलाबाद ब्लाक की बैठक में शामिल ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य। अमृत विचार

होली मिलन समारोह | राधा-कृष्ण की झांकियों के साथ महिलाओं संग विधायक पूनम संखवार ने भी किया नृत्य

धर्मगढ़ बाबा मंदिर में खूब उड़ा प्रेम रस से भरा गुलाल

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः श्री धर्मगढ़ बाबा मंदिर परिसर में परंपरागत होली मिलन समारोह धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान विधायक, सीओ व कोतवाल की उपस्थिति में शंकर पार्वती एवं राधा कृष्ण की झांकी के साथ उपस्थित श्रद्धालुओं ने फूलों की होली खेलकर एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के समापन के समय विधायक, सीओ एवं कोतवाल ने उपस्थित लोगों को संबोधित कर आगामी हिंदू नव वर्ष , चैत्र नवरात्रि एवं श्री राम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए शांतिपूर्वक त्योहार मनाने के लिए रसूलाबाद की जनता का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कोतवाल शिवनारायण सिंह, अपराध निरीक्षक धीरेंद्र सिंह, हेड मोहर्रिर अजय सिंह तोमर ने भगवान गणेश की झांकी की आरती व पूजन कर किया। शुभारंभ के बाद दिलीप देवा झांकी ग्रुप झींझक के कलाकारों द्वारा भगवान शंकर-पार्वती और राधा-कृष्ण के स्वरूपों में फूलों की होली खेलकर मंदिर परिसर का माहौल भक्तिमय बना दिया गया। मंदिर परिसर में उपस्थित महिला एवं पुरुष श्रद्धालु धार्मिक गीतों पर झूमते नजर आए।

इस दौरान भाजपा विधायक पूनम संखवार ने भी महिलाओं के साथ नृत्य कर होली का आनंद लिया। इसके साथ ही सीओ आलोक कुमार चौधरी व कोतवाल शिवनारायण सिंह ने कहा कि रसूलाबाद क्षेत्र के लोग आपस में मिलजुल कर रहते हैं, जिससे जनपद के उच्चाधिकारी रसूलाबाद के लोगों की तारीफ करते हैं। दोनों अधिकारियों ने सफल कार्यक्रम आयोजन के लिए श्री धर्मगढ़ बाबा सत्संग मंडल के पदाधिकारियो को भी धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सभी त्योहारों में मिलजुल कर सहयोग करने के साथ-साथ शांतिपूर्वक त्यौहार संपन्न होते हैं इसके लिए रसूलाबाद की जनता धन्यवाद की पात्र है। इस दौरान प्रमुख रूप से अध्यक्ष महेंद्र यादव, पूर्व चेयरमैन रामू गुप्ता, मुरारी लाल कुशवाहा, संजय मिश्रा, बउवन चौरसिया, प्रहलाद गुप्ता, उमेश गुप्ता, सोनू पांडेय, घनश्याम शुक्ला, महेंद्र श्रीवास्तव, अमित पांडेय, बलराम संखवार, चंदन यादव, टिंकू कुशवाहा, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सीता द्विवेदी, सुमन द्विवेदी, दीपिका मिश्रा आदि मौजूद रहीं। समापन के बाद व्यापारी रानू दुबे व मानू दुबे ने प्रसाद बांटा।

होली मिलन समारोह के दौरान कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुति। अमृत विचार

चिराना रोड पर रामलीला में दर्शकों की भीड़ उमड़ी

संवाददाता, रनियां

- राजा जनक का विलाप सुनकर लोगों की आंखों में छलके आंसू

अमृत विचारः रनियां के चिराना रोड पर रामलीला का चौथा भव्य आयोजन सोमवार को किया गया। समाजसेवी विष्णु कुमार गुप्ता व दीपक सिंह चौहान ने फीता काट कर शुभारंभ किया। भगवान श्री राम व लक्ष्मण की आरती भी उतारी। दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी।

लीला के मंचन में राजा जनक ने जानकी का विवाह उस वीर से करने का संकल्प लिया, जो भगवान शिव का पिनाक धनुष तोड़ देगा। तमाम राजाओं ने स्वयंवर में धनुष तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन उसे हिला तक नहीं सके। धनुष न टूटने पर राजा जनक चिंतित हो जाते हैं और कहते हैं, तजहू आस निज निज ग्रह जाहू, लिखा नहीं वैदेही विवाहु। यह देख गुरु विश्वामित्र राम की ओर देख कहते हैं, उठहूं राम भंजहु भवचापा, मेटहुं तात जनक परितापा। गुरु की आज्ञा पाकर प्रभु राम धनुष की प्रत्यंचा खींचते हैं, जिससे धनुष टूट जाता है। इसके बाद सीता, श्रीराम के गले में वरमाला डालती हैं। यहां सुरेश त्रिपाठी, शीलू मिश्रा, सुनील गुप्ता, अरुण मिश्रा, रामकरन सिंह, अजय सिंह, राजू पाल, अनिल सिंह, संजय सिंह, लाला गुप्ता, सुशील गुप्ता, अतुल मिश्रा, रिषू पांडेय आदि रहे।

न्यूज ब्रीफ

बीवी पर उत्पीड़न का आरोप, तहरीर दी

हमीरपुर। चंद्रपुरवा बुजुर्ग के जमशेद खान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका निकाह 2019 में जलालपुर थाना क्षेत्र के ममना गांव की रेशमा के साथ हुआ था। निकाह के कुछ महीने बाद ही वह मां-भाई से बंटवारा कराकर अलग रहने लगी। 2020 में झगड़ा कर मायके चली गई और 2021 में फैमिली कोर्ट में घरेलू हिंसा का मुकदमा दायर कर दिया, जो अभी विचाराधीन है। अदालत के आदेश पर वह फरवरी 2026 में पत्नी को घर ले आया। वह आए दिन झगड़ा करती है और आत्महत्या की धमकी देती है।

जहर खाने से युवती की हालत बिगड़ी

हमीरपुर। कस्बे के सिचौली पुरवा की खुशबू (21) पुत्री भगवती प्रसाद ने जहर खा लिया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो परिजन सीएचसी लाए, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल सल्फास खाने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

हादसे में घायल युवक की अस्पताल में मौत

हमीरपुर। चार महीने पहले सड़क हादसें में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। 21 नवम्बर की रात पठानपुरा निवासी दीपक राजपूत धनौरी गांव गया था। रात में कार से लौटते समय ट्रक से कार की भिड़ंत हो गई थी। इस हादसें में दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया था। दीपक का झांसी मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा था। मंगलवार की सुबह दीपक ने दम तोड़ दिया। साले अजय राजपूत ने बताया शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। दीपक अपने पिता अशोक राजपूत का इकलौता पुत्र था।

संदिग्ध हालात में किशोरी लापता

हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के कुर्रा गांव से एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पिता ने गांव की एक महिला पर आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। पिता ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार दोपहर बेटी पेट दर्द का इलाज कराने के लिए 50 रुपये लेकर घर से निकली थी। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल पाया। पिता ने आशंका जताई है कि गांव की एक महिला उनकी बेटी के लगातार संपर्क में थी। उनका आरोप है कि महिला ही उनकी बेटी को अपने साथ कहीं ले गई है।

वीडियो कॉल के बाद फंदा लगा दी जान

हमीरपुर। थाना क्षेत्र के टीहर गांव के रमेश कुशवाहा ने अपनी पुत्री मालती (25) की शादी 2022 में मौदहा के उरदना गांव में की थी। पति ओमप्रकाश सूरत में मजदूरी करता है। शादी के बाद वह पत्नी को लेकर सूरत चला गया। दोनों मजदूरी करते थे। शनिवार को 2 बजे पत्नी कमरे में लौट आई। अपने मायके के युवक से व्हाट्सएप में वीडियो कॉल की और फिर फंदा लगा जान दे दी। काम से लौटे पति ने कमरे में पत्नी को लटके देख सन्न रह गया। पति ने बताया कि पुलिस ने जांच-पड़ताल के लिए मोबाइल अपने कब्जे में लिया है। भाई संदीप ने बताया कि गांव के युवक से बातचीत कर फांसी लगाई है। जब बहन की मौत हो गई, तब युवक ने वीडियो कॉल बंद किया।

भक्ति जीवन के बाद मोक्ष भी तय करती है

हमीरपुर। नायक पुरवा के प्राचीन राधा कृष्ण मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन मंगलवार को कथा व्यास मनीष शुक्ला ने कहा कि मनुष्य से गलती हो जाना बड़ी बात नहीं लेकिन ऐसा होने पर समय रहते सुधार और प्रायश्चित जरूरी है। ऐसा नहीं हुआ तो गलती पाप की श्रेणी में आ जाती है। कथा व्यास ने पांडवों के जीवन में होने वाली श्रीकृष्ण की कृपा को बड़े ही सुंदर ढंग से दर्शाया। कहा कि परीक्षित कलियुग के प्रभाव के कारण ऋषि से श्रापित हुए। भक्ति एक ऐसा उत्तम निवेश है, जो जीवन में परेशानियों का उत्तम समाधान देती है। साथ ही जीवन के बाद मोक्ष भी सुनिश्चित करती है। इस मौके पर परीक्षित बनी कमला देवी शिवहरे सहित नीरज कुमार, सचिन त्रिवेदी, आर्गन वादक मंयक शुक्ला, आचार्य राज शुक्ल, कमलेश कुमार शुक्ला आदि रहे।

नदी में एक किमी दूर मिला शव हत्या की आशंका जता हंगामा

शिवली कोतवाली क्षेत्र के नहेड़ी गांव की घटना, शव मिलने के बाद परिजनों में भड़का गुस्सा

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः कैरानी नहेडी गांव में बकरी चराने के दौरान रविवार को लापता हुए युवक का शव मंगलवार की सुबह गांव से करीब एक किलोमीटर के फासले पर रिंद नदी में मिला। परिजनों ने बकरी चराने गए तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगा हंगामा किया। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेने के बाद परिजनों को समझा कर शव कब्जे में लिया। इसके पहले, फॉरेंसिक टीम ने नमूने संकलित किए।

शिवली कोतवाली क्षेत्र के कैरानी गांव सभा के मजरा नहेड़ी गांव निवासी शिवप्रसाद राठौर का 26 वर्षीय पुत्र श्यामलाल प्रतिदिन दोपहर को अपनी बकरियां व भेंड़े चराने के लिए रिंद नदी किनारे जाता था जो शाम को बकरियां लेकर वापस घर आ जाता था। प्रतिदिन के भांति रविवार दोपहर के श्यामलाल करीब 1 बजे अपनी बकरियों व भेड़ लेकर रिंद नदी किनारे चराने गया था

शव बरामद होने के दौरान मौके पर मौजूद पुलिस और ग्रामीण।

● युवक के साथ बकरी चराने वाले दो लोग हिरासत में लिये गये

जहां गांव के मुकेश, फूल सिंह तथा शंभू भी अपनी-अपनी बकरियों व भेड़ चराने गए थे। रविवार की शाम मुकेश ,फूल सिंह तथा शंभू अपनी-अपनी बकरियों को लेकर घर वापस आ गए थे। उनकी बकरियों के साथ ही श्यामलाल की बकरियां तथा भेड़े घर आ गई थी लेकिन श्यामलाल जब देर शाम तक वापस नहीं लौटा तो उसके परिजनों ने नदी के आसपास उसकी खोजबीन की लेकिन श्यामलाल का कहीं पता नहीं चला। तब उन्होंने मैथा चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह को जानकारी दी। चौकी प्रभारी की सूचना पर सोमवार को पहुंची एनडीआरएफ की टीम तथा गोताखोरों ने नदी में तलाश की लेकिन देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका था।

मंगलवार की सुबह करीब 8 बजे ग्रामीणों के साथ पहुंची पुलिस को नहीं गांव से करीब एक किलोमीटर के फासले पर रिंद नदी में श्यामलाल का शव उतराता मिला। उसे देख परिजनों में आक्रोश व्याप्त हो गया और गांव के ही लोगों पर हत्या कर शव को नदी में फेके जाने का आरोप लगा हंगामा किया। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत कर उत्तेजित ग्रामीणों को समझाकर शांत किया। दोपहर बाद करीब 3 बजे नदी से शव को बाहर निकलवाया जिस पर फॉरेंसिक टीम ने नमूने संकलित किए इस दौरान मृतक श्यामलाल के चेहरे व गर्दन में चोटों के निशान देख एक बार फिर से ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया और शव को नहीं उठाने दिया। तब पुलिस ने बकरियां चरा रहे फूल सिंह व शंभू को हिरासत में ले लिया। तब ग्रामीण शांत हुए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पशु आरोग्य मेले में 10,368 पशुओं की जांच की गई

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। शिवराजपुर स्थित ग्राम पंचायत सैलहा (रानी निवादा) में मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय वृहद पशु आरोग्य मेले का आयोजन हुआ। मंडल स्तरीय इस शिविर में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के जरिए पशुपालकों की समस्याओं का समाधान किया गया। शिविर में हजारों की संख्या में पशुपालक अपने अपने पशुओं के साथ पहुंचे।

पशु आरोग्य मेले का उद्घाटन बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर एवं ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर शुभम बाजपेई द्वारा फीता काटकर किया गया। इस दौरान अतिथियों ने गौ-पूजन किया और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया। शिविर में पशु चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम ने रिकॉर्ड स्तर पर 10,368 पशुओं की जांच कर उपचार किया। इनमें 6,245 छोटे एवं 4,123 बड़े पशु शामिल रहे। इनमें से 130 पशुओं का बधियाकरण भी किया गया।

शिविर में मौजूद अपर निदेशक गोधन डॉ. पीके. सिंह (लखनऊ) और मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुराग सिंह सहित विभिन्न जनपदों से आए विशेषज्ञों ने पशुपालकों को वैज्ञानिक पद्धति से पशुपालन के गुर बताये। वैज्ञानिकों ने किसानों को पशु बीमा योजनाओं और आय बढ़ाने के आधुनिक तरीकों के बारे में बताया।

कार्यक्रम के अंत में प्रगतिशील पशुपालकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी इटावा डॉ. धर्मेंद्र सिंह , औरैया डॉ. विकल , संयुक्त निदेशक पैथोलॉजी डॉ. अखिलेश सचान , नोडल अधिकारी डॉ. संतोष द्विवेदी एवं कृषि वैज्ञानिक डॉ. खलील सहित विभाग के तमाम अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

गाय का पूजन करते विधायक राहुल सोनकर बच्चा व अन्य। अमृत विचार

● शिवराजपुर के सैलहा में मंडल स्तरीय शिविर का हुआ आयोजन

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

डीआईजी ने देखा अकबरपुर और भोगनीपुर थाने का हाल

कानपुर देहात। पुलिस उपमहानिरीक्षक हरीश चंदर ने मंगलवार को थाना अकबरपुर और भोगनीपुर का सालाना मुआयना किया। दोनों थानों के परिसर का विस्तार से भ्रमण किया। उन्होंने थाना परिसर, बैरक, हथियार रखने की जगह, वाहन पूल, रिकॉर्ड रूम एवं अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों का निरीक्षण किया। पुलिस कर्मचारियों की परेड एवं उपस्थिति देखी गई। जनरल डायरी, मुकदमों की जांच स्थिति, लंबित प्रकरण, महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित मामले, साइबर क्राइम एवं नशीले पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रगति का अवलोकन किया गया। थाना स्तर पर उपलब्ध संसाधनों जैसे हथियार, वाहन, संचार उपकरण एवं सीसीटीवी की उपलब्धता एवं रख-रखाव की जांच की। थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव एवं डिजिटल रिकॉर्ड व्यवस्था का भी मूल्यांकन किया। निरीक्षण के बाद उपमहानिरीक्षक ने थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कानून-व्यवस्था में शून्य सहिष्णुता, जनता के साथ बेहतर संवाद, महिला-बाल सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण एवं नशा विरोधी अभियान में त्वरित कार्रवाई पर जोर दिया।

जली पड़ी झोपड़ी देखते लोग। अमृत विचार

अग्निकांड के 10 दिन बाद भी नहीं मिल सका मुआवजा

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के अनेही गांव में बीते 7 मार्च को मनोज कुमार की झोपड़ी में आग लग गई थी। इससे झोपड़ी जल कर राख हो गई थी। साथ ही उसमें रखा सामान भी जलकर राख हो गया था। घटना के 10 दिन बीत जाने और राजस्व विभाग की जांच पूरी होने के बाद भी पीड़ित परिवार को अब तक सरकारी सहायता नहीं मिल सकी है।

पीड़ित मनोज कुमार ने बताया कि उसकी स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। अग्निकांड में न केवल उनका आशियाना छिन गया, बल्कि जीवन भर की जमा-पूंजी भी जलकर खाक हो गई। वर्तमान में परिवार के सामने खाने तक का संकट खड़ा हो गया है और वे खुले आसमान के नीचे (फुटपाथ पर) रहने को मजबूर हैं। उसने बताया कि उसके साथ यह हादसा पहली बार नहीं हुआ है। इससे पूर्व वर्ष 2021 में भी उनकी झोपड़ी में आग लगी थी , जिससे उनको भारी नुकसान हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सपा विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और शासन-प्रशासन के अधिकारियों से वार्ता कर जल्द से जल्द मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम ASHISH KUMAR SHUKLA था से बदलकर ASHISH SHUKLA रख लिया है। अब मुझे ASHISH SHUKLA के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SANKATA PRASAD SHUKLA ADD-JALSANSTHAN AWAS MOTIJHEEL COLONY AISHBAGH DIST-LUCKNOW-226004 (U.P.)

सूचना

मैं मन्तसा बेगम पुत्री अफरोज हुसैन निवासी सलोन जिला रायबरेली ने अपनी शादी आशीष मौर्य निवासी मानिकपुर रोड सलोन के साथ कर ली है। इसीलिए अब मुझे **नेहा मौर्य पत्नी आशीष मौर्य निवासी सलोन** के नाम से जाना पहचाना जाय।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा ड्राइविंग लाइसेंस (LMV) कहीं खो गया है। लाइसेंस न तो किसी को दिया गया और न ही कहीं जमा किया गया है। **विक्रम कुमार पुत्र शिव बहादुर निवासी – ग्राम व पोस्ट मलके गांव ,थाना सरेनी ,तहसील लालगंज जिला रायबरेली**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मै SHIV BHAJAN से अपना नाम बदल कर SHIV BHAJAN BHARTI रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना वा पहचाना जाए पुत्र RAM TEJ निवासी जफरपुर पोस्ट पुरे शिवदायल गंज गोंडा का रहने वाला हूं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, मिर्ज़ा शफीक हुसैन के पुत्र का नाम अली अरहान आयु लगभग 10 वर्ष है। वह उसकी माता का नाम सबा जुहरा है। अली अरहान की माता का नाम भविष्य में सबा जुहरा ही जाना वह पहचाना जाए। **मिर्ज़ा शफीक हुसैन, 5 यूनिटी अपार्टमेंट 55 जगत नारायण रोड, लखनऊ।**

सूचना

मैं **अली अब्बास पुत्र जुल्फेकार हैदर निवासी– ग्राम नगपुर, करीमपुर थाना महसी जलालपुर, अम्बेडकरनगर** , मेरा हाई स्कूल परीक्षा 2019 अनुक्रमांक 1988371 तथा इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2021 अनुक्रमांक 216606761 यूपी बोर्ड का प्रमाण पत्र व सह अंकपत्र वास्तव में खो गया है।

सूचना

मैं **मोहम्मद रहबर पुत्र रमजान अली निवासी– मोहल्ला जाफराबाद जलालपुर, अम्बेडकरनगर** , मेरा हाई स्कूल परीक्षा 2005 अनुक्रमांक 1787915 तथा इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2007 अनुकमांक 1055739 यूपी बोर्ड का प्रमाण पत्र व सह अंकपत्र वास्तव में खो गया है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम अश्मिता के सिंह पुत्री अरुण शिखा पत्नी स्व0 अनूप सिंह है, जो कि उसके शैक्षणिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0–608967204281 में उसका नाम इवान्या सिंह अंकित हो गया है, जो कि गलत है, भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम अश्मिता के सिंह (Asmita K Singh) पुत्री अरुण शिखा के नाम से जाना व पहचाना जाये। एतद्द द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में सभी औपचारिकताये मेरे स्वयं द्वारा पूर्ण की गई है। नि0 – 656 ज, उत्तरी गौतम नगर G.G.I.C पूर्वी गली I.T.I रोड फतेहपुर उ.प्र.

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, बुधवार, 18 मार्च 2026

सुविचार

अब तक की सबसे बड़ी खोज यह है कि व्यक्ति महज अपना दृष्टिकोण बदल कर अपना भविष्य बदल सकता है।

-स्वामी विवेकानंद

कानपुर के प्रमुख समाचार

- खबर छपी तो अफसर जागे, अतिक्रमण हटाने भागे-II
- प्रतीक्षा में पथरा गईं आंखे, कोरी बातें -III
- ईद की खरीदारी करने उमड़ी भीड़-IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

मौके पर जांच करते जेसीपी, डीसीपी साउथ व अन्य पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

खेत की वह जगह जहां बच्ची का शव दफनाया गया था। अमृत विचार

शव लेकर जाती पुलिस को दौड़ाती भीड़ अमृत विचार

आरोपी का पूरा घर घेरकर हुई जांच

- घटनास्थल से आरोपी का घर करीब 200 मीटर की दूरी पर है। डॉग स्क्वॉड टीम ने जब जांच शुरू की तो खोजी कुत्ता खेत से आरोपी के कमरे तक गया। इस पर भीड़ फिर आरोपी के घर की तरफ दौड़ी। पुलिस अधिकारियों ने समझाने पर जांच में सहयोग किया। फॉरेंसिक टीम ने आरोपी का पूरा घर घेरकर पड़ताल शुरू की तो चौंकाने वाले तथ्य दिखे। टीम को आरोपी के घर पर मिट्टी से सने दो जोड़ी कपड़े टंगे मिले। जिसे टीम ने कब्जे में लिया है। लोवर, अंडरवियर आदि कपड़ों के फॉरेंसिक साक्ष्य लिए। कपड़ों को कब्जे में लिया। पुलिस ने बताया पकड़े गए आरोपियों कमल व आशीष के बाल व शरीर से भी सैंपल फॉरेंसिक टीम ने लिए हैं।

भीड़ ने आरोपी का घर घेरा, फूंकने का प्रयास किया

आरोपियों के घर की महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस थाने ले गई, मकान में ताला डाला गया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। 17 घंटे से लापता 11 वर्षीय बच्ची का अर्धनग्न शव देखकर आक्रोशित ग्रामीणों ने आपा खो दिया। भीड़ ने आरोपियों का घर घेरकर कई बार फूंकने का प्रयास किया। ग्रामीणों की नाराजगी देख पुलिस व पीएसी ने मोर्चा संभाला। भीड़ को किसी तरह तितर-बितर कर घर की महिलाएं व बच्चों को सुरक्षित किया। आरोपियों के परिजनों को भी थाने भेजकर मकान में ताला डाल दिया। लोगों का आक्रोश देखते हुए गांव में कई थानों का फोर्स व पीएसी तैनात की गई है।

बकरी चराने के लिए घर से निकली बच्ची के साथ उसकी बहन भी थी, लेकिन वह बकरी के बच्चे को छोड़ने घर चली गई थी। करीब दो घंटे बाद लौटी तब उसे बच्ची के लापता होने का पता चला। मंगलवार सुबह जब बच्ची का शव खेत में दफन मिला, तभी ग्रामीण हंगामा करने लगे। अर्धनग्न शव और बच्ची के गले व सीने पर खरोचे देखकर दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप परिजनों ने लगाया। इसी बीच ग्रामीणों को ताऊ से पता चला कि जब वह खेत जा रहे थे तब कमल ने बच्ची को अपने घर भेजा था। इस पर भीड़ आक्रामक हो गई। आरोपी कमल के घर पर धावा बोल दिया। कई बार उसका घर फूंकने का प्रयास किया। इस पर पुलिस व पीएसी ने भीड़ को धकियाकर दूर किया। आरोपी के परिवार की महिलाओं व बच्चों में चीख पुकार मचने पर उन्हें सुरक्षित निकालकर थाने भेजा। कई और थाने की फोर्स बुलाई गई।

पुलिस ने अधिकारियों ने बवाल की आशंका पर घोषणा की कि कमल को गांव से और उसके भाई आशीष को लखनऊ से पकड़ लिया गया है। पुलिस दबिश दे रही है, अन्य आरोपी भी जल्द पकड़े जाएंगे। सख्त कार्रवाई होगी, तब जाकर भीड़ पीछे हटी। लेकिन तनाव को देखते हुए गांव में फोर्स तैनात है।

आरोपी के घर में मिले कपड़ों की जांच करती फॉरेंसिक टीम। अमृत विचार

- पीएसी व कई थानों का फोर्स गांव में तैनात, पुलिस ने हिरासत में लिए दो आरोपी कमल व आशीष

17 घंटे से घर से लापता थी बच्ची

11 साल की बच्ची के साथ दरिंदगी का मामला

भीड़ के बीच से शव लेकर पैदल भागी पुलिस

- ग्रामीण आरोपियों को पकड़कर खेत में ही फांसी देने की मांग कर हंगामा करने लगे। कहा जब तब आरोपी सामने नहीं आते शव उठने नहीं दिया जाएगा। भीड़ ने शव घेर लिया। इस पर बिधनू पुलिस भीड़ को धकियाकर किसी तरह अंदर घुसी और गोद में शव उठाकर जीप की तरफ पैदल भागे। इस पर भड़के ग्रामीणों ने पुलिस से धक्का-मुक्की की। पुलिसकर्मियों ने भागते हुए किसी तरह शव जीप में डाला और पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मिलान में मिट्टी की हुई पुष्टि

- आरोपियों के कपड़ों पर जो मिली लगी मिली उसकी खेत के मिट्टी से मिलान की गई तो एक होने की पुष्टि हुई है। फॉरेंसिक टीम ने आरोपियों के घर में टंगे दो जोड़ी कपड़ों पर मिली मिट्टी को साक्ष्य के तौर पर रखा है। मिलान के बाद घटनास्थल की मिट्टी का भी नमूना लिया गया।

पुलिस की पांच टीमें जांच में जुटीं

- जेसीपी विपिन ताडा ने बताया कि डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी के नेतृत्व में पुलिस की पांच टीमें घटना के खुलासे के लिए लगाई गई हैं। कई अहम सबूत मिले हैं। संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस की टीमें गांव में लोगों से घटना के बारे में जानकारी जुटा रही हैं।

परिजनों ने बताया रातभर तलाशते रहे

- बच्ची के परिजनों ने बताया कि बच्ची बड़ी बहन के साथ सोमवार दोपहर करीब तीन बजे बकरियां चराने निकली थी। बकरी के बच्चे इधर से उधर भाग रहे थे, इसलिए बड़ी बहन बच्चा छोड़ने घर गई, उसे घर के काम के कारण लौटने में दो घंटे लग गए। जब वह खेत पहुंची तो बच्ची लापता थी। पहले उसने खोजा, फिर परिजनों ने तलाश की। उसके बाद ग्रामीणों व पुलिस के साथ मिलकर पूरी रात तलाशा गया। बिधनू थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया रात लगभग दो बजे पुलिस खोजबीन कर लौट है। उसके बाद सुबह की रोशनी होने पर फिर तलाश चालू हुई। खेत में खुदी मिट्टी देखकर संदेह हुआ।

इफ्तार	सहरी
बुधवार शाम	गुरुवार सुबह
सुन्नी : 6.22	सुन्नी : 4:52
शिया : 6.31	शिया : 4:44

पैगंबर मोहम्मद साहब ने फरमाया : इतकाफ करने वाला गुनाहों से बाज रहता है और उसके लिए नेकियां लिखी जाती हैं।

सिटी ब्रीफ

नागरिक सुरक्षा कोर की बैठक कल

कानपुर। राम नवमी पर राम लला मंदिर में शोभायात्रा को संपन्न कराने के लिए नागरिक सुरक्षा प्रखंड पनकी ने तैयारी शुरू कर दी है। जिला और पुलिस प्रशासन का सहयोग करने के लिए स्टाफ अधिकारी /घटना नियन्त्रण अधिकारी ,पोस्ट वार्डन /डिप्टी पोस्ट वार्डन की बैठक 18 मार्च सायं 4 :30 बजे रावतपुर थाने पर आयोजित होगी। नागरिक सुरक्षा कोर नगर के चीफ वार्डन राजीव सिंह ने जानकारी दी।

सांसद ने कानपुर के लिए मांगीं तीन वंदेभारत ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर नगर के सांसद रमेश अवस्थी ने संसद में कानपुर के लिए तीन वंदेभारत एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों के साथ ही विकास योजनाओं की मांग रखी।

सांसद रमेश अवस्थी ने संसद में कहा कि कानपुर के औद्योगिक स्वरूप को वापस लाना है तो भोपाल, इंदौर तक वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन चलना चाहिए। इसी प्रकार कानपुर से मुंबई, सूरत, जयपुर और पुणे के लिए भी वंदेभारत एक्सप्रेस चले। लखनऊ से आगरा तक चलने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस का मथुरा तक विस्तार किया जाए।

सांसद ने कहा कि गंगा बैराज से लखनऊ तक नमो ट्रेन चलायी जाए। उन्होंने कहा कि पनकीधाम स्टेशन को आधुनिक एवं यात्री सुविधाओं से लैस किया जाए।

सांसद ने कहा कि कानपुर से रात में नई दिल्ली के लिए केवल एक ट्रेन श्रमशक्ति एक्सप्रेस है, उन्होंने कहा कि कानपुर मेल के नाम से दिल्ली तक एक और ट्रेन चलाई जाए। उन्होंने कहा कि कानपुर के औद्योगिक स्वरूप के बरकरार रखने के लिए अन्य शहरों से बेहतर कनेक्टीविटी बहुत जरूरी है।

संसद में कानपुर के विकास का मुद्दा उठाते सांसद रमेश अवस्थी।

- गंगा बैराज से लखनऊ तक नमो के नाम से फास्ट ट्रेन चलाएं
- पुणे, भोपाल, इंदौर, मुंबई, सूरत जयपुर तक वंदेभारत चलाएं

मानक चेक करने के लिए स्कूली वाहनों पर शिकंजा

कानपुर। आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में मंगलवार को स्कूली वाहनों की फिटनेस व अन्य मानक जांच के लिए अभियान चलाया गया जिसमें कई स्कूली वाहन स्वामियों एवं स्कूल प्रबंधन को चेतावनी दी गई।

मंगलवार को एआरटीओ फर्स्ट विंध्याचल गुप्ता के द्वारा प्रभात पब्लिक स्कूल बिठूर, वेंडी हाई स्कूल नारामऊ, सेंट जेवियर स्कूल नारामऊ में स्कूली बसों के अंदर, वर्किंग सीसीटीवी कैमरों, जीपीएस सिस्टम,अग्निशमन यंत्रों आदि की सघन चेकिंग की। आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने प्रवर्तन की टीम को निर्देशित किया कि फिटनेस समाप्त स्कूली बसों पर सघन प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए उनके संचालन पर पूर्णतः अंकुश लगायें।

अभिभावक रखें स्कूली वाहनों पर नजर : आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने अभिभावकों से कहा है कि मंहगी फीस देकर आप अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा दिलाते हैं तो बच्चे के सुरक्षित ट्रांसपोर्ट की जिम्मेदारी भी आपकी है। आप स्वयं बस का निरीक्षण करिए।

पीएम आवास योजना में 4504 आवास स्वीकृत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत शहर में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को आवास का लाभ मिल रहा है। डूडा (जिला नगरीय विकास अभिकरण) की ओर से वर्ष 2025-26 में कुल 4504 आवास स्वीकृत किए गए हैं। योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के खातों में 19 जनवरी को पहली किस्त भी भेज दी गई है, जिससे अब लाभार्थी अपने घर के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे।

इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक लाभार्थी को घर निर्माण के लिए कुल ढाई लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। यह राशि किस्तों में सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती है, ताकि वे अपने आवास का निर्माण आसानी से कर सकें। डूडा के अनुसार स्वीकृत आवासों में महिलाओं की संख्या सबसे अधिक है। योजना के तहत 2218 आवास महिलाओं के नाम स्वीकृत किए गए हैं, जबकि 1342 आवास पुरुष लाभार्थियों को आवंटित हुए हैं। इसके अलावा सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देते हुए चार आवास ट्रांसजेंडर लाभार्थियों को भी स्वीकृत किए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य शहरी गरीबों को पक्का और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए पात्र लाभार्थियों का चयन कर उन्हें आर्थिक सहायता दी जा रही है। पहली किस्त मिलने के बाद अब लाभार्थियों में घर निर्माण को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। डूडा अधिकारियों ने बताया कि योजना के कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि आवास निर्माण समय से पूरा हो सके और पात्र लोगों को जल्द से जल्द अपने पक्के घर का सपना साकार हो सके।

- इस बार चार आवास ट्रांसजेंडर लाभार्थियों को भी स्वीकृत किए गए
- प्रत्येक लाभार्थी को घर निर्माण के लिए ढाई लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही

सराफा दुकान में सेंध लगाकर पांच लाख की चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी में में चोरों ने सेंध लगाकर सर्राफा दुकान को निशाना बनाया। नकदी व जेवर समेत पांच लाख का माल पार कर ले गए। चोर दुकान के पीछे खाली प्लॉट से सुरंग बनाकर दुकान में घुसे। शातिर डीवीआर समेत सीसीटीवी कैमरे भी उखाड़ ले गए।

लाल बंगला के ओमपुरवा निवासी सोनू वर्मा की अहिरवां के न्यू पटेल नगर में खाटू ज्वेलर्स नाम से दुकान है। सोनू ने बताया कि बीती सोमवार रात में वह दुकान बंद करके घर गए थे। मंगलवार सुबह पड़ोसी ने उन्हें फोन कर चोरी की सूचना दी। जानकारी पाकर वह दुकान में पहुंचे तो पीछे खाली प्लाट से सुरंग बनाकर चोर उनकी दुकान में दाखिल हुए थे। चोर करीब 950 ग्राम चांदी, आठ ग्राम सोना और लगभग 40 हजार रुपये समेत पांच लाख का माल ले गए हैं। इतना ही नहीं दुकान में लगे दो सीसीटीवी कैमरे समेत डीवीआर भी उखाड़ ले गए है। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

Small Businesses: The Backbone of India's Economy

AMYRA CHAUDHRY

In a rapidly developing nation like India, small businesses play a vital role in driving economic growth and ensuring inclusive development. Often overshadowed by large corporations, these enterprises quietly form the backbone of the country's economy, contributing significantly to employment, innovation, and regional development. One of the biggest contributions of small businesses is job creation. These enterprises are mighty job creators and provide work for millions of people, in particular, in those rural and semi-urban areas where big industry just isn't around in the same numbers. They help get people into work and lift living standards by plugging away at the grassroots level and cutting unemployment. All this puts real cash into people's pockets - cash they then spend elsewhere in the local economy. Small businesses also do a huge amount for the country's economy by contributing to its Gross Domestic Product (GDP) - they may not be massive players, but they're all over the different sectors - manufacturing, services & trade. What that means is they keep the economy nice and balanced. And that in turn makes the whole economy a lot more resilient when there are global economic wobbles.

Another thing small businesses do is provide a chance for people to become entrepreneurs. Because the investment needed to get started is so much lower than you often find with bigger businesses, they make it a lot easier for people to take the plunge & set up their own ventures. That in turn drives innovation and helps people feel a lot more in control of their own lives.

And last - but by no means least - small businesses are a vital part of rural development. By opening up business in villages and smaller towns, they really do help reduce the flow of people into the cities & this, in turn, helps make regional growth a lot more balanced. That in its self helps ease the pressure on big cities and helps make development a lot more sustainable.

In addition, small businesses contribute to exports by producing goods such as handicrafts, textiles, and engineering products. Their participation in global trade helps earn foreign exchange and enhances the country's economic standing on the world stage. Small businesses aren't just productive units; they're the driving force behind growth, innovation and social change. And to see the sector thrive, we really need to be supporting them with good policies and giving them the resources they need to grow - all of which will add up to a more robust, more inclusive economy that can stand on its own two feet.

शुभ घड़ी

मां दुर्गा का इस बार पालकी से आगमन, हाथी पर होगी विदाई, एक ही दिन अमावस्या व प्रतिपदा

नवरात्रि कल से, 27 को मनाई जाएगी रामनवमी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ 19 मार्च से होकर समापन 27 मार्च को होगा, इसी दिन रामनवमी पर्व मनाया जाएगा। इस बार माता का आगमन पालकी (डोली) पर तथा विदाई हाथी पर होगी। नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाएगी। चैत्र मास की शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि 19 मार्च को सुबह 6.52 बजे शुरू होकर समापन शुक्रवार सुबह 4.52 बजे होगा। इसलिए घटस्थापना गुरुवार को ही होगी। चैत्र नवरात्रि प्रतिपदा से ही नया हिंदू वर्ष प्रारंभ होता है। नवरात्रि के पहले दिन पड़ने वाले वार के अनुसार ही वर्ष का राजा तय होता है, इस वर्ष के राजा गुरु होंगे। नवरात्रि का पर्व संवत्सर के आरंभ का प्रतीक भी है। नव संवत्सर को नए आरंभ, नई ऊर्जा और नए संकल्प का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार विक्रम संवत 2083 का नाम 'रौद्र' संवत्सर है, जिसका प्रभाव साल भर देखने को मिलेगा।

- घटस्थापना सुबह 6.52 से 10.16 बजे तक, इसके बाद पूर्वाह्न 11.52 से मध्याह्न 12.41 बजे तक

इस बार उत्तम संयोग

- चैत्र नवरात्रि के पहले दिन विशिष्ट योग बनेंगे। इस बार अमावस्या तिथि उदया काल में रहेगी। प्रतिपदा तिथि पूरे दिन, लेकिन उदयाकाल में नहीं है। शुक्लयोग और ब्रह्मयोग भी इस बार नवरात्रि को और अधिक लाभकारी बना रहे हैं। शुक्ल योग 19 मार्च सूर्योदय से मध्यरात्रि के बाद 1.17 बजे तक रहेगा। वैदिक ज्योतिष में यह 27 नित्य योगों में 24वां शुभ योग है। इसे चंद्रशासित माना गया है। यह शांति, सकारात्मकता और कार्य में सफलता दिलाता है। शुक्ल योग की अधिष्ठात्री देवी पार्वती हैं, जो शक्ति, पवित्रता और भक्ति का प्रतीक हैं। इस दिन ब्रह्म योग भी बन रहा है।

घट स्थापना का शुभ मुहूर्त

- 19 मार्च को घटस्थापना का मुहूर्त सुबह 6.52 बजे से शुरू होकर सुबह 10.16 बजे तक रहेगा। यदि इस मुहूर्त में घट (कलश) स्थापना न कर पाएं तो घटस्थापना का मुहूर्त अभिजीत मुहूर्त में भी रहेगा, जिसका मुहूर्त दोपहर 11.52 बजे से लेकर 12.41 बजे तक रहेगा।

इस तरह करें कलश स्थापना

- ज्योतिषाचार्य पं.मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि नवरात्रि के प्रथम दिन ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करें, स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध कर चौकी पर लाल वस्त्र बिछाएं। इस पर मां दुर्गा की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। एक मिट्टी के पात्र में स्वच्छ मिट्टी भरकर उसमें जौ बोएं। जौ समृद्धि और उन्नति का प्रतीक माना जाता है, फिर एक तांबे या मिट्टी के कलश में जल भरें और उसमें सुपारी, सिक्का तथा अक्षत डालें। कलश के मुख पर आम के पत्ते रखें और नारियल को लाल वस्त्र में लपेटकर स्थापित करें। इस कलश को देवी की चौकी के समीप स्थापित करें। इसके बाद अखंड ज्योति प्रज्वलित करें, जो पूरे नौ दिनों तक निरंतर जलती रहे। यदि अखंड ज्योति संभव न हो, तो प्रतिदिन पूजा के समय दीपक अवश्य जलाएं। पूजन के समय 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे' मंत्र का श्रद्धापूर्वक जप करें। दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। अंत में आरती के साथ पूजा संपन्न करें।

सिटी ब्रीफ

ओरिएंटल टेनरी में आग, कर्मियों में भगदड़

कानपुर। जाजमऊ थानाक्षेत्र में ओरिएंटल टेनरी के स्प्रे डिपार्ट में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। कमरे में केमिकल रखा होने के कारण देखते ही देखते शोले भड़कने लगे। आग का भयावह रुप देख वहां काम कर रहे कर्मचारी जान बचाकर भाग खड़े हुए। जाजमऊ स्थित नई चुंगी कंपाउंड में मोहम्मद मुदस्सिर उर्फ बाबू रहते हैं और वहीं उनका ओरिएंटल टेनरी के नाम से लेदर का कारोबार है। मंगलवार दोपहर शॉर्ट सर्किट से स्प्रे डिपार्ट में चिंगरी निकली और वहां रखे केमिकल के ड्रम पर गिर गई जिससे वहां आग लग गई। घटना होते ही वहां काम कर रहे कर्मचारी शोर मचाते हुए टेनरी के बाहर भागे। घटना की जानकारी मिलते ही अग्निशमन अधिकारी राहुल नंदन दो दमकल की गाड़ियों के साथ पहुंचे और फायर जवानों ने आग पर काबू पाया।

ट्रेलर ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर

कानपुर। चकेरी के कोयला नगर फ्लाईओवर पर सोमवार देर रात एक ट्रेलर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया। घटना के बाद चालक ट्रेलर छोड़कर मौके से फरार हो गया। नौबस्ता के यशोदा नगर निवासी वीरेंद्र सिंह यादव बीते सोमवार को चकेरी में रिश्तेदारी में गए थे। देर रात वह बाइक से घर लौट रहे थे, तभी कोयला नगर फ्लाईओवर पर पहुंचते ही अचानक से एक ट्रेलर ने उनको टक्कर मार दी। हादसे में सड़क पर गिरने से वह घायल हो गए। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को कांशीराम में भर्ती कराया। जहां से परिजन नौबस्ता स्थित एक प्राइवेट अस्पताल ले गए। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि ट्रेलर को कब्जे में लिया गया है।

गांजा तस्करी में दो महिलाएं गईं जेल

कानपुर। नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत किदवई नगर पुलिस ने दो जगहों पर कार्रवाई कर गांजा तस्करी में दो महिलाओं को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। उनके कब्जे से कुल ढाई किलो गांजा बरामद हुआ। पकड़ी गई महिलाओं की पहचान कंजड़नपुरवा निवासी टिंकू की पत्नी ज्ञानवती और पूनम के रूप में हुई है। जो अलग-अलग इलाकों में गांजा सप्लाई करने जा रही थीं। पुलिस ने झंगईपुरवा चौराहे की ओर आने वाली सड़क पर ट्रांसफार्मर के पास घेराबंदी कर ज्ञानवती को पकड़ा। जिसकी तलाशी में एक किलो 150 ग्राम गांजा बरामद हुआ। वहीं दूसरी कार्रवाई में साकेत नगर स्थित गहोई भवन के पास संदिग्ध हालत में घूम रही पूनम को रोका गया और तलाशी लेने पर उसके पास से एक किलो 350 ग्राम गांजा मिला।

हादसों में महिला समेत दो की जान चली गई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सेन में जीने से गिरकर युवक व सचेंडी में करंट से महिला की गई जान

अमृत विचार। अलग-अलग हादसों में महिला समेत दो की मौत हो गई। सेन पश्चिम पारा में जीने से गिरकर युवक के सिर पर गंभीर चोट आई। हैलट में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। वहीं सचेंडी में छत की रेलिंग पर कपड़ा फैलाते समय करंट की चपेट में आकर महिला की जान चली गई।

मूलरूप से बिहार के रहने वाले 35 वर्षीय पकंज मजदूरी करते थे। अविवाहित होने के कारण अकेले सेन पश्चिम पारा स्वर्ण जयंती विहार सेक्टर छह में रहते थे। साथ में काम करने वाले दोस्तों ने बताया कि रविवार को शराब के नशे में होने के कारण पंकज लड़खड़ाकर जीने से गिर गया था। सिर पर आई गंभीर चोटों के कारण उसे हैलट में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी सोमवार देर रात मौत हो गई। दोस्तों के अनुसार उसके पिता राम नरेश झा को घटना की सूचना दी गई है। उनके आने का इंतजार है। वहीं सचेंडी के सीढ़ी इटारा में 40 वर्षीय गुड़िया की करंट से मौत हो गई। प्राइवेट कर्मी पति हरीओम ने बताया कि सोमवार दोपहर कपड़े धोने के बाद पत्नी छत की रेलिंग पर डाल रही थीं, तभी करंट की चपेट में आकर गिर पड़ी।

जानकारी होने पर हैलट में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। परिवार में दो बेटियां श्रेया व वैष्णवी हैं। पति के अनुसार रेलिंग से बिजली का तार छू रहा था, जिससे हादसा हुआ।

खबर छपी तो अफसर जागे, अतिक्रमण हटाने भागे

अमृत विचार IMPACT

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर आयुक्त के निरीक्षण के दौरान कोरे निर्देश देकर ले जाने और निर्देशों का पालन न होने की खबर अमृत विचार ने सोमवार को छापी तो मंगलवाल को अफसर जागे। सुबह खबर पढ़ते ही नगर आयुक्त के निर्देशों का पालन करने भागे। शहर के प्रमुख मार्ग जरीबचौकी से संगीत टॉकिज, पीरोड व सीसामऊ बाजार तक अतिक्रमण हटाया गया।

अमृत विचार ने निरीक्षण किया-निर्देश दिए, बस जय राम जी की शीर्षक से खबर प्रमुखता से मंगलवार को प्रकाशित की, जिसका संज्ञान नगर निगम के अधिकारियों ने लिया। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के निर्देश पर जोनल अधिकारी-4 राजेश सिंह ने टीम के साथ जरीबचौकी से संगीत टॉकिज, पीरोड व सीसामऊ बाजार तक अतिक्रमण अभियान चलाया। सड़क के दोनों तरफ की पटरियों और नाली के ऊपर स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण और नो वेडिंग जोन में दुकानें हटाईं। 400 कुर्सियां व मेज समेत आदि सामान को जब्त करते हुए तीन हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। साथ ही अतिक्रमण न किए जाने के लिए लोगों व दुकानदारों का जागरूक किया। अभियान के दौरान कर अधीक्षक अनूप श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक कमल सिंह, शेषधर विश्वकर्मा, अवधेश कुमार तिवारी, विज्ञापन विभाग की टीम व जोनल कार्यालय जोन-4 की ईटीएफ टीम रही। वहीं, नगर आयुक्त ने सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश जारी किया है कि अपने जोन में संचालित मुख्य बाजारों में अभियान चलाकर अतिक्रमण हटवाएं।

निरीक्षण किया-निर्देश दिए, बस जय राम जी की...

अभियान चलाकर अतिक्रमण हटवाते नगर निगम कर्मी। अमृत विचार में छपी थी अतिक्रमण न हटाने की खबर। अमृत विचार

- अमृत विचार ने अतिक्रमण न हटाने की खबर की थी प्रकाशित

अनुशासनहीनता पर क्लर्क निलंबित

कानपुर। नगर निगम जोन-5 में तैनात वरिष्ठ लिपिक नरसिंह यादव को मंगलवार नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने निलंबित कर दिया। लिपिक पर आदेश की अवहेलना करने, कार्य के प्रति लापरवाही, उदासीनता और अनुशासनहीनता बरतने का आरोप है। नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त प्रथम मो .आवेश खान को मामले की जांच सौंपते हुए उनके कार्यालय संबद्ध किया। निरीक्षण के दौरान अटल घाट पर अवैध पार्किंग संचालित होने और नियम के विपरीत पैसा वसूलने पर जोन-4 के राजस्व निरीक्षक विनीत वर्मा व कर अधीक्षक अनूप श्रीवास्तव से तीन दिनों में स्पष्टीकरण मांगा है। नगर आयुक्त के मुताबिक अवैध पार्किंग मिलने पर यह प्रतीत होता है कि इनके द्वारा क्षेत्र में संचालित पार्किंग स्थल में निरीक्षण नही किया जाता है और न ही पार्किंग की वसूली की धनराशि का ब्यौरा लिया जाता है। बता दें कि सोमवार को नगर आयुक्त ने अटल घाट का अचानक निरीक्षण किया था।

साल 2009 में शहर को हिला देने वाला शिवम बाजपेयी अपहरण और हत्याकांड का मामला

उम्र कैद पाया शिवम का हत्यारा 16 साल बाद जेल से हुआ रिहा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

- अपहरण के बाद गला रेतकर शव पांडु नदी में फेंका था, सात आरोपियों को हुई थी उम्र कैद
- पीड़ित परिवार ने कड़ा विरोध करते हुए इसे न्याय के साथ अन्याय बताया है

अमृत विचार। साल 2009 में शहर को हिला देने वाले छात्र शिवम बाजपेयी (16) अपहरण और हत्याकांड के एक सिद्धदोष अभियुक्त अमित यादव की शासन ने समय पूर्व रिहाई कर दी है। शासन द्वारा बीती 8 जनवरी को जारी आदेश के तहत उत्तर प्रदेश प्रिजनर्स रिलीज ऑन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अंतर्गत दोषी अमित यादव को लाइसेंस पर रिहा करने की अनुमति प्रदान की है। उम्रकैद की सजा काट रहे दोषी अमित यादव की समय पूर्व रिहाई का पीड़ित परिवार ने कड़ा विरोध करते हुए इसे न्याय के साथ अन्याय बताया है। साथ ही परिजनों ने अपनी जान का खतरा जताया है। इस मामले में कोर्ट ने सभी सात आरोपितों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। 17 अगस्त 2009 को आनंदपुरम लालपुर नौबस्ता क्षेत्र निवासी 16 वर्षीय शिवम बाजपेयी का कोचिंग से लौटते समय अपहरण कर लिया गया था। पुलिस जांच में पता चला था कि अपहरण में मोहल्ले के ही परिचित संजय यादव पुत्र विजयपाल यादव ने अहम भूमिका निभाई थी, जिसने शिवम को अपने साथियों के हवाले कर दिया। इसके बाद परिवार से 10 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई। 19 अगस्त 2009 को आरोपितों ने शिवम को पांडु नदी पुल के पास ले जाकर उसके पिता से फोन पर बात कराई और उसके तुरंत बाद उसकी गला रेतकर हत्या कर दी। शव को नदी में फेंक दिया गया था। 20 अगस्त को पुलिस ने सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया था और अभियुक्तों की निशानदेही पर शिवम की साइकिल, मोबाइल फ़ोन, बैग और शव बरामद हुआ था। पकड़े गए अभियुक्तों में आवास विकास हंसपुरम नौबस्ता कानपुर निवासी अमित यादव पुत्र राम नरेश यादव, संजय यादव पुत्र विजयपाल यादव निवासी मोहद्दीपुर बिदकी फतेहपुर, संजय यादव पुत्र शम्भू यादव निवासी मौहार फतेहपुर, छोटे सिंह उर्फ क्रांति पुत्र सुखपाल निवासी दलनपुर हंसपुरम नौबस्ता कानपुर, कुलदीप यादव पुत्र छोटेलाल यादव निवासी रासूपुर औंग फतेहपुर, अखिलेश अवस्थी पुत्र कृष्ण कुमार निवासी आवास विकास हंसपुरम कानपुर और सुनील परिहार पुत्र राजू परिहार निवासी हंसपुरम नौबस्ता कानपुर थे।घटना के समय यह सभी एक दूसरे के दोस्त, रिश्तेदार थे और फतेहपुर के रहने वाले अभियुक्त कानपुर में रहते थे। इनकी सूचना पर 22 अगस्त को शिवम का शव बरामद हुआ। करीब 10 वर्षों तक चले ट्रायल के बाद 31 अक्टूबर 2019 को एडीजे-9 कोर्ट ने सभी सात आरोपितों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

शिवम।

पीड़ित परिवार में आक्रोश

- शिवम के पिता प्रदीप कुमार बाजपेयी, जो उस समय राजस्व न्यायालय में पेशकार थे, ने दोषी की रिहाई का विरोध करते हुए कहा कि ऐसे जघन्य अपराधियों की रिहाई से समाज में गलत संदेश जाएगा और अपराधियों के हौसले बुलंद होंगे। उनका कहना है कि ट्रायल के दौरान भी आरोपितों द्वारा गवाहों को धमकाया गया और मारपीट की घटनाएं हुई थीं, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ जाती है। वे फैसले के विरोध में राज्यपाल को प्रतिवेदन भेजेंगे और कानूनी कार्रवाई करेंगे।

संजय यादव और छोटे सिंह को नहीं मिली रिहाई

- अमित यादव के साथ उम्र कैद की सजा काट रहे संजय यादव पुत्र शम्भू यादव, संजय यादव पुत्र विजयपाल यादव और छोटे सिंह उर्फ क्रांति पुत्र सुखलाल की समय पूर्व रिहाई पर भी विचार किया गया लेकिन पुलिस आयुक्त, डीएम और प्रोबेशन अधिकारी ने तीनों के पक्ष में अपनी संस्तुति प्रदान नहीं की।

कानूनी और प्रशासनिक पहलू

- शासनादेश के अनुसार रिहाई सशर्त है और दोषी को निर्धारित निगरानी में रहना होगा। यदि वह किसी भी शर्त का उल्लंघन करता है, तो उसका लाइसेंस निरस्त कर पुन: जेल भेजा जा सकता है।

इन शर्तों पर मिली रिहाई

- निर्धारित अभिभावक की निगरानी में रहना होगा
- बिना अनुमति क्षेत्र नहीं छोड़ सकता
- किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल नहीं होगा
- संदिग्ध व्यक्तियों से संपर्क नहीं रखेगा
- उल्लंघन पर रिहाई निरस्त कर दोबारा जेल भेजा जाएगा

परिजनों के सवाल

- क्या जघन्य अपराध में दोषियों की समयपूर्व रिहाई उचित है?
- क्या पीड़ित पक्ष की आपत्ति को पर्याप्त महत्व दिया गया?
- क्या समय पूर्व रिहाई के आदेश से पहले पीड़ित पक्ष की राय जानी गई?
- क्या दोषी की समय पूर्व रिहाई की सूचना पीड़ित पक्ष को दी

10 लाख की रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। नौबस्ता में हिस्ट्रीशीटर भाइयों समेत तीन लोगों पर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप लगाकर पीड़ित ने मुकदमा कराया है। आरोप है कि रंगदारी देने से मना करने पर आरोपियों ने मारपीट करने के साथ ही जान से मारने की धमकी दी थी। जरौली फेस वन निवासी पीड़ित दीपक शुक्ला ने बताया कि उन्होंने पत्नी रश्मि के नाम पर 90 वर्गगज का एक प्लाट नेहरू स्मारक सहकारी आवास समिति से नौबस्ता में खरीदा था, जिसका दाखिल खारिज कराने के बाद दो साल पहले बाउंड्री भी करवा दी थी। आरोप है कि बीती चार फरवरी को वह प्लाट पर निर्माण करवा रहे थे, तभी चंदीपुरवा निवासी हिस्ट्रीशीटर भाई कमल व विमल तिवारी और आशीष दुबे आ धमके। उन्होंने प्लाट पर निर्माण कराने के लिए 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। उन्होंने इन्कार किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट करके धमकाया। उन्होंने यूपी 112 पर पुलिस को सूचना दी।

आरोप है कि आवास विकास चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे, लेकिन इसके बाद भी आरोपित पर कोई कार्रवाई नहीं की। जबकि आरोपियों के धमकाते हुए वीडियो भी पुलिस ने बनाया था। इस पर न्याय के लिए पुलिस कमिश्नर से गुहार लगाई। नौबस्ता थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज करके जांच की जा रही है।

पुलिस ने वापस की 99 हजार की रकम

कानपुर। जूही में हुई 99 हजार की साइबर ठगी की रकम पुलिस ने युवती को वापस कराई है। मिलिट्री कैंप कॉलोनी निवासी पूजा सिंह से 21 फरवरी को ठगी हुई थी। जब एक अंजान व्यक्ति ने खुद को बैंक कर्मी बताकर फोन किया और केवाईसी (खाता सत्यापन प्रक्रिया) के नाम पर जरूरी जानकारी हासिल कर ली। जिसके बाद उनके यूनियन बैंक ऑफ इंडिया खाते से 99 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए गए। घटना के बाद घबराई पीड़िता ने जूही थाने में शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी केके पटेल के अनुसार तुरंत कार्रवाई शुरू की और साइबर सेल की मदद से उस खाते को चिन्हित कर रकम को होल्ड कराया। जिसमें ठगी की रकम भेजी गई थी। तकनीकी जांच और समन्वय के बाद पूरी राशि पीड़िता के खाते में ट्रांसफर कर दी गई।

घटनास्थल पर मरम्मत करती टीम। अमृत विचार

अवैध गैस रिफिलिंग का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

कानपुर। जिला आपूर्ति विभाग और पुलिस ने बर्रा के केशव नगर में छापेमारी की। जहां एक प्लाट में बने टीनशेड के कमरे से घरेलू गैस सिलिंडरों से छोटे सिलिंडरों में गैस भरकर बेचने का धंधा चल रहा था। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। तीन घरेलू गैस सिलिंडर भी मिले। जानकारी के अनुसार केशव नगर स्थित नक्षत्र डायग्नोस्टिक सेंटर के पास एक प्लाट में अवैध रिफिलिंग की शिकायत मिली थी, जिस पर जिला आपूर्ति निरीक्षक राम निरंजन, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी अमरजीत सिंह वैश्य और जितेंद्र पाठक ने पुलिस टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए छापा मारा, जहां से हमीरपुर निवासी सूरज यादव को पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह घरेलू सिलिंडरों से गैस निकालकर छोटे सिलिंडरों में भरकर बेचता था और इसी से कमाई कर रहा था। बर्रा थाना प्रभारी रवींद्र कुमार श्रीवास्तव के अनुसार पूर्ति विभाग की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वंदेभारत, चौरीचौरा समेत कई ट्रेनों में कवच पर परीक्षण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कानपुर से प्रयागराज तक मानवीय त्रुटियों को रोकेगा स्वदेशी कवच

अमृत विचार। रेलवे ने कानपुर से प्रयागराज के मध्य मानवीय त्रुटियों को रोकने के लिए स्वदेशी कवच लगा दिया है जो एक सप्ताह के अंदर काम करने लगेगा।

उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह के नेतृत्व और प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर सत्येंद्र कुमार के तकनीकी मार्गदर्शन में ये उपलब्धि हासिल की गई है।

प्रयागराज-कानपुर खंड पर उत्तर मध्य रेलवे द्वारा की जा रही स्वदेशी कवच प्रणाली स्थापित रेल संरक्षा को सुदृढ़ करने और "मेक इन इंडिया" पहल को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। आगामी सप्ताह के भीतर प्रयागराज और कानपुर (दोनों स्टेशन छोड़ कर) के बीच 190 रूट किलोमीटर के खंड पर स्वदेशी रूप से विकसित ''कवच'' ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन प्रणाली को चालू करने जा रही है। यह कार्यान्वयन भारतीय रेलवे आधारभूत संरचना के आधुनिकीकरण में एक मील का पत्थर साबित होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य मानवीय त्रुटियों को समाप्त करना और इस व्यस्त रेल खंड पर परिचालन दक्षता को बढ़ाना है।

पहले रेल अधिकारी सिस्टम से संतुष्ट हुए

- इस प्रणाली को चालू करने का निर्णय व्यापक तकनीकी और फील्ड परीक्षणों के बाद लिया गया है, जिसमें सिस्टम की पूर्ण विश्वसनीयता सुनिश्चित की गई है। परीक्षण चरण के दौरान 8, 16 और 22 एलएचबी कोच वाले डब्लूएपी-7 लोकोमोटिव के साथ विभिन्न कम्पोजीशन वाले रेकों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त, उच्च गति पर प्रदर्शन को परखने के लिए 20-कोच वाली वंदे भारत रेक का भी गहन परीक्षण किया गया। इस प्रणाली का यात्री संरक्षा के दृष्टिकोण से, चौरी चौरा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15003/15004) सहित विभिन्न ट्रेनों के माध्यम से 20,000 किलोमीटर से अधिक का पैसेंजर ट्रायल पूरा किया जा चुका है।

क्या है स्वदेशी कवच

- 'कवच' एक अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा कवच है जो मुख्य रूप से ''सिग्नल पासिंग एट डेंजर'' को रोकने के लिए डिजाइन की गई है, जहां लोको पायलट द्वारा लाल सिग्नल की अनदेखी करने पर यह स्वत: हस्तक्षेप करती है। इसके अलावा, यदि लोको पायलट निर्धारित गति सीमा को नियंत्रित करने में विफल रहता है या आमने-सामने की टक्कर की स्थिति बनती है, तो यह प्रणाली स्वचालित रूप से आपातकालीन ब्रेक लगा देती है।

खुदाई में फटी पीएनजी लाइन, धमाके से दहशत

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

- अमृत 2.0 योजना के काम में हादसा, 700 घरों की गैस आपूर्ति दो घंटे 20 मिनट रही प्रभावित

अमृत विचार। बर्रा के करहीं रोड स्थित जरौली फेस-1 इलाके में सीवर लाइन की खुदाई के दौरान अंडरग्राउंड पीएनजी पाइप फटने से सीटी जैसी तेज आवाज निकलने लगी और सड़े अंडे जैसी बदबू फैलने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गैस का दबाव इतना अधिक था कि रिसाव वाली जगह पर डाली गई मिट्टी झटके के साथ उछलकर बाहर फेंक देती थी और फिर से गैस निकलने लगती थी,। हालात को देखते हुए आसपास के घरों में एहतियातन चूल्हे, गैस और अन्य ज्वलनशील चीजों को तुरंत बंद करा दिया गया। इस घटना के चलते करीब 700 घरों की गैस आपूर्ति दो घंटे 20 मिनट तक बाधित रही। मौके पर पहुंची टीम ने सब नियंत्रित कर लिया। जिससे बड़ा हादसा बच गया।

घटना उस समय हुई जब जेसीबी मशीन से खुदाई के दौरान अंडरग्राउंड पीएनजी पाइप क्षतिग्रस्त हो गया और अचानक गैस रिसाव शुरू हो गया, जिससे मजदूरों और स्थानीय लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही यूपी-112 पुलिस, पीएनजी मरम्मत दल और अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और सुरक्षा घेरा बनाकर स्थिति को नियंत्रित किया गया। मौके पर मिले इंजीनियर ने बताया कि यह कार्य वार्ड-82 (जरौली) में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत सीवर लाइन विस्तार के रूप में कराया जा रहा है। जिसमें कार्यदायी संस्था जल निगम है। जबकि "ईआईएफएफआईएल वाटर इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड" मुख्य ठेकेदार के रूप में कार्य संचालित कर रही है। खोदाई में लापरवाही पर सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं क्योंकि एक दिन पहले रतनलाल नगर में प्लाट के बेसमेंट खुदाई के दौरान हुए हादसे में एक सैलून कारीगर की जान जा चुकी है। सीयूजीएल के वरिष्ठ प्रबंधक माही खान के अनुसार दोपहर 1:40 बजे सूचना मिलने पर दल तत्काल मौके पर पहुंचा।

यात्रीगण ध्यान दें — ट्रैक पर काम के कारण किया गया फेरबदल

दिल्ली ट्रैक पर मेगा ब्लाक, कई ट्रेनें निरस्त, कई के रूट बदले

कानपुर। दिल्ली मुख्य रेलमार्ग पर तकनीकी कारणों से पावर और ट्रैफिक मेगा ब्लाक दिया गया है जिसके कारण ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। कुछ ट्रेनें रद्द रहेंगी तो कुछ ट्रेनों के रूट में कटौती की जाएगी।

ट्रेनों का आंशिक निरस्तीकरण

- गाड़ी संख्या 64152 दिल्ली-अलीगढ़ यात्रा प्रारंभ करने की तिथि 18 मार्च को गाजियाबाद स्टेशन से चलेगी एवं दिल्ली-गाजियाबाद के मध्य निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 64104 दिल्ली-दनकौर यात्रा प्रारंभ करने की तिथि 18 मार्च को गाजियाबाद स्टेशन से चलेगी एवं दिल्ली-गाजियाबाद के मध्य निरस्त रहेगी।

कालिंदी समेत कई ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन

- गाड़ी संख्या 20434 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-सूबेदारगंज यात्रा 17 मार्च को परिवर्तित मार्ग आदर्श नगर दिल्ली-नई दिल्ली-तिलक ब्रिज-साहिबाबाद (दिल्ली स्टेशन पर ठहराव नहीं मिला) के रास्ते चलाई गई।
- गाड़ी संख्या 14217 प्रयागराज संगम-चंडीगढ़ यात्रा प्रारंभ करने की तिथि 28 मार्च को अपने निश्चित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग खुर्जा-मेरठ सिटी-सहारनपुर-अम्बाला कैंट (गाजियाबाद, साहिबाबाद, दिल्ली, नरेला, सोनीपत, गनौर, समलखा, पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र, शाहबाद मरकंडा स्टेशन पर ठहराव नहीं होगा) के रास्ते चलेगी।
- गाड़ी संख्या 14117 प्रयागराज-भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस यात्रा प्रारंभ करने की तिथि 28 मार्च को अपने निश्चित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग साहिबाबाद-तिलक ब्रिज-नई दिल्ली-दिल्ली किशनगंज (दिल्ली सहदरा एवं दिल्ली स्टेशन पर ठहराव नहीं होगा) के रास्ते चलेगी।

ये ट्रेन 120 मिनट लेट चलेगी

- गाड़ी संख्या 12225 आजमगढ़-दिल्ली यात्रा प्रारंभ करने की तिथि 28 मार्च को आजमगढ़ स्टेशन से सायं 6.30 बजे (120 मिनट की देरी से) चलेगी।

लखनऊ में मेगा ब्लाक, स्वर्ण शताब्दी ऐशबाग से चलेगी

कानपुर। लखनऊ रेलमार्ग पर ट्रैफिक और पावर का मेगा ब्लॉक होने के कारण कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। कई ट्रेनें निरस्त रहेंगी, कुछ का रूट बदला जाएगा और कुछ ट्रेनों के रूटों में कटौती की जाएगी। लखनऊ से नई दिल्ली तक चलने वाली स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस लखनऊ स्टेशन के बजाय ऐशबाग स्टेशन से चलेगी।

ये गाड़ियां 26 को रद्द रहेंगी

- गाड़ी संख्या 11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-लखनऊ
- गाड़ी संख्या 11110 लखनऊ-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी
- गाड़ी संख्या 22454 मेरठ सिटी-लखनऊ
- गाड़ी संख्या 22453 लखनऊ-मेरठ सिटी
- 12179 लखनऊ-आगरा फोर्ट
- 12180 आगरा फोर्ट-लखनऊ
- गाड़ी संख्या 12003/2004 स्वर्ण शताब्दी 26 मार्च को लखनऊ के बजाय ऐशबाग से चलेगी।
- गाड़ी संख्या 255346 कासगंज-लखनऊ 23 व 24 मार्च 2026 को कानपुर अनवरगंज के मध्य रद्द रहेगी।
- गाड़ी संख्या 255345 लखनऊ-कासगंज 24 व 25 मार्च को लखनऊ-कानपुर अनवरगंज के मध्य रद्द।
- गाड़ी संख्या 15206 जबलपुर-लखनऊ 25 मार्च को लखनऊ के बजाय ऐशबाग स्टेशन से चलेगी।
- गाड़ी संख्या 15205 लखनऊ-जबलपुर 26 मार्च को ऐशबाग स्टेशन से दोपहर 3.30 बजे चलेगी।

ये गाड़ियां लेट

- गाड़ी संख्या 12535 रायपुर-लखनऊ 24 मार्च को रायपुर से 60 मिनट लेट चलेगी।
- गाड़ी संख्या 12536 लखनऊ रायपुर 26 मार्च को लखनऊ से 110 मिनट लेट चलेगी।

सिटी ब्रीफ

सुरेंद्र गुप्ता गोल्डी बने श्री ओमर वैश्य विद्यालय कमेटी के अध्यक्ष

सुरेंद्र गुप्ता गोल्डी।

कानपुर। श्री ओमर वैश्य विद्यालय कमेटी 12 शिक्षण संस्थाओं का संचालन कर रही है। इन संस्थानों में एक महाविद्यालय, चार इंटर कॉलेज, तीन प्राइमरी विद्यालय, एक स्पोर्ट्स अकादमी तथा तीन अन्य विद्यालय शामिल हैं। कमेटी की प्रबंधक समिति ने सर्व सर्वसम्मति से प्रमुख उद्योगपति एवं गोल्डी मसाले समूह के संस्थापक चेयरमैन सुरेंद्र कुमार गुप्त गोल्डी को कमेटी का अध्यक्ष चुना। ज्ञात हो कि सुरेंद्र गुप्ता, श्री ओमर विश्वविद्यालय कमेटी के साथ यूपी किराना धर्मादा सेवा समिति, किराना मर्चेंट एसोसिएशन, समन्वय सेवा समिति रूमा, सलेमपुर बालाजी मंदिर एकल विद्यालय योजना के साथ अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ जुड़े हैं।

सेंट्रल स्टेशन पर महिला यात्री का बैग उड़ाया

कानपुर। मध्य प्रदेश की महिला यात्री और उसके दो भाई अजीमाबाद एक्सप्रेस से कानपुर पहुंची थे। स्टेशन के सिटी साइड में मंदिर के पास महिला व उसका भाई सुलभ शौचालय चली गई जबकि दूसरा भाई दोनों के आने का इंतजार कर रहा था, तभी यात्रा के बैग पर चोर ने हाथ साफ कर दिया। पीड़ित आसिफ के मुताबिक बैग में 8 हजार रुपये, स्मार्ट फोन व जरुरी कागजात थे।

सपा कल दर्ज कराएगी विरोध

कानपुर। नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय में मंगलवार को पीडीए थिंक टैंक की बैठक हुई, जिसमे नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि गैस किल्लत की वजह से नवरात्र और ईद पर रोजमर्रा की चीजों के दामों में भी बढ़ोत्तरी हो गई है और गैस की कालाबाजारी की जा रही है, ऐसे में जनता काफी परेशान है। सपा पीडीए टीम 1625 बूथों व मलिन बस्तियों में 19 मार्च को काला फीता बांधकर महंगाई व गैस पर नियंत्रण न कर पाने को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराएगी। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, महासचिव संजय सिंह, नंदलाल जयसवाल, महेंद्र सिंह, रजत मिश्रा समेत आदि रहे।

प्रतीक्षा में पथरा गईं आंखें पद के नाम पर कोरी बातें

पांच साल में भाजपा के तीन जिला अध्यक्ष बने, लेकिन नई कमेटी नहीं बन पाई

शैलेश अवस्थी,कानपुर

अमृत विचार। बीते पांच साल में भाजपा के तीन जिला अध्यक्ष बदल गए, लेकिन दो अध्यक्ष अपनी कमेटियों का गठन नहीं कर सके और इंतजार में दावेदारों की आंखें पथरा गईं। अब उम्मीद लगाई जा रही है कि एक हफ्ते के भीतर कानपुर के तीनों जिलों की कमेटियां घोषित हो जाएंगी।

भाजपा ने कानपुर को उत्तर, दक्षिण और ग्रामीण जिले में बांट रखा है। इस तरह तीन अध्यक्ष हैं। उत्तर जिले में बीते पांच साल में सुनील बजाज अध्यक्ष बने और कमेटी भी घोषित हुई, लेकिन इसके बाद दीपू पांडे का कार्यकाल बिना टीम के निकल गया। एक साल पहले अनिल दीक्षित उत्तर जिले के अध्यक्ष बने, लेकिन अभी तक टीम नहीं बना सके। इसी तरह पांच साल पहले बीना आर्य दक्षिण जिला अध्यक्ष बनीं और कमेटी ने भी आकार लिया, किंतु इसके बाद शिवराम सिंह अध्यक्ष बने, लेकिन उनका तीन साल का कार्यकाल बिना टीम के गुज़र गया। अब फिर दोबारा शिवराम सिंह अध्यक्ष की कुर्सी पर हैं, लेकिन अभी तक कमेटी के ओहदेदार नहीं चुन पाए हैं। भाजपा ग्रामीण जिले का भी यही हाल है। पांच साल पहले कृष्ण मुरारी ने कमेटी बनाई और इसके बाद दिनेश कुशवाहा अध्यक्ष बने, लेकिन जिला टीम नहीं बनी। अब उमेश पासवान को अध्यक्ष बने एक साल पूरा हो गया, लेकिन वह भी कमेटी विहीन हैं। पद के लिए कार्यकर्ता और नेता आपने आकाओं की चौखट हाजिरी लगाकर थक चुके हैं। सिफारिशी घोड़े लखनऊ और दिल्ली तक दौड़ रहे हैं, लेकिन बात नहीं बन रही। अब तो कमेटी बनाने के लिए सांसद और विधायकों की भी राय ली जा रही है।

नए चेहरे ज्यादा होंगे, महिलाओं को मिलेगी एक तिहाई भागीदारी

- कमेटी का गठन कर सूची प्रदेश भिजवाई थी, लेकिन पार्टी सूत्रों की माने तो तय नियमों के मुताबिक समीकरण संतुलित नहीं थे, इसलिए उसे लौटा दिया गया। कानपुर के एक जिले में ब्राह्मणों को ज्यादा स्थान इस तर्क के साथ दे दिए गए थे कि यह क्षेत्र ब्राह्मण बहुल है, लेकिन बात नहीं बनी। अब दोबारा सूची बनाई गई है। इस बार 90 की कमेटी में 30 महिलाएं होंगी। इसमें सात महिलाओं को पदाधिकारी बनाया जाएगा। जातीय समीकरण का खास ध्यान रखा गया है। आठ महामंत्री, नौ उपाध्यक्ष और एक कोषाध्यक्ष बनाया गया है। नए चेहरे ज्यादा दिखेंगे। कॉडर के कार्यकर्ताओं को बड़े पैमाने पर समायोजित किया गया है।

- नामित पार्षदों की सूची आने के बाद ओहदे पाने वाले कार्यकर्ताओं की बढ़ी आस

शीघ्र घोषित होगी कमेटी

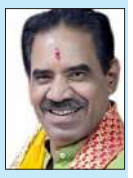

प्रदेश नेतृत्व के दिशा-निर्देश के मुताबिक काम हो रहा है। सभी लोगों से विचार-विमर्श हो रहा है, किसी तरह की निराशा का सवाल ही नहीं है। अब बहुत जल्द कमेटी घोषित हो जाएगी।

-अनिल दीक्षित, अध्यक्ष, उत्तर जिला।

जल्दी ही सामने आएगी कमेटी

कमेटी बनाने के लिए वरिष्ठ नेताओं से विचार-विमर्श की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है, तैयारी मुकम्मल है। सभी कार्यकर्ता शिद्दत से काम कर रहे हैं। कमेटी बहुत जल्दी घोषित हो जाएगी।

-शिवराम सिंह, अध्यक्ष, भाजपा दक्षिण

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

नामित पार्षदों का किया गया सम्मान।

नामित पार्षदों की निष्ठा का किया गया सम्मान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृच विचार। भाजपा उत्तर जिला के नवीन मार्केट स्थित कार्यालय में 10 नामित पार्षदों का अभिनंदन कर पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण का सम्मान किया गया। जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल भी मौजूद रहे। संचालन मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने किया। भाजपा उत्तर अध्यक्ष तथा दक्षिण जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह ने नामित पार्षदों को स्मृति चिन्ह देकर पटका पहनाते हुए कहा कि प्रदेश नेतृत्व ने जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं को सम्मान देने परंपरा कायम रखी है।

क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने संबोधन में इनमें ऐसे कार्यकर्ता भी शामिल हैं जिन्होंने संगठन को सींचने के लिए अपने परिवार की चिंता तक नहीं की। अब ये सभी पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों में जनता के बीच जाकर भाजपा को और अधिक गतिशील बनाएंगे। सम्मान पाकर नामित पार्षद विजय सिंह पटेल, दिनेश बाबा, सरदार नीतू सिंह, राजेश श्रीवास्तव, रमेश बाल्मीकि, कमला साहू, आदित्य शुक्ल, सुभाष गौड़, निधि बाजपेई ने भावुक होते हुए अपने अनुभव साझा किए। शिवांग मिश्रा अभिनव तिवारी,, रोहित साहू, स.अमरजीत सिंह पम्मी सीमा एमबीए, अनुपम मिश्रा, सुनीता गौड़, अंशु ठाकुर, अनुराग शुक्ला शुभम दीक्षित, रमा शंकर अग्रहरि, अतुल दीक्षित, विधि राजपाल, पूनम कंवर, राधा सैनी, सुरेश गुप्ता, अभिराज सिंह उपस्थित रहे।

नशेबाजी के विरोध में दो पक्ष भिड़े क्रॉस रिपोर्ट

कानपुर। बाबूपुरवा में रविवार देर रात नशेबाजी के विरोध में दो पक्ष भिड़ गए। जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने क्रॉस रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। मंगलवार को घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। खटिकाना निवासी अनुज सोनकर के अनुसार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे उनकी दुकान के पास अनुराग सिंह, अमन बाजपेयी, आफताब, सरताज, सलमान, शिबू और आदिल नशेबाजी कर रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज की। जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। जिसके बाद उन्होंने अपने भाई गोविंदा सोनकर को सूचना दी। जो मौके पर पहुंचा लेकिन तब तक सभी लोग जा चुके थे। इसके बाद अनुज अपने भाई के साथ आफताब की दुकान पर पहुंचा और गाली-गलौज का कारण पूछा। वहां मौजूद लोगों ने उन पर हमला कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष के बाबूपुरवा निवासी आफताब ने बताया कि वह अपनी दुकान पर मौजूद थे। तभी गोविंदा सोनकर, अनुज, अंकित और विशिष्ट उर्फ नंदू वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे, विरोध करने पर मारपीट की और दुकान में आग लगाने का प्रयास किया।

कांग्रेस के इफ्तार में आए अजय राय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जाजमऊ में कांग्रेस के रोजा इफ्तार में शिरकत करने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय पहुंचे। इस दौरान मुल्क और प्रदेश के लिए मांगी गई दुआ में शामिल हुए। जिला कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर ग्रामीण के अध्यक्ष संदीप शुक्ला द्वारा रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश अध्यक्ष ने रोजेदारों के साथ बैठकर इफ्तार किया। पूर्व विधायक सोहैल अंसारी, उमेश दीक्षित, संजय दीक्षित, आनंद मेहरोत्रा, शक्ति पांडे, अविनाश सलूजा, करिश्मा ठाकुर, आकर्षण तिवारी, इमैनुएल सिंह, आफताब हसन, पार्षद नूरन अहमद टार्जन, पार्षद अमीम खान, पूर्व पार्षद अबरार अहमद, पार्षद फखर इकबाल, नरेंद्र चंचल, राजीव द्विवेदी, इरफान आदि थे।

रोजा इफ्तार में अजय राय और अन्य नेता। अमृत विचार

दिवंगत दो नेताओं के परिवारों से मिले अजय राय

- **कानपुर।** मंगलवार को पार्टी के द्वारा जाजमऊ में आयोजित रोजा इफ्तार में शिरकत करने पहुंचे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कानपुर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता के साथ दिवंगत कर्मठ कार्यकर्ताओं जूही स्थित इस्लाम अंसारी एवं बारादेवी स्थित राम नाथ दुबे के आवास पर पहुंचे और शोकाकुल परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कानपुर देहात अध्यक्ष अम्बरीष सिंह गौड़, अवनीश सलूजा, संजय दीक्षित, मुकेश दुबे, मोहित दीक्षित, कमलाकांत तिवारी, नरेश कटियार, हरिराम कटियार आदि थे।

एसएमई व एमएसएमई निर्यातकों की राह आसान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के एसएमई और एमएसएमई निर्यातक आमतौर पर अपनी वर्किंग कैपिटल के लिए बैंकों पर निर्भर रहते हैं, जहां जमानत देनी पड़ती है, कागजी प्रक्रिया ज्यादा होती है और मंजूरी में 4 से 12 हफ्ते लग जाते हैं। लेकिन गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी से संचालित क्रेडलिक्स निर्यात चालानों के आधार पर 48 घंटे में फंड जारी कर देता है। इसके लिए न जमानत की जरूरत होती है और न ही किसी शाखा में जाने की। यह जानकारी होटल विजय इंटरकॉन्टिनेंटल में मंगलवार को आयोजित एक्सपोर्ट आउटरीच प्रोग्राम में दी गई।

मोगलिक्स द्वारा संचालित वैश्विक सप्लाई चेन फाइनेंसिंग प्लेटफॉर्म क्रेडलिक्स द्वारा फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन्स (फियो), इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर्स अथॉरिटी तथा एमवन एनएक्सटी के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में कानपुर और आसपास के औद्योगिक क्षेत्र से 40 से अधिक एसएमई और एमएसएमई निर्यातकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मकसद निर्यातकों की व्यावहारिक समस्या समझाना था। क्रेडलिक्स की ओर से बताया गया कि एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन के तहत रीकोर्स और नॉन रीकोर्स दोनों तरह के एक्सपोर्ट फैक्टरिंग पर 2.75 फीसदी ब्याज सबवेंशन दिया जाता है। यह सुविधा पंजीकृत फैक्टरिंग फर्मों के माध्यम से हर आईईसी पर अधिकतम 50 लाख रुपये तक उपलब्ध होती है। क्रेडलिक्स और मोगलिक्स के फाउन्डर एवं सीईओ राहुल गर्ग ने कहा कि दुनिया का माहौल लगातार बदल रहा है, ऐसे में सही औद्योगिक निवेश को मजबूती देना और हालात के अनुसार नीतियों में बदलाव करना ही मजबूत अर्थव्यवस्था की पहचान बनता है।

आउटरीच प्रोग्राम में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

तकनीक | 450 करोड़ की लागत से लग रहे एफजीडी व एससीआर करेंगे पर्यावरण संरक्षण

पनकी पॉवर प्लांट से गैस व प्रदूषण नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पनकी पॉवर प्लांट की वजह से किसी भी प्रकार का प्रदूषण आसपास के क्षेत्रों में न फैल सके, इसके लिए परिसर में करीब 450 करोड़ रुपये की लागत से एफजीडी व एससीआर स्थापित किया जा रहा है, जिनका निर्माण मई माह तक पूरा हो जाएगा और जरूरी प्रक्रिया के बाद जून माह में दोनों का संचालन किया जाएगा। जिससे प्लांट की वजह से सल्फर व नाइट्रोजन गैस और प्रदूषण नहीं फैलेगा। पर्यावरण संरक्षण होगा।

पनकी पॉवर प्लांट के महाप्रबंधक विजय बहादुर को आसपास क्षेत्र के लोग, कई समाजिक संगठन और अर्मापुर के अधिकारियों ने क्षेत्र में धूल, धुंआ व प्रदूषण फैलने के संबंध में शिकायती पत्र देकर इनके प्रबंधन की मांग की। इसका संज्ञान लेकर महाप्रबंधक ने प्लांट परिसर में फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) व सेलेक्टिव कैटेलिटिक रिडक्शन (एससीआर) स्थापित किए जाने की प्रगति की जानकारी निर्माण अधिकारियों से ली।

महाप्रबंधक विजय बहादुर ने बताया कि हानिकारक सल्फरडाई ऑक्साइड व नाइट्रोजन गैसों को वायुमंडल में उत्सर्जित होने से रोकने के लिए एफजीडी व एससीआर की स्थापना की जा रही है। जून में फाइनल होने के बाद इनका संचालन शुरू किया जाएगा। एफजीडी चूना पत्थर (लाइमस्टोन) के घोल का उपयोग करके फ्लू गैस से सल्फरडाइ ऑक्साइड को हटाता है। यह 95 फीसदी से अधिक सल्फर डाइऑक्साइड को हटा सकता है। एफजीडी से बिजली की उत्पादन लागत में थोड़ी वृद्धि भी हो सकती है।

जानकारी देते पनकी पॉवर प्लांट के महाप्रबंधक विजय बहादुर, साथ में अधीक्षण अभियंता राम कुमार व चीफ अकाउंटेंड शिवेश रस्तोगी। अमृत विचार

बिजली संयंत्रों से होने वाले प्रदूषण को कम करेगा एससीआर

- महाप्रबंधक ने बताया कि सेलेक्टिव कैटेलिटिक रिडक्शन (एससीआर) तकनीक का उपयोग दहन गैसों से हानिकारक नाइट्रोजन ऑक्साइड को 90 फीसदी से अधिक कम करने के लिए किया जाता है। यह फ्लू गैस (धुआं) में अमोनिया इंजेक्ट करता है, जो उत्प्रेरक से गुजरकर हानिकारक नाइट्रोजन ऑक्साइड को हानिरहित नाइट्रोजन और पानी में तोड़ देता है। यह तकनीक कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों से होने वाले प्रदूषण को काफी कम करती है और कड़े पर्यावरणीय मानकों को पूरा करने में मदद करती है।

एफजीडी से सरकार को भी होगा मुनाफा

- महाप्रबंधक ने बताया कि फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन प्रक्रिया में चूना पत्थर सल्फर डाइऑक्साइड के साथ प्रतिक्रिया करके जिप्सम बनाता है। इस जिप्सम का उपयोग सीमेंट के जमने के समय को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग जिप्सम बोर्ड, प्लास्टरबोर्ड या फालसीलिंग बनाने के लिए किया जाता है। यह उच्च गुणवत्ता वाला जिप्सम उप-उत्पाद सीमेंट कारखानों के लिए एक मूल्यवान कच्चा माल होता है। इसलिए इसे सीमेंट फैक्ट्रियों में भी बेचा जा सकता है। बताया कि एफजीडी प्रक्रिया में हर घंटे करीब 12 टन जिप्सम निकलता है। इससे पर्यावरणीय लाभ भी मिलेगा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद कन्नौज

पत्रांक :– 4887/ के0जे0/क0अनु0/2025–26 दिनांक : 17.03.2026

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 (1) ख के अन्तर्गत नाम परिवर्तन/ नामांकन की सूचना

एतद द्वारा सभी हितबद्ध भवन स्वामियों / हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है, कि कालम संख्या 02, 03, 04, 05, 06 पर अंकित विवरणपर यदि किसी भवन स्वामी / किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह सूचना प्रकाशन के दिनांक से तीस दिन (30 दिन) के अन्दर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति नगर पालिका परिषद कन्नौज के कार्यालय में प्राप्त करा दे निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तिय पर कोई विचार नहीं किया जाएगा तथा नाम परिवर्तन / नामांकन को अंतिम रूप प्रदान करते हुए प्रस्तावित नाम को कर निर्धारण रजिस्टर में अंकित कर दिया जाएगा जिसके लिए नगर पालिका उत्तरदायी नही होगी। यह नाम परिवर्तन / नामांकन के वल गृहकर, जलकर की अदायगी पर ही प्रभावी होगा इससे किसी सम्पत्ति का स्वामित्त घोषित नहीं होगा।

क्र0 सं0	भवन सं0	मोहल्ले का नाम जिसमें स्थित सम्पत्ति का नाम परिवर्तन/नामांकन प्रस्तावित है	विधमान भवनस्वामी/ विक्रेता का नाम	प्रस्तावित नाम आवेदक का नाम जो भवन/ भूखण्ड पर दर्ज किया जायेगा।	गृहकर, जल कर के लिए मकान /भूखण्ड पर स्वामित्व परिवर्तन का आधार
1	279	अलाउद्दीनपुर	श्री गनेश प्रसाद अवस्थी पुत्र स्व0 श्री शिव कुमार अवस्थी व श्रीमती श्रीदेवी अवस्थी पत्नी श्री गनेश प्रसाद अवस्थी (नि0 मो0 अलाउद्दीनपुर कन्नौज)	श्री अरून कान्त अवस्थी उर्फ अरून कुमार अवस्थी पुत्र श्री गनेश प्रसाद अवस्थी (नि0मो0 अलाउद्दीनपुर कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
2	98	बाजार कला/ बड़ा बाजार	श्रीमती पदमा देवी पत्नी श्याम सिंह व श्री अभय शंकर सक्सेना पुत्र स्व0 श्री बृहमशंकर (नि0 मो0 बड़ा बाजार कन्नौज)	श्रीमती इन्दू सक्सेना पत्नी श्री विजयशंकर सक्सेना (नि0मो0 बड़ा बाजार कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
3	11	होली	श्री वसंत लाल आदि पुत्र बल्देव प्रसाद (नि0मो0 होली कन्नौज)	श्रीमती शशी पत्नी स्व0 श्री मनोज कुमार मिश्रा श्री प्रमोद, सुनील मिश्रा पुत्र स्व0 श्री बसन्तलाल मिश्रा (नि0मो0 होली कन्नौज)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर।
4	47 का आं0 भाग	होली	श्री मनोज कुमार, प्रमोद कुमार व श्री सुनील कुमार, पुत्रगण स्व0 श्री बसन्त लाल (नि0 मो0 होली कन्नौज)	श्री सर्वेश कुमार व आशीष कुमार पुत्रगण श्री बसन्त लाल (नि0मो0 होली कन्नौज)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीकृत वसीयत के आधार पर।
5	41	कानून गोयान	श्री मोहन कश्यप पुत्र श्री रामेयश्वर दयाल कश्यप व श्री नन्हें, फकीरे पुत्र श्री मैकू (नि0मो0 कानून गोयान कन्नौज)	श्री मान सिंह व वीर बहादुर पुत्र स्व0 श्री राजाराम (नि0मो0 काजीटोला कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
6	519 का आं0 भाग	सरायमीरा	श्री रामशंकर व उमाशंकर पुत्रगण स्व0 श्री नत्थू (नि0 मो0 गल्ला बजरिया सरायमीरा कन्नौज)	श्री शिव कुमार यादव पुत्र श्री कन्हैयालाल यादव (नि0मो0 देविन टोला कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
7	520 का आं0 भाग	सरायमीरा आं0	श्री वैभव मिश्रा पुत्र स्व0 श्री जयकृष्ण मिश्रा व कु0 प्रगति मिश्रा पुत्री स्व0 श्री जयकृष्ण मिश्रा (नि0मो0 जी0 टी0 रोड सरायमीरा कन्नौज)	श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री शिव कुमार यादव (नि0मो0 देविन टोला सरायमीरा कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
8	14	काजीपुरा कन्नौज	श्री जगन्नाथ उर्फ जगनू पुत्र स्व0 श्री बल्ला (नि0मो0 काजीपुरा कन्नौज)	श्रीमती सायरा बेगम पत्नी श्री मतीन अहमद व श्रीमती शबनम बेगम पत्नी श्री शकील अहमद (नि0मो0 मुकरी टोला कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
9	157	काजीपुरा	श्री उदयभान पुत्र श्री राम भरोसे (नि0म0 नं0 587 सोराज नगर कानपुर नगर)	श्री त्रिवेणी सिंह पुत्र स्व0 श्री महादेव (नि0माठे काजीपुरा कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
10	36	कागजियाना	श्री फैय्याज हुसैन उर्फ लल्लन पुत्र हवीव उल्लाह (नि0मो0 कागजियाना कन्नौज)	श्री लियाकत हुसेन, जुलफिकार पुत्रगण स्व0 फय्याज हुसेन उर्फ लल्लन व श्री जन्नतुन निशा व फूल जहां पुत्री स्व0 फय्याज हुसेन उर्फ लल्लन (नि0 मो0 कागजियाना कन्नौज)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर।
11	100	हाजीगंज कलॉ	श्री इस्माईल बेग पुत्र श्री इकराम (नि0मो0 हाजीगंज कन्नौज)	श्री अकबर बेग पुत्र श्री इस्माईल बेग (नि0मो0 हाजीगंज कलॉ कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
12	नया प्लाट	नसरापुर	श्री रामपाल पुत्र स्व0 श्री खरगाइ (नि0मो0 नसरापुर पो0 मकरन्दनगर कन्नौज)	श्री रवी कुमार पुत्र श्री शिवाधार उर्फ शिब्बू (नि0 मो0 नसरापुर पो0 मकरन्दनगर कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
13	नया प्लाट	मौजा अकबरपुर सरायघाघ	श्री अमीचन्द्र पुत्र स्व0 श्री सुखवासी जाटव (नि0मो0 अकबरपुर सरायघाघ कन्नौज)	श्रीमती मयंका पत्नी श्री अनिल कुमार त्रिपाठी (नि0मो0 अकबरपुर सरायघाघ डाकघर मकरन्दनगर कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
14	नया प्लाट	काजीटोला	श्री महबूब अहमद पुत्र श्री महमूद अहमद (नि0 मो0 काजीटोला कन्नौज)	श्री मो0 सालिम पुत्र श्री महमूद अहमद (नि0मो0 काजीटोला कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
15	नया प्लाट 1/2 भाग	युसुफपुर भगवान	श्री जगदेव प्रसाद प्रसाद पुत्र श्री शिवनरायन व श्री खुशीराम पुत्र श्री नन्हें लाल (नि0 मो0 युसुफपुर भगवान कन्नौज)	श्री राजेन्द्र सिंह राजपूत पुत्र श्री मंगल सिंह राजपूत (नि0 मो0 छिपट्टी कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
16	नया प्लाट	मौजा अकबरपुर सरायघाघ	श्री श्री ग्रीशचन्द्र दुबे पुत्र श्री रमाशंकर व श्री मोहित व अनुज पुत्रगण श्री गिरीशचन्द्र (नि0मो0 फर्श कन्नौज)	श्रीमती अत्तो देवी पत्नी श्री विमलेश कुमार त्रिपाठी (नि0 ग्राम टड़वा मौजा क्योस्ट गागेमऊ तह0 व जि0 कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
17	299	अजयपाल	श्री मो0 शफीक सिद्दीकी पुत्र श्री मोहम्मद अहसन (नि0मो0 मुबारकपुर टीला कन्नौज)	श्री कृष्ण पुत्र श्री रूपलाल (नि0मो0 अजयपाल कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
18	97	भटपुरी	श्री मोहम्मद सईद खां उर्फ सईद हसन उर्फ सहीद हसन पुत्र नसरुल्ला खां (नि0ग्राम सारोतोप पो0 गोधनी कन्नौज)	श्री शहरून निशा पत्नी श्री आमिर हसन (नि0ग्राम सारोतोप पो0 गोधनी कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
19	195	बजरिया सैय्यद मोहम्मद	श्री हासीम सलमानी पुत्र नसीम सलमानी (बजरिया सैय्यद मोहम्मद कन्नौज)	श्री मो0 वसीम पुत्र मुनव्वर अहमद (नि0मो0 अहमदी टोला कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
20	136 आं0 भाग	सिपाही ठाकुर	श्री प्रभात सैनी पुत्र श्री अरविन्द कुमार सैनी (नि0मो0 युसुफपुर भगवान कन्नौज) श्री शानू प्रकाश व भानू प्रताप पुत्र राज कुमार व रामादीन पुत्र ग्यालाल (नि0मो0 सिपाही ठाकुर कन्नौज)	श्रीमती पूनम पत्नी स्व0 श्री विजय कुमार (नि0 मो कटरा बहादुर कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
21	नया प्लाट	सदरपुर टीला	श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री हरिशचन्द्र (नि0 मो0 बजरिया सैय्यद मोहम्मद कन्नौज)	श्री अफरोज पुत्र श्री मोहम्मद असलम (नि0मो0 मीरा टोला कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
22	नया प्लाट	सरायमीरा	श्रीमती सुनीता सिंह पत्नी श्री शिवेन्द्र बहादुर सिंह (नि0ग्राम लिधौरा पो0 छछूद तह0 विधूना वि0 औरेयो)	श्री अवधेष कुमार पुत्र चन्द्रवली दुबे (नि0ग्राम ऑटी पो0 मलिकापुर परगना व तह0 व जि0 कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
23	नया प्लाट	कन्नौज बांगर	श्रीमती शीला पत्नी स्व0 श्री विपिन नरायन (नि0मो0 अशोक नगर सरायमीरा कन्नौज)	श्री सुमित कुशवाहा पुत्र श्री श्रीपाल कुशवाहा (नि0मो0 युसुफपुर भगवान कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
24	नया प्लाट	सरायमीरा	श्री आनन्द कुमार पुत्र स्व0 श्री सुभाषचन्द्र (नि0मो0 अम्बेडकर नगर सरायमीरा कन्नौज)	श्री अलकेश कुमार दुबे, अवधेश कुमार दुबे पुत्र श्री चन्द्रवली दुबे (नि0 ग्राम ऑटी पो0 मलिकापुर तह0 व जि0 कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
25	98	युसुफपुर भगवान	श्री कृष्णा पुत्र श्री सुरेन्द्र कुमार उर्फ सुरेन्द्र कुशवाहा (नि0मो0 युसुफपुर भगवान कन्नौज)	श्री अजीत व कृष्णा पुत्रगण श्री सुरेन्द्र कुमार उर्फ सुरेन्द्र कुशवाहा (नि0मो0 युसुफपुर भगवान कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद कन्नौज

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 18 मार्च 2026

सिटी ब्रीफ

सीएमओ ने डीएम को लिखा पत्र

कानपुर। सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी ने डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह को एक पत्र लिखा है, जिसमे उन्होंने कहा कि पूर्व में हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कहा गया था कि एनएचएम से संबंधित सभी वित्तीय पत्रावलियों का संचालन शासन स्तर से अधिकृत वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी के माध्यम से किया जाए। उन्होंने एनएचएम की वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी डॉ.वंदना सिंह पर वित्तीय परीक्षण के दौरान अनावश्यक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। वहीं, कहा कि इन पर पूर्व में भी कई आरोप लगे हैं। ऐसे में इनकी तैनाती सही है। वहीं, हाईकोर्ट ने मामले की जांच को निरस्त कर दिया है और प्रमुख सचिव को मामले में नए सिरे से जांच कराने को कहा है। ऐसे में डॉ.वंदना की तैनाती से राजकीय कार्य प्रभावित होने की प्रबल संभावना है। आरोप से घिरे होने पर इनसे वित्तीय परामर्श लिया जाना भी संभव नहीं है।

पुस्तक मेला

कानपुर। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने मंगलवार को कानपुर सेंट्रल और मोतीझील स्टेशन पर पुस्तक मेले का आयोजन किया, जो डेढ़ माह तक चलेगा। मेट्रो के एनसीएमसी गोस्मार्ट कार्डधारकों को यहां 10 प्रतिशत अतिरिक्त छूट प्रदान मिलेगी। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि पुस्तक मेले का मुख्य उद्देश्य लोगों में पुस्तक पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना है। ये मेले साहित्य प्रेमियों के लिए उपहार हैं।

कल इफ्तार बाद देखा जाएगा ईद का चांद

शिया मस्जिदों में ईद की नमाज का वक्त तय, बकरमंडी बड़ी ईदगाह में सुबह 8 बजे नमाज होगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुरुवार को ईद-उल-फितर का चांद पूरे शहर में रोजा इफ्तार के बाद देखा जाएगा जिसके लिए तैयारियां शुरू हो गयी हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि शुक्रवार को ईद हो जाएगी वरना शनिवार को ईद होना तय है। बकरमंडी स्थित कानपुर की सबसे बड़ी ईदगाह में सुबह 8 बजे एवं दूसरी नमाज सुबह 9.30 बजे होगी।

मंगलवार को शिया मस्जिदों में नमाज के समय का एलान हो गया। हुसैनी फेडरेशन के प्रवक्ता डॉ. जुलफिकार अली रिजवी के मुताबिक जुमा मस्जिद ग्वालटोली में पहली नमाज सुबह 8 बजे एवं दूसरी नमाज सुबह 11 बजे अदा की जाएगी।

मस्जिद कुरसुवा पटकापुर, मस्जिद अहले बैत बेकनगंज, मकरजी अजाखाना जैनुल आब्दीन रामादेवी, में सुबह 8 बजे। मकतबा इमामिया अजीतगंज, मकतबा इमामिया समिति जूही सफेद कालोनी, फिदा-ए-ईमान बैतुत सलात पोखपुर, इमामबाड़ा मरहूम सैयद इमदाद हुसैन नकवी सुबह 8.30 बजे, मस्जिद मीर जाफर पटकापुर, इमामबाड़ा हादी बेगम साहिबा कर्नलगंज, मस्जिद फूल वाली गली, अली नगर कॉलोनी उन्नाव, मस्जिद सूटरगंज,मस्जिद विक्टोरिया मिल में सुबह 9 बजे। इमामिया कल्चरल सेटर रोशन नगर, मैदान सकेरा स्टेट, मकतबा इमामिया जूही सफेद कालोनी में दूसरी नमाज सुबह 9.30 बजे। मस्जिद कर्बला आजम अली खां, कर्नलगंज, मस्जिद अहाता नवाब, पटकापुर में सुबह 10 बजे। बड़ी कर्बला, नवाब गंज में सुबह 10.30 बजे ईद की नमाज अदा की जाएगी।

बेकनगंज बाजार में खरीदारी करती महिलाएं। अमृत विचार

सूतफेनी और सिंवई की दुकानों पर बहार है। अमृत विचार

बेकनगंज बाजार में ईद की खरीदारी करने उमड़ा हुजूम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बेकनगंज बाजार में ईद की खरीदारी करने के लिए लाखों महिलाओं का हुजूम उमड़ा हुआ है। ये बाजार लगभग 10 वर्ग किमी में फैल चुकी है और इस बाजार में कानपुर के अतिरिक्त कानपुर देहात, उरई, हमीरपुर, फतेहपुर, जहानाबाद, बिंदकी, लालगंज, रायबरेली, उन्नाव समेत विभिन्न जिलों के परिवार खरीदारी के लिए उमड़ पड़े हैं।

बड़ी ईदगाह के अलावा 200 मस्जिदों में दो-दो बार नमाज

- अगर गुरुवार को चांद हो गया तो शुक्रवार अन्यथा शनिवार को ईद की नमाज अदा की जाएगी। बकरमंडी स्थित बड़ी ईदगाह के अलावा कई ईदगाहों एवं लगभग 200 मस्जिदों में दो-दो बार ईद की नमाज अदा की जाएगी। दरअसल योगी सरकार ने सड़क पर नमाज पढ़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है, ऐसे में मस्जिद और ईदगाह के अंदर की नमाज होती है। जहां नमाजियों की भीड़ अधिक होती है, वहां दो बार नमाज अदा की जाती है। बड़ी ईदगाह के मुतवल्ली अयाज आलम जफर ने बताया कि पहली नमाज सुबह 8 बजे होगी जबकि दूसरी नमाज सुबह 9 .30 बजे अदा की जाएगी। इसी प्रकार शहर की कई मस्जिदों में दो दो बार नमाज पढ़ी जाएगी।

- बेकनगंज बाजार में ईद की खरीदारी करने उमड़ा हुजूम
- बेकनगंज, चमनगंज, नई सड़क तलाक महल तक फैली बाजार

यहां महिलाओं के लिए एसी शौचालय, बच्चों का फीडिंग कक्ष, नमाज कक्ष, ठंडा पानी समेत तमाम प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। ये बाजार बेकनगंज, चमनगंज, दलेल पुरवा, टुकनिया पुरवा, हीरामन पुरवा, दादा मियां चौराहा, पेचबाग, चमड़ामंडी, नई सड़क, नाला रोड, मोहम्मद अली पार्क, हलीम कालेज चौराहा, अजमेरी चौराहा, तलाक महल, कर्नलगंज, कागजी मोहाल तक फैल गई है।

अटल घाट पर नववर्ष का भव्य स्वागत, ध्रुपद गायकों की प्रस्तुति

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कार्यक्रम में प्रसिद्ध शहनाई वादक सिकंदर खान द्वारा शहनाई वादन प्रस्तुत किया जाएगा

अमृत विचार। भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर 19 मार्च को अटल घाट, गंगा बैराज में भव्य स्वागत एवं पारिवारिक समागम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को कानपुर स्कूल्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से पत्रकार वार्ता आयोजित कर विस्तृत जानकारी दी गई।

संस्था के महामंत्री कृष्ण कुमार दुबे 'मुन्ना दुबे' ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी होंगे। उन्होंने बताया कि सुबह 5:15 बजे से कार्यक्रम की शुरुआत होगी। 5:30 बजे से प्रसिद्ध शहनाई वादक सिकंदर खान द्वारा शहनाई वादन प्रस्तुत किया जाएगा, इसके बाद जल स्तुति, शंखनाद और दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ध्रुपद गायक पंडित नितिन कुमार द्विवेदी और आयुष द्विवेदी के निर्देशन में 108 शिष्यों द्वारा सामूहिक ध्रुपद गायन 'ध्रुपद धारा' होगा। इसके साथ ही सुचरिता खन्ना और उनके 60 शिष्यों द्वारा कथक और भरतनाट्यम की जुगलबंदी भी प्रस्तुत की जाएगी। 101 बटुकों द्वारा मंत्रोच्चारण, गंगा आरती और नासिक के ढोल दल द्वारा विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। संस्था के अध्यक्ष अजीत अग्रवाल ने बताया कि अटल घाट पर भव्य तैयारियां की जा रही हैं। प्रेस वार्ता में प्रतीक श्रीवस्तव, गुड्डन दीक्षित, मनोज चौरसिया, सौरभ श्रीवास्तव, वरुण त्रिपाठी, बाटु भाई, उपेन्द्र यादव आदि लोग रहे।

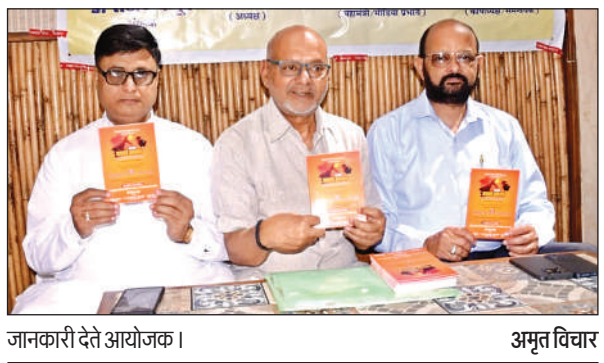

जानकारी देते आयोजक। अमृत विचार

गैस एजेंसी के बाहर लगी लोगों की लाइन। अमृत विचार

समोसे तले जाने लगे हैं।

तकनीक का जलवा, रोबो सॉकर और रोबो वॉर में रोमांचक मुकाबले

कानपुर। विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) में आयोजित तीन दिवसीय तकनीकी महोत्सव "रोबो रम्बल 3.0" के दूसरे दिन प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों का उत्साह चरम पर रहा। दिनभर चले तकनीकी आयोजनों में रोबोटिक्स और गेमिंग के क्षेत्र में छात्रों की प्रतिभा और नवाचार देखने को मिला।

दूसरे दिन हुई रोबो सॉकर प्रतियोगिता में 16 से अधिक टीमों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने रोबोट्स के माध्यम से बेहतरीन नियंत्रण, त्वरित निर्णय क्षमता और प्रभावी टीमवर्क का प्रदर्शन करते हुए रोमांचक मुकाबले खेले। सुमित ,सत्यम, भास्कर, पीयूष, चांदनी ने मिलकर वैकना नाम से एक रोबो तैयार किया था। जो मैदान में तकनीक और रणनीति का शानदार मेल देखा रहा था, जिसने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। वहीं रोबो वॉर प्रतियोगिता में 17 से अधिक टीमों के शक्तिशाली रोबोट्स एरिना में आमने-सामने आए। इसके अलावा आयोजित ई-स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में 40 से अधिक टीमों ने हिस्सा लिया। छात्रों के लिए स्पोर्ट्स बाइक हैंडलिंग एवं सेफ्टी अवेयरनेस रैली भी निकाली गई। रैली का उद्देश्य युवाओं को सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक करना और जिम्मेदार वाहन संचालन का संदेश देना था। प्रतिभागियों ने हेलमेट के उपयोग, ट्रैफिक नियमों के पालन और सड़क सुरक्षा से जुड़े संदेशों के साथ परिसर में रैली निकाली।

मानव कल्याण में जैव विज्ञान की बढ़ती भूमिका पर मंथन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

पुस्तक का विमोचन किया गया। अमृत विचार

- तकनीकी सत्र में ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से कुल 35 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए

अमृत विचार। ब्रह्मानंद कॉलेज में सोमवार को मानव कल्याण में जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी की उभरती भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्रज्ञा-मंडप सभागार में किया गया। इस संगोष्ठी को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय का सहयोग प्राप्त था। कार्यक्रम में देशभर के शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्रों ने भाग लेकर जैव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार साझा किए।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति सुधीर कुमार अवस्थी थे। उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विवेक द्विवेदी ने कहा कि वर्तमान शोध-युग में नई चुनौतियों का सामना साहस और संकल्प के साथ करना आवश्यक है। संगोष्ठी का की-नोट व्याख्यान बीबीए विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रोफेसर नवीन कुमार अरोरा ने दिया। उन्होंने कृषि योग्य दूषित मिट्टी के सुधार में सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी की अहम भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने 'लैब टू लैंड' की अवधारणा के माध्यम से वैज्ञानिक शोध को सीधे खेतों और समाज तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

संगोष्ठी दो तकनीकी सत्रों में आयोजित की गई। इसमें सीएसजेएम विश्वविद्यालय की प्रोफेसर वर्षा गुप्ता ने बताया कि मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कब और कैसे 'स्वयं' और 'गैर-स्वयं' के बीच अंतर करने में विफल हो जाती है। तकनीकी सत्र में ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से कुल 35 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जबकि विभिन्न उप-विषयों पर 45 शोध पोस्टरों की प्रस्तुति भी की गई। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर अलका तांगड़ी ने किया। आयोजन समिति में उप-प्राचार्य प्रो. नवनीत मिश्रा, संयोजक प्रो. पंकज पांडे, डॉ. मधु सहगल और डॉ. रविंद्र स्वरूप सिंह प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट्स वेल्फेयर प्रो. सुनील सिंह, चीफ प्रॉक्टर प्रो. ऋचा अवस्थी, प्रो. अर्चना पाण्डेय, प्रो. ए.एल. पाठक समेत महाविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सहरी के बाद रोजेदार महिलाओं की लंबी लाइनें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एलपीजी गैस सिलेंडर के लिए मारपीट, धक्कामुक्की
- गैस एजेंसियों के बाहर पुलिस बंटवा रही गैस सिलेंडर

सैकड़ों होटल, रेस्टोरेंट में अभी भी ताला

- कामर्शियल सिलेंडर नहीं मिलने के कारण सैकड़ों होटल, रेस्टोरेंट अभी भी बंद पड़े हैं, पूछने पर बताते हैं कि जब सिलेंडर ही नहीं मिल रहा तो कैसे सामग्री बनेगी। कुछ होटल, रेस्टोरेंट वालों ने कोयले की भट्टी की व्यवस्था की है जिसके चलते इंडेक्शन और कोयले की भट्टी के दाम भी बढ़ गये हैं।

अमृत विचार। रमजान-उल-मुबारक खत्म होने वाला है और दो दिन बाद ईद है, ऐसे में लाखों रोजेदारों को गैस सिलेंडर की चिंता है, यही कारण है कि सहरी खाने के बाद भोर में ही गैस एजेंसी के बाहर आकर पुरुष व महिला रोजेदार लाइन में लग जाते हैं।

शहर की विभिन्न गैस एजेंसियों से शिकायतें मिल रही हैं, कहीं रबर खरीदने की शर्त तो कहीं 200 रुपये लेकर चाय की पत्ती देने समेत कई प्रकार से एजेंसियों पर आरोप लग रहे हैं। कई कई बार एजेंसियों में सिलेंडर लेने के लिए आना पड़ रहा है, हर बार बाइक में पेट्रोल भरवाना पड़ रहा है, ब्लैक से सिलेंडर 1800 रुपये का मिल रहा है, गैस एजेंसी में दिनभर लाइन में लगने के बाद 928 रुपये का मिलता है। चमनगंज के मोहम्मद हसीन बताते हैं कि वह पिछले तीन दिनों से दौड़ रहे हैं लेकिन गैस नहीं मिल रही है, सुबह 6 बजे से लाइन में लगे हैं। दो दिन बाद ईद है तो कैसे होगा। जेके मंदिर के पीछे गैस एजेंसी पर भोर से लाइन में लगी मुस्लिम महिलाओं ने बताया कि वह सुबह 6 बजे सहरी के बाद ही लाइन में लगी है लेकिन कोई गारंटी नहीं है कि सिलेंडर मिलेगा या नहीं। कई बार ये कहा जाता है कि आज गाड़ी नहीं आई है।

समोसा, चाय, चाट के दाम में बढ़ोत्तरी

- कामर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति अभी भी बाधित है, ऐसे में समोसा, चाय, चाट के दाम में बढ़ोत्तरी हो गयी है। समोसा कहीं पांच रुपये तो कहीं 10 रुपये का मिलता है लेकिन यही समोसा 7 रुपये और 12 रुपये का हो गया है। इसी प्रकार एक प्लेट चाट (आलू की टिकिया) 100 रुपये की थी जो बढ़कर 120 रुपये हो गयी है। इस संबंध में दुकानदारों का कहना है कि कामर्शियल सिलेंडर नहीं मिल रहा है, कोयले की भट्टी पर काम चल रहा है।

डॉ.. हेमंत मोहन का स्वागत किया गया। अमृत विचार

होली गीतों पर झूम उठा मन

कानपुर। भूतपूर्व सैनिक जन कल्याण समिति कानपुर नगर द्वारा विशाल कवि सम्मेलन एवं होली मिलन समारोह श्याम नगर कोयला नगर में धूमधाम से संपन्न हुआ। 20 कवियों ने होली गीत सुनाकर लोगों को झूमने पर विवश किया। इस अवसर पर गोविंद द्विवेदी, अशोक शास्त्री, अजय कुलश्रेष्ठ, रश्मि कुलश्रेष्ठ, दुर्गा बाजपेई, केके बाजपेई, गोपाल कृष्ण तिवारी, ओम प्रकाश पाठक,ने काव्यपाठ किया। वरिष्ठ होम्योपैथिक फिजिशियन डॉक्टर हेमंत मोहन, उमा शर्मा, महेश मिश्रा, अमित मिश्रा आदि भी रहे।

झांकी ने मन मोहा। अमृत विचार

रुक्मिणी विवाह की झांकी ने मन मोहा

कानपुर। ज्योति हाइट्स अपार्टमेंट बारा देवी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कथा व्यास नवलेश जी महराज ने रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया। विवाह की झांकी ने हर किसी का मन मोह लिया। कथा में मुख्य रूप से कस्तूरी त्रिपाठी,गौरी, पूजा, शैलजा, तृप्ति मिश्रा, दीपक गुप्ता, दया शंकर त्रिवेदी रहे ।

भारत की वैज्ञानिक विरासत को बढ़ावा देना जरूरी

कानपुर। आईआईटी के लेक्चर हॉल-16 में मंगलवार को पीजी अकादमिक्स एंड करियर काउंसिल (एएनसी), स्टूडेंट्स जिमखाना ने वैश्विक अनुसंधान अवसर पर फेलोशिप, अनुदान एवं सहयोग विषय पर सत्र का आयोजन किया। पीजी अकादमिक्स एंड करियर काउंसिल, फैकल्टी एडवाइजर प्रो. राघवेंद्र चौधरी ने बताया कि संस्था स्नातकोत्तर छात्रों को अकादमिक ओरिएंटेशन कार्यक्रमों, करियर मार्गदर्शन सत्रों, शोध चर्चाओं व फेलोशिप जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाती है। विज्ञान भारती (ब्रह्मावर्त प्रांत) के महासचिव प्रो. सुनील के मिश्रा ने भारत की वैज्ञानिक विरासत को बढ़ावा देने और स्वदेशी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाने के उद्देश्य पर बल दिया। युवाओं को मनन से अनुसंधान की भावना अपनाने के लिए प्रेरित किया। अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ.संजीव कुमार वर्ष्णेय ने अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) व एआईसीटीई जैसी संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रमुख राष्ट्रीय फेलोशिप्स की जानकारी दी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजी शाम

कानपुर। जागृति वेलफेयर समिति विष्णुपुरी ब्रांच की ओर से केडी पैलेस में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

शुभारंभ क्लब की प्रेसिडेंट बीना पांडे और सेक्रेटरी वंदना ने किया। सुनीता वासने ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर मन मोह लिया। राधा-कृष्ण के साथ फूलों की होली और रासलीला की प्रस्तुति ने माहौल को और भी भक्तिमय बना दिया। होली की थीम पर हाउजी गेम का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर ललिता जैन , कोषाध्यक्ष अमिता मल्होत्रा , सीमा मित्तल, लता जायसवाल, रचना सहगल, रजनी चौधरी उपस्थित रहीं।

होली मिलन में रंगारंग कार्यक्रम हुए। अमृत विचार

माइक्रो-टीचिंग की समझ जरूरी

कानपुर। सीएसजेएमयू में दो दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई, जिसमे विभागाध्यक्षा व निदेशिका डॉ. तनुजा भट्ट ने कहा कि शिक्षण में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए माइक्रो-टीचिंग की गहन समझ अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सूक्ष्म शिक्षण की अवधारणा, उद्देश्य व महत्व पर जोर दिया। कार्यशाला के सचिव व सह-निदेशक ने कार्यशाला की रूपरेखा व उद्देश्य की जानकारी प्रतिभागियों को दी। इस दौरान डॉ. सरोज पांडेय, प्रो. सुनील उपाध्याय, डॉ. कल्पना अग्निहोत्री, शिव चरन पटेल, डॉ. आशा अवस्थी, डॉ. रश्मि गोरे, डॉ. प्रियंका मौर्य, अनुपमा यादव, डॉ. स्नेह पांडेय व प्रिया तिवारी समेत आदि लोग रहे।

मंथन | आईआईटी, कानपुर में स्थापित नेशनल सेंटर फॉर जियोडेसी लगा है भूगणित की ताकत बढ़ाने में

पृथ्वी की बदलती चाल-भविष्य के नेविगेशन पर नजर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने निरीक्षण किया। अमृत विचार

- नई दिल्ली में आयोजित हुआ पहला राष्ट्रीय जियोडेसी सम्मेलन

अमृत विचार। आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य तेजी से हासिल करने के लिए देश को भूगणित (जियोडेसी) की ताकत का इस्तेमाल बढ़ाना होगा। यह बात नई दिल्ली में आयोजित पहले राष्ट्रीय सम्मेलन (जियोडकॉन-2026) में कही गई। पृथ्वी के आकार, गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र और स्थानिक अभिविन्यास को मापने तथा समझने के विज्ञान को जियोडेसी कहा जाता है। इस सम्मेलन में आईआईटी कानपुर की भागीदारी प्रमुख रही। आईआईटी, कानपुर में स्थापित नेशनल सेंटर फॉर जियोडेसी ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से देश के छह प्रमुख संस्थानों अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, आईआईटी बॉम्बे, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद तथा भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम में जियोडेसी के छह क्षेत्रीय केंद्र बनाए हैं। इन संस्थानों से मिलकर बना एनसीजी-आरसीजी कंसोर्टियम देश में जियोडेसी अनुसंधान और क्षमता निर्माण को मजबूत बना रहा है।

पहले राष्ट्रीय जियोडेसी सम्मेलन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), साथ ही परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि जियोडेसी जैसे विज्ञान के मूल क्षेत्रों का महत्व तेजी से बढ़ रहा है।

समारोह में पद्मश्री डॉ. वीपी डिमरी, सर्वेयर जनरल ऑफ इंडिया हितेश कुमार एस मकवाना, प्रो. ओंकार दीक्षित के अलावा आईआईटी कानपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर शामिल रहे। सम्मेलन में शोधकर्ता, शिक्षाविद, पेशेवर, नीति-निर्माता और उद्योग प्रतिनिधि एक साथ आए और जियोडेसी तथा उससे जुड़े क्षेत्रों में हो रही नई प्रगति को साझा किया।

राष्ट्रीय रेफ्रन्स फ्रेम, पृथ्वी की निगरानी, जीएनएसएस तकनीक, उपग्रह और जमीन आधारित अवलोकन, जियोइड और गुरुत्वाकर्षण मॉडल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड तकनीक का उपयोग, जलवायु परिवर्तन अध्ययन, प्राकृतिक आपदाएं, भूजल आकलन, जमीन के बदलाव की निगरानी और क्षमता निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

न्यूज ब्रीफ

किशोरी को भगाने वाले को 2 साल की सजा

उन्नाव, अमृत विचार : बेहटा मुजावर थानांतर्गत एक गांव निवासी व्यक्ति ने 31जुलाई- 2022 को थानाक्षेत्र के अरगूपुर गांव निवासी मंगलू पर उसकी नाबालिग बेटी को बहलाकर ले जाने व एससीएसटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी को 4 दिसंबर-2022 को जेल भेजा था। आईओ ने जांच कर 7 दिसंबर-2022 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। मुकदमे की अंतिम सुनवाई में मंगलवार को शासकीय अधिवक्ता मनोज पांडेय की दलील व साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश ममता सिंह ने मंगलू को दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई। साथ ही उस पर 2000 का अर्थदंड भी लगाया।

अनियंत्रित डंपर ने कार में मारी टक्कर

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : मंगलवार दोपहर उन्नाव जा रही एक कार को पीछे से आ रहे अनियंत्रित डंपर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। कार चालक ने डंपर चालक के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

2 दिन बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : चौड़ीकरण कार्य के अंतर्गत मरहला चौराहा से बाबा कुटी तक 11 केवी लाइन शिफ्टिंग का कार्य होगा। इस कारण 18 व 19 मार्च को 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र गोकुल बाबा उन्नाव से निकलने वाले 11 केवी गायत्रीनगर फीडर से जुड़े कई क्षेत्रों में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक करीब 7 घंटे आपूर्ति बाधित रहेगी।

मुठभेड़ में गो तस्कर घायल, दो साथी गिरफ्तार

असोहा थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में पैर में लगी गोली, घायल को अस्पताल भेजकर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: असोहा थानाक्षेत्र में सोमवार देररात पुलिस व गोतस्करों का आमना-सामना हो गया। दोनों ओर से हुई फायरिंग में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। वहीं पुलिस टीम ने उसके दूसरे साथी को भागते समय पकड़ लिया। हालांकि अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हुए तीसरे साथी को भी एसओजी व सर्विलांस टीम की मदद से पुलिस ने दबोच लिया। घायल हुए बदमाश को अस्पताल में भर्ती करा पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

पुरवा सीओ तेज बहादुर सिंह के अनुसार सोमवार देररात करीब 12:30 बजे असोहा-कालूखेड़ा मार्ग स्थित चंदनखेड़ा पुल के पास चेकिंग लगाई गई थी। तभी एसओजी व सर्विलांस टीम से इनपुट मिला कि गोवंश तस्करी में शामिल 3 युवक बाइक से कालूखेड़ा से असोहा जा रहे हैं। इस पर एसओ फूल सिंह ने अतिरिक्त फोर्स के साथ घेराबंदी कर एक बाइक सवार 3 युवकों को रोकने का प्रयास किया। इस पर उन्होंने भागने की कोशिश की लेकिन बाइक फिसलने से तीनों गिर गए। पकड़े जाने के भय से एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली एक बदमाश के बाएं पैर में लग गई। उसे घायल देख दोनों साथियों ने मौके से भागने का प्रयास किया। जिसमें एक को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। लेकिन दूसरा उस समय भागने में सफल रहा। घायल तस्कर की पहचान रफीक निवासी जमुनाखेड़ा थाना दही व असोहा थानाक्षेत्र के शिवगढ़ निवासी मनमोहन यादव के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे आवारा गोवंश को पकड़कर उनकी तस्करी करते हैं। इसी उद्देश्य से जंगल में असोहा की ओर जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से तमंचा, कारतूस, दो मोबाइल फोन बरामद कर बाइक को सीज कर घायल रफीक को सीएचसी असोहा भेजा है। वहीं मंगलवार सुबह पकड़े गए बदमाशों से मिली जानकारी पर एसओजी प्रभारी जयप्रकाश यादव ने सर्विलांस टीम की मदद से फरार हुए तीसरे तस्कर झंडा शंकर निवासी शिवगढ़ असोहा को भी दबोच लिया। एसओ फूल सिंह ने बताया कि रफीक पर गोवध निवारण अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में पहले से भी मुकदमे दर्ज हैं। बताया कि तीनों तस्करों पर कार्रवाई कर जेल भेजा जा रहा है।

घायल गोतस्कर को ले जाते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

ट्रेन की चपेट में आने से युवक ने मौके पर तोड़ा दम

● घटना स्थल पर आधे घंटे तक रुकी पुणे-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: कानपुर-लखनऊ रेल रूट पर सहजनी के पास मंगलवार सुबह एक अज्ञात युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। सूचना पर आरपीएफ व गंगाघाट पुलिस पहुंची। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराने का प्रयास किया लेकिन पहचान न होने पर शव मोर्चरी में रखवा दिया।

मंगलवार सुबह करीब 10:10 बजे झांसी पैसेंजर गंगाघाट रेलवे स्टेशन से मगरवारा जा रही थी। तभी सहजनी के पास पोल संख्या 62/28 व 62/30 के बीच करीब 27 वर्षीय युवक ने ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। इसकी जानकारी स्टेशन मास्टर को दी गई। इसके बाद आरपीएफ पहुंची और गंगाघाट पुलिस को मेमो भेजा। सूचना पर मरहला चौकी इंचार्ज टीम के साथ पहुंचे और ट्रैक पर पड़े शव को हटवाया। पुलिस ने युवक की तलाशी ली। लेकिन उसके पास से पहचान से जुड़ा कोई दस्तावेज नहीं मिला। आसपास के लोगो भी उसे पहचान नहीं सके। इस दौरान डाउन लाइन पर आने वाली पुणे-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन को भी करीब आधे घंटे तक सिग्नल नहीं मिल सका। चौकी इंचार्ज ने बताया कि मृतक ने ग्रे पैंट, हल्के हरे रंग की शर्ट व सफेद बनियान पहनी थी। उसके हाथ पर सूरज वर्मा नाम गुदा है।

मनरेगा मजदूरों के हक को कांग्रेस सड़क पर

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी ने विकास भवन परिसर में सरकार की नीतियों के विरुद्ध मनरेगा मजदूरों के बकाया भुगतान व संविदा कर्मियों के मानदेय को लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि मनरेगा कानून को शिथिल किए जाने के कारण प्रदेश के करीब एक करोड़ मजदूरों का 75 दिनों का करीब 2 हजार करोड़ का भुगतान लंबित है। कहा कि एक ओर सरकार विकास के दावे करती है वहीं दूसरी ओर ग्राम रोजगार सेवकों सहित 40 हजार संविदा कर्मियों को बीते 6 माम से मानदेय नहीं मिला है। कांग्रेस यह अन्याय बर्दाश्त नहीं करेगी और इसकी लड़ाई सड़क से संसद तक लड़ी जाएगी। कांग्रेस कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए विकास भवन पहुंचे। नारेबाजी के बीच डीडीओ ने प्रदर्शन स्थल पहुंचकर जिलाध्यक्ष से ज्ञापन लिया और आश्वासन दिया कि इसे जल्द ही राज्यपाल को प्रेषित कर दिया जाएगा। इस दौरान उपाध्यक्ष हनुमंत सिंह, चंद्र प्रकाश शुक्ला 'छुन्ना', विनय प्रकाश श्रीवास्तव, विधि विभाग चेयरमैन जितेन्द्र सिंह 'जीतू', महामंत्री अजय गौतम, युसूफ रफी फारुकी, खुर्रम व कमलेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

नारेबाजी करते हुए विकास भवन की ओर जाते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा

रैंकिंग में फिसड्डी विभागों पर डीएम सख्त

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: डीएम गौरांग राठी ने विकास कार्यों व सरकारी योजनाओं के प्रति लापरवाही बरतने वाले अफसरों पर नाराजगी जताई है। विकास भवन सभागार में हुई मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक में डीएम ने खराब रैंकिंग वाले विभागों पर गहरी नाराजगी जताते हुए उन्हें अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए।

बैठक में एक-एक विभाग की प्रगति की समीक्षा की गई। इसमें डीएम ने खराब प्रदर्शन पर संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। इनमें मुख्यमंत्री आवास, ग्राम विकास, महिला एवं बाल कल्याण, महिला विकास, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जिला एक उत्पाद, जल जीवन मिशन व 15वां वित्त आयोग रहे। डीएम ने स्पष्ट कहा कि जिले की ओवरऑल रैंकिंग में गिरावट किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए कि वे स्वयं प्रतिदिन डैशबोर्ड देखें और प्रगति सुनिश्चित करें। सीएम डैशबोर्ड की बैठक से पहले डीएम ने 50 लाख से अधिक लागत वाली जिले की प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्देश देते हुए कहा कि लंबित परियोजनाओं को तय समय में पूर्ण करें। निर्माण कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। कार्य पूर्ण होते ही तत्काल हैंडओवर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। बैठक में सीडीओ कृतिराज, परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

बैठक में मातहतों को निर्देश देते डीएम गौरांग राठी। ● अमृत विचार

● सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक में डीएम ने दिए दिशा निर्देश

सामूहिक विवाह में 31 जोड़ों ने थामा एक-दूसरे का हाथ

● कश्यप निषाद समाज कल्याण सोसाइटी ने पेश की समाज सेवा व भाईचारे की मिसाल

उन्नाव, अमृत विचार: समाज सेवा व आपसी भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए कश्यप निषाद समाज कल्याण सोसाइटी की जिला इकाई द्वारा 31 सर्व जातीय कन्याओं का सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

शहर के पीडीनगर स्थित एक गेस्ट हाउस में हुए इस समारोह में विभिन्न समुदायों के जोड़ों ने एक-दूसरे का हाथ थाम नए जीवन की शुरुआत की। शुभारंभ मुख्य अतिथि नरेंद्र कश्यप राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार ने किया। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सामूहिक विवाह न केवल फिजूलखर्ची रोकता है बल्कि समाज में एकता व समरसता का भाव भी पैदा करता है। उन्होंने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए सभी आगंतुकों का अभिवादन स्वीकार किया। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मुन्नीलाल कश्यप ने की। इस दौरान लखनऊ से आए समिति संरक्षक बसंतू कश्यप ने सभी 31 जोड़ों को गृहस्थी का जरूरी सामान व उपहार भेंट किए। जिलाध्यक्ष व कार्यक्रम आयोजक संजय गौड़ ने अपनी पूरी जिला टीम के साथ व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद रखा।

पालिका में आउटसोर्सिंग पर लोकायुक्त की जांच शुरू

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: नगर पालिका गंगाघाट में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की नियुक्ति को लेकर जनप्रतिनिधियों व कर्मियों द्वारा सगे-संबंधियों को लाभ पहुंचाने के आरोपों की जांच शुरू हो गई है। मामले की शिकायत लोकायुक्त में होने के बाद मंगलवार को 3 सदस्यीय जांच टीम नगर पालिका पहुंची। टीम ने करीब 3 घंटे तक ईओ व शिकायतकर्ता से पूछताछ कर जानकारी जुटाई।

गांधी नगर निवासी राजेंद्र गुप्ता ने नगर पालिका गंगाघाट पर नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 82 व 83 के दुरुपयोग का आरोप लगा आउटसोर्सिंग कर्मियों की आपूर्ति के लिए कराए गए टेंडर के संबंध में लोकायुक्त से शिकायत की थी। इस शिकायत के आधार पर लोकायुक्त के निर्देश पर हरदोई से 3 सदस्यीय टीम जांच के लिए पहुंची। जांच टीम में वरिष्ठ कोषाधिकारी अनुराग द्विवेदी, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार व ग्रामीण विकास अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता प्रदीप पाल शामिल थे।

टीम ने नगर पालिका पहुंचकर ईओ मुकेश मिश्रा व शिकायतकर्ता राजेंद्र गुप्ता को बुलाकर मामले की जानकारी ली। इस दौरान टीम ने ईओ से संबंधित पत्रावली भी मांगी। लेकिन वह मौके पर दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। वहीं शिकायतकर्ता से भी साक्ष्य मांगे गए। इस पर राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि उन्हें मौखिक सूचना देकर बुलाया गया था और उन्होंने लोकायुक्त को जो लिखित शिकायत दी है उसी आधार पर जांच करने की बात कही। उन्होंने दो दिन में जरूरी साक्ष्य उपलब्ध कराने की बात कही है। करीब 3 घंटे तक चली पूछताछ व जानकारी जुटाने के बाद जांच टीम लौट गई। शिकायत कर्ता ने बताया कि वह तीसरे दिन साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए हरदोई जाएंगे। मामले की जांच जारी है।

पालिका में जांच करती हरदोई से आई तीन सदस्यीय टीम। ● अमृत विचार

● तीन सदस्यीय टीम ने ईओ और शिकायतकर्ता से की पूछताछ

पुण्यतिथि पर संदीप टंडन को दी श्रद्धांजलि

उन्नाव, अमृत विचार : पूर्व सांसद अन्नू टंडन के पति स्व. संदीप टंडन की 16वीं पुण्यतिथि पर जिले के गणमान्य नागरिकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर भावपूर्ण स्मरण किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद अन्नू टंडन ने पति को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संदीप जी ने उन्हें हमेशा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा करने का जो विचार व ऊर्जा दी उसी प्रेरणा से वे आज तक समाजसेवा में निरंतर योगदान दे रही हैं। उन्होंने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक अत्यंत निर्धन परिवार की सहायता करते हुए सफीपुर ब्लॉक के लिलौरी गांव निवासी रेखा रावत पत्नी स्व. राकेश रावत को परिवार के भरण-पोषण के लिए एक दुधारू गाय दान की। इस दौरान अनूप मेहरोत्रा, नीरू टंडन, राजेश टंडन, विवेक शुक्ला, विमल मेहरोत्रा, हृदय प्रकाश श्रीवास्तव, पूर्व बार अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह, अजय श्रीवास्तव, वीर प्रताप सिंह, उदयराज यादव, अमित शुक्ला, अंकित सिंह परिहार, संजय निगम, ज्ञानेंद्र सिंह, इस्माइल खान आदि मौजूद रहे।

गोदान करतीं पूर्व सांसद अन्नू टंडन।

लिटिल मिलेनियम प्री स्कूल व डे केयर सेंटर का हुआ शुभारंभ

उन्नाव, अमृत विचार : शहर के आवास विकास बी ब्लॉक में लिटिल मिलेनियम प्री स्कूल व डे केयर सेंटर का शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल ने फीता काटकर व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप जलाकर शुभारंभ किया। शिक्षक विधायक ने कहा कि यह नगर क्षेत्र में उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षण के साथ डे केयर सुविधा देने वाली पहली संस्था है। उन्होंने बच्चों के खेलने के उपकरणों की व्यवस्था को भी सराहा। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने भी विद्यालय की प्रशंसा की। नगर पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्र ने भी व्यवस्था को सराहा। तारा निगम ने बताया कि यहां छोटे बच्चों को सुबह 8 से शाम 4 बजे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उनके देखभाल की व्यवस्था की जाएगी। संस्थापक संजीव निगम ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ. मनोज श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान शिक्षक नेता भारत चित्रांशी, हरिहर दीक्षित, उमाकांत, प्रभात सिन्हा, प्रमोद मिश्रा आदि मौजूद रहे।

फीता काटते शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल।

उत्तर पुस्तिका की जांच को दिया प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटर मीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 18 मार्च से शुरू होगा। इसके लिए जिले के 4 विद्यालयों को केंद्र बनाया गया है। चारों केंद्रों में मंगलवार को परीक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।

जीजीआईसी मूल्यांकन केंद्र में इंटर संस्कृत, उर्दू, अंग्रेजी, इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, गणित, शिक्षा शास्त्र, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, अकाउंटेंसी व व्यावसायिक ट्रेड विषय की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन होना है। इसके लिए 31 डिप्टी हेड 289 परीक्षकों की बोर्ड से नियुक्त की गई थी। जो परीक्षक आए उन्हें मूल्यांकन केंद्रों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रधानाचार्य परमात्मा शरण ने बताया कि आज जो परीक्षक आए हैं उन्हें प्रशिक्षण दिया गया है। कहा गया है कल से उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन बोर्ड के निर्देश पर किया जाए। प्रशिक्षण पर्यवेक्षक कमलेश कुमार ने दिया। डीआईओएस ने बताया कि मूल्यांकन 15 दिनों में होना है। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में इंटर की 77606 उत्तर पुस्तिकाओं व अटल बिहारी इंटर कॉलेज में इंटर की 78477 उत्तर पुस्तिकाओं का आवंटन बोर्ड से किया गया है। हाईस्कूल की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन राजकीय इंटर कॉलेज में 100296 व डॉ. जीनाथजी दयाल बालिका इंटर कॉलेज में 105148 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाना है। इस प्रकार चारों केंद्रों में 361527 उत्तर पुस्तिकाओं का निरीक्षण 1584 सहायक परीक्षक करेंगे।

जीजीआईसी में परीक्षकों को प्रशिक्षण देते पर्यवेक्षक व प्रधानाचार्य।

● 4 केंद्रों में बुधवार से होगा 361527 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन

मेगा ब्लॉक से पहले स्क्रैप हटाने का कार्य शुरू

● ट्रफ बदलने के कार्य में रेलवे ने तैयारियां की तेज

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: कानपुर-लखनऊ रेलमार्ग पर अगले माह रेलवे पुल के डाउन लाइन में ट्रफ बदलने के प्रस्तावित कार्य को लेकर रेलवे ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मंगलवार को गंगाघाट रेलवे क्रासिंग के आसपास बीते करीब दो वर्षों से पड़े स्क्रैप को हटाने का कार्य शुरू कराया गया। रेलवे कर्मचारियों ने लोहे के पाइप, रेल और अन्य धातु सामग्री को काटकर छोटे टुकड़ों में ट्रकों के जरिए हटाया।

गंगा नदी पर बने रेलवे पुल के डाउन लाइन के जर्जर ट्रफ बदलने का कार्य होना है। उनके स्थान पर नये एच बीम चैनल स्लीपर लगाये जायेंगे। एचबीम स्लीपर व अन्य उपकरण किसी भी समय कानपुर पुल बायां किनारा रेलवे स्टेशन पर पहुंच सकते हैं। इन सामग्रियों को क्रासिंग के आसपास ही रखा जाएगा। ताकि मेगा ब्लॉक के दौरान कार्य स्थल तक उन्हें आसानी से पहुंचाया जा सके। इसके लिए रेलवे लाइन किनारे की जगह खाली कराई जा रही है। बताया जा रहा है कि बीते वर्ष अप लाइन पर ट्रफ बदलने के दौरान निकाला गया स्क्रैप भी अभी तक लाइन किनारे पड़ा था। जिसे अब हटाया जा रहा है। रेल कर्मियों का कहना है कि डाउन लाइन पर होने वाले कार्य के दौरान ट्रफ व अन्य उपकरणों को रखने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराना आवश्यक है। जिससे निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए।

घरेलू सिलेंडर से काटे जा रहे लोहे के पाइप

शुक्लागंज : स्क्रैप हटाने के दौरान कर्मियों द्वारा घरेलू सिलेंडर से गैस कटर की मदद से लोहे के पाइप, एंगल व अन्य धातु सामग्री को काटा जा रहा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि कटिंग के बाद स्क्रैप को वाहनों में लादकर वहां से हटाया गया। वहीं घरेलू सिलेंडरों की किल्लत होने के बाद भी रेलवे को आसानी से गैस सिलेंडर मिलने पर वहां से निकलने वाले लोगों ने सवाल खड़े किये हैं।

धर्म-कर्म

शहर के बड़ा चौराहा, सदर बाजार, सिविल लाइन व गांधी नगर तिराहा जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों में लगीं पूजन सामग्री की अस्थाई दुकानें

चैत्र नवरात्र की तैयारियों से सजे बाजार, मंदिरों में साफ-सफाई तेज

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: आस्था और शक्ति की उपासना का पर्व चैत्र नवरात्र गुरुवार से शुरू हो रहा है। पर्व को लेकर जिले के बाजारों में रौनक बढ़ गई है और चारों ओर उत्सव जैसा माहौल है।

मंगलवार को शहर के प्रमुख बाजारों में पूजन सामग्री की दुकानें सज गईं। जहां सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। शहर के बड़ा चौराहा, सदर बाजार, सिविल लाइन व गांधी नगर तिराहा जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों में विशेष रूप से पूजन सामग्री की अस्थाई दुकानें लग गई हैं। यहां मिट्टी के कलश, नारियल, चुनरी, माता का श्रृंगार, हवन सामग्री, पान के पत्ते व फल खरीदने के लिए लोगों की भीड़ देखी जा रही है। कलश व माता का दरबार सजाने के सामान की भारी मांग है। नवरात्र के प्रथम दिन मां शैलपुत्री के पूजन के साथ ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने की संभावना है। इसे देखते हुए शहर के प्राचीन व प्रसिद्ध कल्याणी, दुर्गा, अन्नपूर्णा धाम मंदिर व नवाबगंज के कुशहरी देवी, दुर्गा मंदिर, बक्सर स्थित चंद्रिका माता सहित अन्य मंदिरों में साफ-सफाई व सजावट का कार्य चल रहा है। मंदिरों को आकर्षक लाइटों व फूलों से सजाया जा रहा है। बाजारों में बढ़ती भीड़ व मंदिरों में जुटने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन भी मुस्तैद है। प्रमुख चौराहों पर यातायात व्यवस्था सुचारु बनाने के निर्देश हैं।

पूजन सामग्री की दुकान में खरीदारी करती महिला।

राजराजेश्वरी मंदिर में उमड़ेगी आस्था

बांगरमऊ, उन्नाव : आगामी चैत्र नवरात्र को देखते हुए नगर के देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के लिए व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की जा रही हैं। क्षेत्र के राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में भी तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। जहां नवरात्र के प्रथम दिन से धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा। मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक करुणा शंकर शुक्ल ने बताया कि चैत्र नवरात्र गुरुवार से शुरू हो रहे हैं। इस अवसर पर प्रथम नवरात्र को मंदिर प्रांगण में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ होगा। कथा श्रवण व पूजन के लिए श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है। इसके लिए मंदिर प्रशासन सतर्क है। श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन के लिए मंदिर परिसर व वहां पहुंचने वाले मुख्य मार्गों की सफाई कराई जा रही है। मंदिर के सिंह द्वार सहित संपूर्ण परिसर को भव्य रूप दिया जा रहा है। इसके साथ माता रानी के विशेष श्रृंगार का कार्य भी शुरू हो गया है। जो भक्तों के आकर्षण का केंद्र होगा। मंदिर प्रबंधक ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से श्रीमद्भागवत कथा व अन्य कार्यक्रमों की विस्तृत सूचना पुलिस व तहसील प्रशासन को दे दी गई है। ताकि पर्व के दौरान व्यवस्था सुचारु रहे।

सजाया गया मां राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर।

रुक्मिणी-कृष्ण विवाह व सुदामा चरित्र सुनकर भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : शंकरपुर सरौंय स्थित मां फूलमती देवी मंदिर के पास आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथावाचक पंडित रामजी त्रिवेदी ने रुक्मिणी-कृष्ण विवाह व सुदामा चरित्र का वर्णन किया। जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के दौरान पंडित रामजी त्रिवेदी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण व रुक्मिणी का विवाह प्रेम, आस्था व धर्म की विजय का प्रतीक है। वहीं सुदामा चरित्र के माध्यम से उन्होंने सच्ची मित्रता, भक्ति व विश्वास का महत्व बताया। कहा कि सच्चे मन से भगवान का स्मरण करने पर भक्त के सभी कष्ट दूर होते हैं। समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की आरती उतारी और सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान पूरा परिसर भक्ति गीतों व जयकारों से गूंज उठा। आयोजकों ने बताया कि 7 दिनों तक चली इस श्रीमद्भागवत कथा में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया। अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

कथा का बखान करते व्यास।

परिषदीय विद्यालयों में हुईं परीक्षाएं

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : शासन के निर्देशानुसार परिषदीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक की वार्षिक परीक्षाएं सोमवार से शुरू हुई थीं। मंगलवार को दूसरे दिन प्रथम व द्वितीय पाली में परीक्षाएं संपन्न कराई जा रही हैं। नगर पालिका क्षेत्र के गंगाघाट प्राथमिक विद्यालय, कन्या प्राथमिक विद्यालय, खैरहा प्राथमिक विद्यालय, गगनीखेड़ा कंपोजिट विद्यालय व सरैयां प्राथमिक विद्यालय समेत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में परीक्षा आयोजित हुई। प्रथम पाली सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक चली। जिसमें गणित की परीक्षाएं संपन्न हुईं। वहीं द्वितीय पाली दोपहर 12:30 से 2:30 बजे तक हुई। जिसमें छात्रों की उर्दू व संस्कृत की परीक्षा कराई गई। परीक्षा के दौरान विद्यालयों में शांतिपूर्ण माहौल रहा। परीक्षाएं निर्धारित समय-सारणी के अनुसार आगे भी जारी रहेंगी।

अमृत विचार

बुधवार, 18 मार्च 2026

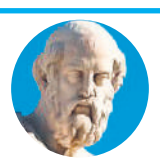

मैं वास्तव में केवल अपनी अज्ञानता की सीमा को ही जानता हूं।
-प्लेटो, दार्शनिक

विपक्ष का बिखराव

बिहार, ओडिशा और हरियाणा में हुए हालिया राज्यसभा चुनावों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि विपक्षी एकजुटता अभी भी कागज़ी ज्यादा और ज़मीनी कम है। महागठबंधन और व्यापक विपक्षी मोर्चे की जो छवि प्रस्तुत की जाती रही है, उसमें दरारें खुलकर सामने आ गईं। विपक्ष अगर एकजुट रहता तो उसे एक-दो अतिरिक्त सीटें अवश्य मिल सकती थीं। क्रॉस वोटिंग और रणनीतिक चूक ने विपक्ष को नुकसान पहुंचाया। विशेषकर ओडिशा में कांग्रेस के विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग और बीजद के भीतर भी अनुशासनहीनता यह दिखाती है कि विपक्षी दलों के भीतर संगठनात्मक कमजोरी गहरी है।

कांग्रेस की रणनीति में शिथिलता के पीछे कई कारण दिखाई देते हैं- स्थानीय नेतृत्व की कमजोरी, विधायकों पर नियंत्रण की कमी और चुनावी गणित का सही आकलन न कर पाना। इसके विपरीत भाजपा ने महीनों पहले से तैयारी कर, अपने उम्मीदवारों की संख्या, समर्थन और संभावित क्रॉस वोटिंग की संभावनाओं का सूक्ष्म आकलन किया। यही कारण है कि सीमित संख्या में विधायकों के बावजूद उसने अपेक्षा से अधिक सफलता प्राप्त की। ओडिशा में इस चुनाव ने संकेत दिया कि बीजद के भीतर दरारें उभर रही हैं, हालांकि पटनायक का हार्स ट्रेडिंग का आरोप राजनीतिक बयानबाजी ज्यादा है, परंतु क्रॉस वोटिंग की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि दलों के भीतर अनुशासन पूर्ववत नहीं रहा। एनडीए के खाते में 22 सीटों का जाना और विपक्ष के हिस्से में सात सीटों की कमी राज्यसभा की गणित को स्पष्ट रूप से सत्ता पक्ष के पक्ष में झुका देता है। इससे सरकार को विधायी कार्यों में अपेक्षाकृत कम बाधा का सामना करना पड़ेगा। महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने में अब विपक्ष की भूमिका सीमित होती दिखेगी। भाजपा की यह सफलता केवल चुनावी प्रबंधन का परिणाम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति का संकेत भी है। इन परिणामों को आगामी चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों से जोड़ा कर भी देखा जाना उचित होगा। राज्यसभा के चुनावों ने यह संकेत दिया है कि विपक्ष की अंदरूनी कमजोरी अभी भी बनी हुई है, जबकि सत्तापक्ष अपनी रणनीतियों में पर्याप्त सफलता पा रहा है। इससे चुनावों में सत्ता पक्ष का मनोबल बढ़ेगा, लेकिन विधानसभा चुनावों में अंतिम निर्णय मतदाता स्थानीय मुद्दों के आधार पर ही करेंगे। साढ़े सत्रह करोड़ मतदाताओं के इस चुनावी महासमर में जो दल बेहतर संगठन, स्पष्ट नेतृत्व और ठोस मुद्दों के साथ मैदान में उतरेंगे, वही सफलता प्राप्त करेंगे। इन राज्यों से लोकसभा और राज्यसभा के पर्याप्त सदस्य आते हैं, इसलिए यहां की जीत भविष्य के राष्ट्रीय समीकरणों को भी प्रभावित कर सकती है। जहां तक उपचुनावों का प्रश्न है, गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, नगालैंड और त्रिपुरा की आठ सीटों के परिणाम सीमित प्रभाव वाले होंगे, परंतु वे राजनीतिक रुझानों का संकेत अवश्य देंगे।

कुल मिलाकर राज्यसभा चुनावों ने विपक्ष के लिए यह स्पष्ट संदेश दिया है कि सिर्फ गठबंधन बना लेना पर्याप्त नहीं, उसे जमीन पर प्रभावी भी बनाना होगा। वहीं सत्ता पक्ष के लिए यह अवसर है, लेकिन उसे भी यह समझना होगा कि लोकतंत्र में अंतिम और कारसाज निर्णय हमेशा जनता के हाथ में होता है।

प्रसंगवश

कृषि देश में बीज का इंतजार करती महिला किसान

भारत को कृषि प्रधान देश के रूप में ही देखा जाता है, लेकिन हकीकत यह है कि यहां सबसे अधिक कठिनाई किसानों को ही होती है। कभी सूखा तो कभी बाढ़ और कभी बीज तो कभी मार्केट की समस्या उनके साथ लगी ही रहती है। बात जब महिला किसानों की आती है, तो यह समस्या और भी अधिक बढ़ जाती है। देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं, जहां महिला किसानों को सबसे अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। गांव की लगभग हर महिला किसान की कहानी ऐसी ही है। खेत तैयार होने के बाद अगर बीज समय पर न मिले, तो पूरा खेती का चक्र बिगड़ जाता है।

बिहार में कृषि राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। राज्य की लगभग 76 प्रतिशत आबादी किसी न किसी रूप में खेती पर निर्भर है। राज्य में करीब 56 लाख हेक्टेयर भूमि पर खेती होती है और धान, गेहूं और मक्का प्रमुख फसलें हैं। बिहार में धान का उत्पादन लगभग 99.34 लाख टन, गेहूं 78.27 लाख टन और मक्का 66.03 लाख टन के आसपास है। खेती का यह मजबूत ढांचा छोटे किसानों विशेषकर महिला किसानों की परेशानियों को हमेशा हल नहीं कर पाता। उत्तर बिहार के इलाके हर साल बाढ़ से भी प्रभावित होते हैं। मौसम की अनिश्चितता भी खेती के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में बारिश का पैटर्न भी बदल रहा है, जिससे खरीफ फसलों पर असर पड़ता है।

साक्षी कुमारी
एक्टिविस्ट

बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश के औसत से काफी कम रही है, जिससे ग्रामीण इलाकों में रहने वाले किसानों की आय सीमित बनी रहती है। जब खेती पर निर्भर परिवारों की आय कम होती है और खेती से जुड़े संसाधन समय पर नहीं मिलते, तब सबसे अधिक बोझ महिलाओं पर पड़ता है। वे खेत में काम करती हैं, घर संभालती हैं और परिवार की जिम्मेदारी भी उठाती हैं, लेकिन खेती से जुड़ी योजनाओं और संसाधनों तक उनकी पहुंच अभी भी सीमित है। ऐसे में अगर इन महिला किसानों की स्थिति को बेहतर बनाना है, तो कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

सबसे पहले गांव स्तर पर बीज वितरण की ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे किसानों को समय पर और उचित कीमत पर बीज मिल सके। पंचायत स्तर पर बीज बैंक बनाए जा सकते हैं, जहां किसान जरूरत के समय बीज प्राप्त कर सकें। दूसरा, महिला किसानों के लिए स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों को मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि वे सामूहिक रूप से बीज और अन्य कृषि संसाधन खरीद सकें। इससे लागत कम होगी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। तीसरा, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए ऐसी फसल किस्मों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जो कम समय में तैयार हो जाएं और मौसम की अनिश्चितता को सहन कर सकें। इसके साथ ही कृषि विभाग को गांवों में नियमित प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम चलाने चाहिए ताकि महिला किसान आधुनिक खेती के तरीकों से जुड़ सकें।

महिलाएं हर साल अपने खेतों में उम्मीद बोती हैं, लेकिन यह उम्मीद तभी हकीकत बन सकती है जब उन्हें सही समय पर सही संसाधन मिलें। समय पर बीज मिलना सिर्फ खेती की जरूरत नहीं है, बल्कि उन परिवारों के जीवन को स्थिर करने का रास्ता भी है जिनकी दुनिया खेत की मेड़ों से शुरू होकर वहीं खत्म होती है। अगर नीति और व्यवस्था इन महिलाओं की मेहनत के साथ खड़ी हो जाए, तो मुजफ्फरपुर की मिट्टी सिर्फ फसल ही नहीं बल्कि हजारों परिवारों की बेहतर जिंदगी भी उगा सकती है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

पश्चिम एशिया की तबाही का जिम्मेदार कौन!

अरविंद जयतिलक
लेखक

ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध ने एक बार फिर पश्चिम एशिया को संकट में डाल दिया है। सच कहें तो पश्चिम एशिया ही नहीं बल्कि आज पूरी दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध के मुहाने पर आ गई है। इस युद्ध में हजारों लोग काल-कवलित हो चुके हैं और खरबों की संपत्ति नष्ट हो चुकी है। हर दिन युद्ध की आग बढ़ती जा रही है। खाड़ी के सभी 17 देश युद्ध की आग की ताप से हलकान हैं। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से दुनिया भर में तेल का संकट गहरा गया है। सवाल यह है कि पश्चिम एशिया को आग में झोंकने वाला खलनायक कौन है?

समझ से परे है कि जब ईरान समझौते के मुताबिक वर्ष 2025 तक अपने परमाणु कार्यक्रम को बहुत अधिक सीमित करने की दिशा में लगातार अग्रसर था, फिर उसे उकसाने की जरुरत क्यों आन पड़ी? किसी से छिपा नहीं है कि ईरान और बाइडन सरकार ने 2015 के समझौते को नए सिरे से आकार देने की कोशिश की थी। क्या डोनाल्ड ट्रंप उस समझौते को आगे नहीं बढ़ा सकते थे? लेकिन उन्होंने ऐसा न कर वार्ता को बर्फखाने में डाल दिया। आज की तारीख में ऐसा कोई कारण नहीं था कि ईरान पर हमला बोलकर युद्ध को निमंत्रण दिया जाए। जिस तरह डोनाल्ड ट्रप ने इजरायल का साथ देते हुए ईरान पर हमला बोलकर वहां के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खोमनेई समेत शीर्ष नेताओं को खत्म किया है, उससे फिर जंग की आग को रोक पाना कहां तक संभव था।

गौर करें तो इजरायल कतई नहीं चाहता था कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर कोई सहमति बने। याद होगा 2015 से पहले जब ईरान का अमेरिका समेत अन्य शक्तिशाली देशों के साथ परमाणु समझौता हुआ था, तब भी इजरायल ने इसे ऐतिहासिक गलती करार दिया था। दरअसल इजरायल इस नतीजे पर था कि ईरान के साथ पुराने समझौते को अमलीजामा पहनाना एक किस्म से तेहरान को परमाणु हथियार उपलब्ध कराने जैसा होगा। इजरायल वार्ता के विरोध में नहीं था, लेकिन वह चाहता था कि मौजूदा समझौता 2015 के समझौते से बेहतर हो। 2015 के समझौते के मुताबिक अगले डेढ़ दशक में ईरान की परमाणु गतिविधियों पर लगे प्रतिबंध समाप्त हो जाने का प्रावधान था, जिसे लेकर इजरायल, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने नाखुशी जाहिर की थी, लेकिन अब वार्ता ठंडे बस्ते में है और उसकी जगह गोले और बम बरस रहे हैं। एक-दूसरे को खत्म करने के इरादे बुलंद किए जा रहे हैं। जिस तरह ईरान द्वारा अमेरिका-इजरायल के अलावा खाड़ी के अमेरिकी समर्थन वाले देशों को निशाना बनाया जा रहा है, उससे साफ है कि हालात और बदतर होंगे।

ऐसा नहीं है कि इस युद्ध को रोका नहीं जा सकता था। अगर ईरान और अमेरिका वार्ता जारी रखते तो इस युद्ध को आसानी से टाला जा सकता था। थोड़ा अतीत में जाएं, तो पहले भी कई बार जंग की स्थिति बन चुकी थी, लेकिन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के आखिरी कार्यकाल में अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु डील होने के बाद स्थिति संभल गई। तब परमाणु डील के बाद अमेरिका ने ईरान को खाद्य और फर्मास्युटिकल क्षेत्र में व्यापार की अनुमति दे दी थी। प्रतिबंध हटते ही ईरान को वैश्विक क्षितिज पर उड़ान भरने का मौका मिल गया था। अपने पुनर्निर्माण के लिए खुलकर कच्चा तेल बेचने के साथ विदेशी बैंकों में जमा 100 अरब डॉलर की जब्त संपत्तियों का भी उपभोग करने लगा, हालांकि एक नए घटनाक्रम में अमेरिका ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण को लेकर उसके विरुद्ध कड़ा कदम उठाते हुए इस कार्यक्रम से जुड़ी 11 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

अमेरिका ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम के साथ लगातार आंख-मिचौली करता रहा है। 1950 में आइजन हावर प्रशासन के 'एटम फॉर पीस' कार्यक्रम के तहत पहली बार ईरान को सहायता मिली, लेकिन 1979 में अयातुल्ला खुमैनी द्वारा शाह शासन द्वारा प्रारंभ किए गए सभी नाभिकीय उर्जा संयंत्रों एवं परियाजनाओं को निरस्त कर दिया गया। यह वह समय था जब ईरान की इस्लामिक क्रांति उफान पर थी और शहरों में तेल के पैसों से समृद्धि थी, लेकिन गांवों में गरीबी दहाड़ मार रही थी।

आधुनिकीकरण के हिमायती शाह को ईरान की जनता पश्चिमी देशों की पिठ्ठू के रूप में देखने लगी। 1979 में अभूतपूर्व हिंसक प्रदर्शन हुए और अमेरिकी दूतावास को घेर लिया गया। शाह के समर्थकों और जनता के बीच संघर्ष चलता रहा और अंततः ईरान एक इस्लामिक गणराज्य बन गया। इराक युद्ध एवं सद्दाम हुसैन के दृष्टिकोण के कारण ईरान अपने नाभिकीय कार्यक्रम पर विचार के लिए बाध्य हुआ और वे 4500 नाभिकीय वैज्ञानिक जो इस्लामिक क्रांति के दौरान देश छोड़कर जा चुके थे, में से 80 फीसद को वापस बुला लिया गया।

1986 में तेहरान द्वारा नाभिकीय सुविधाएं स्थापित करने में सहायता के अनुरोध पर पाकिस्तान के अणु बम के जनक और बदनाम वैज्ञानिक एक्यू खान का ईरान दौरा हुआ और 1991 में इराक की पराजय ने ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम के संकल्प को और मजबूती दे दी। अमेरिका की ईरान पर भौंहे तब तनीं जब 1995 में ईरान ने रूस के साथ क्रांति के उपरांत रद्द हुए बुशेर नाभिकीय रिएक्टर को स्थापित करने के लिए 800 मिलियन डॉलर का समझौता किया।

यह समझौता अमेरिका को बेहद नागवार गुजरा। ईरान के लिए संकट तब खड़ा हुआ जब ईरान विरोधी मुजाहिदीन खल्क संगठन ने दुनिया को यह जानकारी दी कि ईरान नातांज में यूरेनियम संवर्धन संयंत्र एवं अराक में भारी जल उत्पाद संयंत्र बिना अंतर्राष्ट्रीय परमाणु उर्जा एजेंसी (आईएईए) की जानकारी के स्थापित कर चुका है। 2003 में 'ऑपरेशन इराक फ्रीडम' से ठीक पहले आईएईए द्वारा उसके नाभिकीय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। दबाव स्वरूप ईरान ने यूरोपीय यूनियन के साथ परमाणु ईंधन चक्र गतिविधियों को निलंबित करने का समझौता किया फिर भी बात नहीं बनी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

जब ईरान समझौते के मुताबिक वर्ष 2025 तक अपने परमाणु कार्यक्रम को बहुत अधिक सीमित करने की दिशा में लगातार अग्रसर था, फिर उसे उकसाने की जरूरत क्यों आन पड़ी?

आमने

यह कांग्रेस के लिए आसान चुनाव नहीं था, लेकिन पार्टी ने बड़ी चुनौती को पार कर लिया है। बीजेपी ने चुनाव में 'वोट चोरी' की कोशिश की, लेकिन वह कांग्रेस उम्मीदवार को हराने में सफल नहीं हो पाई। क्रॉस वोटिंग वाले विधायक अब जनता के सामने उजागर हो चुके हैं।

-भूपेंद्र सिंह हुड्डा
नेता विपक्ष, हरियाणा

सामने

कांग्रेस को अपने ही विधायकों पर भरोसा नहीं है, इसलिए उन्हें एक तरह से 'बंधक' बनाकर रखा गया। कांग्रेस के बड़े नेता खुद पोलिंग एजेंट बने, जो यह दिखाता है कि पार्टी के अंदर विश्वास की कमी है। इस चुनाव में INLD ने अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस का समर्थन किया।

-नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री, हरियाणा

कैसा होगा भविष्य का ऊर्जा परिदृश्य

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

विश्व परमाणु उद्योग स्थिति रिपोर्ट के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि दुनिया की ऊर्जा दिशा निर्णायक रूप से बदल चुकी है। बीते पच्चीस वर्षों से परमाणु ऊर्जा उद्योग लगभग ठहराव की स्थिति में है, वहीं नवीकरणीय ऊर्जा उसी अवधि में तेज़ी से आगे बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में पूरी दुनिया में, जहां केवल 4.4 गीगावॉट नई परमाणु क्षमता का विस्तार हुआ है, वहीं सौर और पवन ऊर्जा में लगभग 793 गीगावॉट की वृद्धि हुई। ये आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक ऊर्जा नीति और निवेश की दिशा अब किस ओर मुड़ चुकी है। परमाणु ऊर्जा, जिसे कभी आधुनिकता और प्रगति का प्रतीक माना गया था, अब धीरे-धीरे हाशिये पर जा रही है। इसके उलट अक्षय ऊर्जा न केवल ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख स्रोत बनती जा रही है, बल्कि वह एक नई सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक दिशा का प्रतिनिधित्व कर रही है।

रिपोर्ट यह भी इंगित करती है कि परमाणु रिएक्टर बनाने वाले देशों की संख्या तेज़ी से घट रही है। पिछले दो वर्षों में यह संख्या 16 से घटकर 11 रह गई है। कई देशों ने या तो अपने अंतिम निर्माण परियोजना पूरी कर ली हैं या फिर नई परियोजनाओं को स्थगित कर दिया है। फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका जैसे देशों ने अपने आख़िरी निर्माण प्रोजेक्ट पूरे कर लिए हैं। वहीं अर्जेंटीना, ब्राज़ील और जापान ने निर्माण कार्यों को या तो रोक दिया है, या पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इन सबके बीच केवल पाकिस्तान ऐसा देश है, जो हाल के वर्षों में इस सूची में नया नाम बनकर उभरा है।

आज दुनिया में 31 देश ऐसे हैं, जहां व्यावसायिक रूप से परमाणु बिजलीघर संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनमें से भी केवल आठ देश ही नए रिएक्टर बना रहे हैं। इसके अलावा तीन देश बांग्लादेश, मिस्र और तुर्किये पहली बार अपने यहां परमाणु रिएक्टर बना रहे हैं। गौरतलब है कि इन तीनों देशों में यह काम रूसी परमाणु उद्योग की सहायता से हो रहा है।

शोधकर्ताओं का विश्लेषण बताता है कि वर्ष 2025 परमाणु उद्योग के लिए एक और निराशाजनक वर्ष रहा। जिस समय दुनिया जलवायु संकट से जूझ रही है और स्वच्छ ऊर्जा की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है, उस समय परमाणु ऊर्जा अपेक्षित भूमिका निभाने में असफल रही है। वर्ष में दुनिया भर में केवल चार नए रिएक्टर चालू हुए, जबकि सात रिएक्टर स्थायी रूप से बंद कर दिए गए।

आज वैश्विक स्तर पर केवल 404 परमाणु रिएक्टर ही संचालित हैं, जो 2002 के 438 से काफी कम हैं। परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी वैश्विक बिजली उत्पादन में घटकर नौ फीसद रह गई है, जबकि 1996 में यह 17.5 प्रतिशत थी। यह गिरावट बताती है कि परमाणु ऊर्जा न केवल विस्तार में पीछे छूट रही है, बल्कि अपने ऐतिहासिक प्रभुत्व को भी खोती जा रही है। आमतौर पर परमाणु संयंत्र को बनने में दस से पंद्रह साल लगते हैं और लागत अक्सर शुरुआती अनुमान से दोगुनी-तिगुनी हो जाती है।

परमाणु ऊर्जा केवल ऊर्जा उत्पादन का प्रश्न नहीं है, वह हमेशा से वैश्विक राजनीति, सैन्य शक्ति और सुरक्षा चिंताओं से भी जुड़ी रही है। यही कारण है कि जब भी किसी क्षेत्र में युद्ध या तनाव की स्थिति बनती है, तो परमाणु संयंत्र सबसे अधिक जोखिम वाले ठिकानों में गिने जाते हैं। वे स्थिर लक्ष्य होते हैं, जिन पर हमला केवल एक देश ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है।

चेर्नोबिल और फुकुशिमा जैसी आपदाएँ बताती हैं कि एक दुर्घटना पूरे देश और कई पीढ़ियों को प्रभावित कर सकती है। लेकिन आज यह खतरा केवल तकनीकी या प्राकृतिक आपदा तक सीमित नहीं रह गया है। इतिहास गवाह है कि परमाणु संयंत्रों पर सैन्य हमले कोई नई बात नहीं हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध ने इस खतरे को अभूतपूर्व रूप से उजागर कर दिया है। इज़राइल द्वारा इराक और सीरिया के परमाणु ठिकानों पर हमले, ईरान-इराक युद्ध में परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाना और अमेरिका द्वारा इराक के शोध रिएक्टर को नष्ट करना, वहीं यूक्रेन का ज़ापोरिज़्झिया परमाणु संयंत्र, जो यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र है, आज भीषण सैन्य तनाव के बीच खड़ा है। ये सभी उदाहरण बताते हैं कि शांतिपूर्ण परमाणु हमेशा सैन्य राजनीति की छाया में रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने इस स्थिति को अत्यंत नाजुक और अस्थिर बताया है। वर्ष 2025 में चेर्नोबिल के क्षतिग्रस्त चौथे रिएक्टर के ऊपर बने सुरक्षा गुंबद पर एक ड्रोन हमले ने गंभीर नुकसान पहुंचाया था। यह घटना बताती है कि दशकों पुरानी परमाणु आपदाएं भी आज के युद्धों में दोबारा खतरे में पड़ सकती हैं। इसके अलावा यूक्रेन में कम से कम 10 बार ऐसे सब-स्टेशनों पर हमले हुए, जो परमाणु संयंत्रों को बिजली आपूर्ति करते हैं। उर्जा एंजेसी के अनुसार ये सब-स्टेशन परमाणु सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि इन्हीं के माध्यम से रिएक्टरों को ठंडा रखने और अन्य सुरक्षा प्रणालियां चलाने के लिए बिजली मिलती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि दुनिया की ऊर्जा दिशा निर्णायक रूप से बदल चुकी है। बीते 25 वर्षों से परमाणु ऊर्जा उद्योग लगभग ठहराव की स्थिति में है।

सोशल फोरम

खुश होने में भी लगे डर

क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि किसी बहुत अच्छी खबर के मिलते ही मन में एक अजीब सा डर बैठ गया हो? जैसे ही आप खुलकर हंसते हैं, वैसे ही अचानक ख्याल आता है कि कहीं अब कुछ बुरा न हो जाए। विज्ञान की दुनिया में इस स्थिति को 'चेरोफोबिया' कहा जाता है। यह कोई साधारण वहम नहीं, बल्कि एक गहरा मनोवैज्ञानिक डर है।

ब्रह्मांड ज्ञान
ब्लॉगर

इसके पीछे का असली विज्ञान हमारे दिमाग के 'कंडीशनिंग' पैटर्न में छिपा है। जब किसी व्यक्ति के अतीत में खुशी के ठीक बाद कोई दुखद घटना घटी होती है, तो उसका मस्तिष्क खुशी और दर्द के बीच एक गलत संबंध बना लेता है। दिमाग को लगने लगता है कि खुशी दरअसल आने वाली किसी मुसीबत का संकेत है। मनोवैज्ञानिक इसे एक सुरक्षा तंत्र की तरह देखते हैं, जहां इंसान खुद को आने वाले संभावित दुख से बचाने के लिए खुश होने से ही कतराने लगता है।

यह डर अक्सर उन लोगों में ज्यादा देखा जाता है, जो स्वभाव से बहुत पूर्णतावादी होते हैं या जिन्हें लगता है कि वे खुशी के हकदार नहीं हैं, हालांकि विज्ञान कहता है कि ब्रह्मांड की घटनाओं का आपके हंसने या खुश होने से कोई सीधा संबंध नहीं है। खुश रहना आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए उतना ही जरूरी है, जितना शरीर के लिए ऑक्सीजन। इस डर को सही थेरेपी और सकारात्मक सोच के जरिए बदला जा सकता है, ताकि आप बिना किसी अपराधबोध के अपने खूबसूरत पलों का आनंद ले सकें।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

जंग खुद ही एक मसला है वो क्या मसलों का हल देगी

साहिर लुधियानवी का शेर है-

जंग तो ख़ुद ही एक मसअला है
जंग क्या मसअलों का हल देगी,
इस लिए ऐ शरीफ़ इंसानो
जंग टलती रहे तो बेहतर है
आप और हम सभी के आंगन में
शमअ जलती रहे तो बेहतर है

इन पंक्तियों में छिपा संदेश आज की दुनिया के लिए बेहद प्रासंगिक है। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं बन पाया। आज जब दुनिया के कई हिस्सों में तनाव और संघर्ष की स्थिति बनती दिखाई देती है, तब यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या युद्ध सचमुच समस्याओं का हल है?

निज़ाम जिलानी
लेखक

सच्चाई यह है कि युद्ध में जीतने वाला भी अंततः हार ही जाता है, क्योंकि उसमें इंसानियत हारती है। युद्ध केवल विनाश, पीड़ा और अस्थिरता को जन्म देता है। मानव सभ्यता ने जितनी तरक्की विज्ञान, शिक्षा और संवाद के माध्यम से हासिल की है, उससे कहीं अधिक नुकसान युद्धों ने पहुंचाया है। उल्टा, वह अपने साथ नई समस्याओं का ऐसा सिलसिला छोड़ जाती है, जो पीढ़ियों तक समाज को ज़ख्म देता रहता है।

इंसानों ने जो कुछ भी बनाया है शहर, संस्कृतियां, ज्ञान और मानवीय रिश्ते उन्हें नष्ट करने के लिए युद्ध का एक दौर ही काफी होता है। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि हर युद्ध के बाद लोगों के टूटे हुए घर, बिखरे हुए परिवार और अधूरे सपने ही पीछे रह जाते हैं। जीत और हार के आंकड़े भले ही कागजों में दर्ज हो जाते हैं, लेकिन असली हार इंसानियत की होती है। विडंबना यह है कि हर युद्ध किसी न किसी बड़े आदर्श, सुरक्षा या सम्मान के नाम पर शुरू होता है। राष्ट्रवाद, सीमा सुरक्षा या राजनीतिक वर्चस्व के नाम पर युद्ध की आग भड़काई जाती है, लेकिन जब धूल बैठती है, तब सामने आता है- विनाश का वह भयावह सच, जिससे लाखों लोग विस्थापित हो चुके होते हैं, अनगिनत परिवार अपने परिवारों को खो चुके होते हैं और समाज में नफरत और अविश्वास की गहरी दरारें बन चुकी होती हैं।

आज का समय पहले से कहीं अधिक संवेदनशील है। तकनीक और हथियारों की शक्ति इतनी बढ़ चुकी है कि एक बड़े युद्ध की कल्पना ही मानव सभ्यता के लिए खतरा बन सकती है। परमाणु हथियारों और अत्याधुनिक सैन्य तकनीकों के इस दौर में कोई भी बड़ा संघर्ष, सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया को उसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। दुनिया पहले ही अनेकों गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। गरीबी, बेरोजगारी, जलवायु परिवर्तन, महामारी और सामाजिक असमानता जैसी तमाम समस्याएं बहुत से देशों के सामने खड़ी हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए सहयोग और संसाधनों की जरूरत है, लेकिन जब राष्ट्र युद्ध और टकराव की राह पकड़ लेते हैं, तब वही संसाधन हथियारों और सैन्य तैयारियों में खर्च होने लगते हैं, जिसका परिणाम यह होता है कि असली समस्याएं पीछे छूट जाती हैं और दुनिया एक नए संकट की ओर बढ़ने लगती है।

इतिहास यह भी सिखाता है कि जिन समाजों ने संवाद और कूटनीति को अपनाया, उन्होंने स्थायी शांति और विकास हासिल किया। युद्ध की तुलना में बातचीत और समझौता हमेशा अधिक कठिन रास्ता लगता है, क्योंकि उसमें धैर्य, संयम और दूरदर्शिता की जरूरत होती है, लेकिन यही रास्ता अंततः टिकाऊ समाधान देता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

डिजिटल और ग्लोबल हुआ लोक गीत-संगीत

भले ही आज की युवा पीढ़ी के बड़े हिस्से को लोक गीत और संगीत उबाऊ, बेमानी और उसके प्रशंसक दिखावटी लगते हों, लेकिन यह भी सच है कि युवाओं की ही तमाम टोलियां लोक गीत-संगीत को सांस्कृतिक धरोहर मानकर आधुनिकता का नया आयाम देने में जुटी हैं। उनके इन प्रयास से पारंपरिक धुनें, डिजिटल तकनीक और फ्यूजन के साथ मिलकर नए-नए रूप में सामने आ रही हैं। गिटार, ड्रम तथा सिंथेसाइजर जैसे वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल करके युवाओं की यह कोशिश देशज गीत-संगीत को क्षेत्रीय संस्कृति से आगे बढ़ाकर वैश्विक मंच प्रदान कर रही है। *-मनोज त्रिपाठी, कानपुर*

नवाचार के मिलन की प्रक्रिया

लोक गीत-संगीत किसी भी क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान में विशिष्ट भूमिका निभाते हैं। वास्तव में यह उस इलाके में रहने वाले आम लोगों के रीति-रिवाजों, परंपराओं और दैनिक जीवन की कहानियों को भावनाओं और संवेदनाओं के सुरों में पिरोकर अप्रतिम झांकी प्रस्तुत करते हैं। इस तरह समय के साथ अधिकतर लोकगीत युद्ध, समुदाय, रीति-रिवाज, परंपरा, संस्कार और अनुष्ठान की पिछली घटनाओं के न सिर्फ साक्ष्य जैसे हैं, बल्कि उस क्षेत्र की जलवायु, भौगोलिक स्वरूप, लोगों के मिजाज, बोली और रहन-सहन जैसे पहलुओं को समझने का दस्तावेज भी हैं। वर्तमान में भारत का लोक संगीत समय के बदलाव के साथ लोक गीत और नवाचार के मिलन की प्रक्रिया से गुजर रहा है। इसमें पारंपरिक लोक संगीत को आधुनिकता, तकनीक और नए वाद्ययंत्रों जैसे गिटार, सिंथेसाइजर के साथ जोड़कर प्रस्तुत करने के प्रयोग देखे जा रहे हैं। इस मिश्रण ने लोक परंपराओं को युवा पीढ़ी से जोड़ने के साथ सुफियाना लोक रॉक जैसे नए रूपों को विकसित किया है।

पारंपरिक लोक धुनों की नई विधा रॉक या इलेक्ट्रो

पारंपरिक लोक धुनों को आधुनिक वाद्ययंत्रों और रॉक, पॉप या जैज जैसी पश्चिमी शैलियों के साथ मिलाकर 'फोल्क-रॉक' या 'इलेक्ट्रो-फोल्क' जैसी नई विधाएं तैयार की जा रही हैं। उदाहरण के लिए सूफी फोल्क रॉक भारत और पाकिस्तान में काफी लोकप्रिय हुआ है। बॉलीवुड ने भी तमाम पारंपरिक लोक गीतों को आधुनिक संगीत व्यवस्था के साथ पेश करके लोकप्रियता का नए शिखर पर पहुंचाया है। 'घूमर' या 'नगाड़ा के साथ ढोल' जैसे प्रयोग इसी का उदाहरण हैं। यही नहीं, तकनीक के माध्यम से लोक गीतों को रिकॉर्ड कर आर्काइव किया जा रहा है और सोशल मीडिया एवं स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए तेजी से युवाओं तक पहुंचाया जा रहा है।

राजस्थानी लोक संगीत में बढ़ी फ्यूजन और बॉलीवुड की धमक

लोक गीत और नवाचार के माध्यम से परंपरा की जड़ों को आधुनिकता के साथ जोड़कर किस तरह नया स्वरूप प्रदान किया जा रहा है, इसकी एक झलक राजस्थान के संगीत में देखी जा सकती है, जो अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण निरंतर ऊंचाइयों की ओर अग्रसर तो है, लेकिन उसने आधुनिकता के लिए दरवाजे भी खोल रखे हैं। संगीतकारों के डिजिटल प्लेटफॉर्म, पारंपरिक संगीत के फ्यूजन और बॉलीवुड में हुए प्रयोग इसी बात की पुष्टि करते नजर आते हैं। वहां तमाम लोक कलाकारों ने अपने पारंपरिक संगीत को फ्यूजन और बॉलीवुड की शैली में ढालकर नए दर्शकों तक पहुंचाया है। इससे न केवल संगीत की लोकप्रियता बढ़ी है, बल्कि युवा वर्ग में इसे लेकर रुचि भी जगी है। इस तरह वैश्विक संस्कृति से संपर्क, उन्नत तकनीक और लोगों की पसंद में आ रहे बदलाव से राजस्थान का संगीत धीरे-धीरे परिवर्तन की सीढ़ियां चढ़ रहा है।

गांवों की चौपालों तक सीमित नहीं रहे लोक गीत

देशज गीत-संगीत की एक झलक इस बार फागुन में नजर आई, जिसमें होली के मौके पर गाए जाने वाले फाग गीतों को नए अंदाज में पेश करके युवा टोलियों ने लोक संस्कृति को बड़े शहरों में जीवंत कर दिया। पारंपरिक ढोल-मंजीरे की जगह उन्होंने फास्ट बीट और फ्यूजन म्यूजिक का इस्तेमाल किया। उनकी इस कोशिश ने यह साबित कर दिखाया कि लोक गीत-संगीत सांस्कृतिक धरोहर होने के साथ ही गंगा की उस धारा की तरह है, जो समय, समाज और सभ्यता के हर परिवर्तन को अपने भीतर समेटते हुए निरंतर गतिशील है। ऐसे प्रयासों से लोक गीत अब गांवों की चौखट या चौपाल तक सीमित नहीं रहे हैं। गायन मंडलियां और आधुनिक बैंड नई शैलियों का निर्माण करके इन्हें डिजिटल और ग्लोबल मंचों तक पहुंचाने में जुटी हैं, जो नई पीढ़ी को खासा पसंद आ रहा है।

विरासत की लहरियों को नए आयाम दे रहे बैंड

पद्म अनूप रंजन पांडे का लोकप्रिय बस्तर बैंड आदिवासी कलाकारों का ऐसा समूह है, जिसने पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य को विदेशों तक पहुंचाया है। अपनी अनूठी स्वर लहरियों के साथ यह बैंड अलग छाप छोड़ता है। हालांकि बस्तर बैंड का कहना है कि वह अपनी मिट्टी से जुड़ा है और उसने लोक कलाओं में न तो कोई संशोधन किया है और न ही आधुनिकता का तड़का लगाया है। इसी तरह सादिक, असिन और जाकिर का साज बैंड रजस्थानी गीत-संगीत की परंपरा को नए आयाम देने के साथ अपनी विरासत को संरक्षित कर रहा है। ऐसे ही लुप्त होती पारंपरिक संगीत संस्कृति को संरक्षित करने के लिए ओडिशा ने पहला लोक संगीत बैंड 'आदि धुन' बनाया है।

पंजाब में 'फोक टर्बेनेटर्स' मेलों में जमा रहे नया रंग

पंजाब की लोक गायकी को भी वहां के युवाओं ने नए रंग भरकर फिर से जिंदा कर दिया है। पारंपरिक परिधानों में युवाओं की टोलियां आज वहां मेलों और पर्वों के मौके पर लोक गीतों को नए स्वर देती नजर आती हैं, जिसे सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। ऐसे युवाओं के म्यूजिक ग्रुप 'फोक टर्बेनेटर्स' के नाम से जाने जाते हैं। लाइव शो करने के साथ मेलों और प्रदर्शनियों में गाना-बजाना अब लोक संस्कृति की पहचान बन चुका है।

अनोखी परंपरा

दापा प्रथा: बिना शादी के दांपत्य जीवन की शुरुआत

दुनियाभर में अनेक ऐसी परंपराएं देखने को मिलती हैं, जिनके बारे में जानकर आश्चर्य होता है। भारत अपनी विविध संस्कृति और परंपराओं के कारण विशेष पहचान रखता है। यहां अलग-अलग क्षेत्रों और समुदायों में जीवन के अपने-अपने नियम और सामाजिक व्यवस्थाएं विकसित हुई हैं। ऐसी ही एक अनोखी परंपरा राजस्थान के उदयपुर, सिरोही और पाली जिलों में रहने वाली गरासिया जनजाति में देखने को मिलती है।

गरासिया समाज अपनी विशिष्ट सामाजिक परंपराओं के लिए जाना जाता है। इस समुदाय में दांपत्य जीवन की शुरुआत एक अनोखे तरीके से होती है, जो आधुनिक समय में प्रचलित 'लिव-इन रिलेशन' की तरह दिखाई देती है। सामान्य भारतीय समाज में जहां विवाह को दांपत्य जीवन की अनिवार्य शर्त माना जाता है, वहीं गरासिया समाज में युवक और युवती पहले साथ रहने लगते हैं और बाद में आवश्यकता या इच्छा के अनुसार विवाह करते हैं।

इस परंपरा की शुरुआत 'दापा प्रथा' से होती है। जब किसी युवक और युवती के बीच आपसी सहमति बन जाती है, तो लड़के पक्ष की ओर से लड़की के परिवार को सामाजिक मान्यता के रूप में कुछ धनराशि दी जाती है। यह राशि पंचायत और समाज की सहमति से तय होती है। इसके बाद दोनों बिना औपचारिक विवाह के ही पति-पत्नी की तरह साथ रहने लगते हैं। समाज भी इस संबंध को स्वीकार करता है और उन्हें परिवार के रूप में मान्यता देता है।

इस व्यवस्था में एक और विशेष बात यह है कि दंपति पर तुरंत विवाह करने का कोई दबाव नहीं होता। कई बार ऐसा भी होता है कि युवक-युवती वर्षों तक साथ रहते हैं और जब उनके बच्चे हो जाते हैं या उन्हें उचित लगता है, तब वे पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह कर लेते हैं।

गरासिया समाज में इस परंपरा के पीछे एक पुरानी लोककथा भी सुनाई जाती है। कहा जाता है कि बहुत समय पहले इस समाज के चार भाई अलग-अलग स्थानों पर जाकर बस गए थे। उनमें से तीन भाइयों ने विवाह किया, जबकि चौथा भाई बिना विवाह के ही अपनी साथी के साथ रहने लगा। संयोग से विवाह करने वाले तीनों भाइयों की कोई संतान नहीं हुई, जबकि चौथे भाई के वंश से ही परिवार और समाज आगे बढ़ा। इस घटना के बाद से यह मान्यता बन गई कि साथ रहकर संबंधों की सच्चाई और सामंजस्य को समझना भी जरूरी है। हालांकि इस परंपरा में कुछ सामाजिक नियम भी हैं। यदि युवक और युवती लंबे समय तक साथ रहने के बावजूद संतान प्राप्त नहीं कर पाते, तो वे आपसी सहमति से अलग हो सकते हैं। इसके बाद दोनों किसी अन्य साथी के साथ नया संबंध बना सकते हैं और परिवार बसाने का प्रयास करते हैं। इस प्रकार गरासिया समाज की यह परंपरा भारतीय समाज की विविधता को दर्शाती है, जहां हर समुदाय ने अपनी परिस्थितियों और अनुभवों के आधार पर अलग-अलग सामाजिक व्यवस्थाएं विकसित की हैं।

आर्ट गैलरी

पियरे-अगस्त रेनॉयर की पेंटिंग 'वोमेन वेयरिंग ए रोज एंड्री'

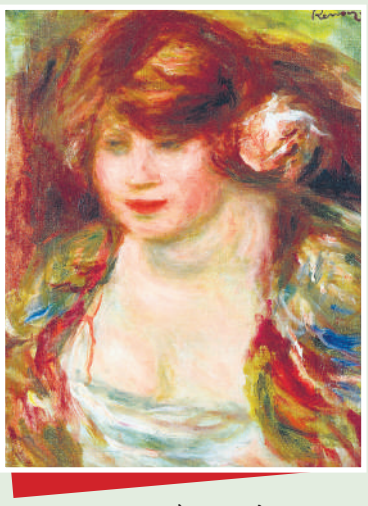

यह कलाकृति, प्रसिद्ध इंप्रेशनिस्ट चित्रकार पियरे-अगस्त रेनॉयर ने 1919 में बनाई थी। यह कैनवस पर तैल रंगों से बना एक चित्र है, जो इंप्रेशनिस्ट आंदोलन की विशिष्ट तकनीकों और सौंदर्यशास्त्र को दर्शाता है। वर्तमान में, यह पेंटिंग एक निजी संग्रह में रखी हुई है। यह कलाकृति एक महिला का जीवंत और अंतरंग चित्रण है, उसके रंग-रूप को गर्म और चमकदार रंगों के मिश्रण से उकेरा गया है, जो इंप्रेशनिज़्म की खासियत- प्रकाश और छाया के मिश्रण को बखूबी पकड़ता है। उसकी नजर थोड़ी हटकर है, जो आत्म-चिंतन के एक गहन क्षण को दर्शाती है। उसके बालों में एक गुलाब सजा है, जिसे बड़ी कलात्मकता से लगाया गया है। ब्रश स्ट्रोक ढीला और अभिव्यंजक है, जिससे रंग सीधे कैनवस पर ही आपस में घुल-मिल जाते हैं।

पियरे के बारे में

पियरे-अगस्त रेनॉयर एक फ्रांसीसी चित्रकार थे, जिनका जन्म 25 फरवरी, 1841 को लिमोजेस, फ्रांस में हुआ था। तीन दिसंबर, 1919 को 78 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। पियरे का बचपन गरीबी में बीता, लेकिन उनमें चित्रकला की प्रतिभा बचपन से ही दिखाई देने लगी थी। पेरिस के एक कला विद्यालय में दाखिला लेने से पहले, उन्होंने चीनी-मिट्टी (porcelain) पर चित्रकारी करने वाले आर्टिस्ट के रूप में काम करना शुरू किया। वहीं उनकी मुलाकात अन्य कलाकारों से हुई, जो आगे चलकर इंप्रेशनिस्ट आंदोलन का हिस्सा बने। जैसे- क्लाउड मोनेट और एडगर डेगास।

लोकायन

साल के फूलों संग खिलता सरहुल का उल्लास

झारखंड और उसके आसपास के क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सरहुल पर्व आदिवासी समाज के सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र त्योहारों में से एक है। यह पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति गहरी आस्था और कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। सरहुल के माध्यम से आदिवासी समुदाय प्रकृति, पृथ्वी और सूर्य के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हैं। इस अवसर पर साल वृक्ष की पूजा, पारंपरिक गीत-नृत्य और सामूहिक भोज का विशेष महत्व होता है।

झारखंड के उरांव, मुंडा तथा अन्य आदिवासी समुदाय इस पर्व को बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाते हैं, जिससे गांवों में आनंद और उत्सव का वातावरण बन जाता है। 'सरहुल' शब्द की उत्पत्ति भी प्रकृति से ही जुड़ी है। यह दो शब्दों- 'सर' या 'सराय' और 'हुल' से मिलकर बना है। 'सर' या 'सराय' का अर्थ साल का पेड़ (शोरिया रोबस्टा) होता है, जबकि 'हुल' का मतलब होता है सामूहिक उत्सव या आनंद का अवसर। इस प्रकार सरहुल का अर्थ है साल वृक्ष के माध्यम से प्रकृति का सामूहिक उत्सव मनाना।

लोकमान्यताओं के अनुसार यह पर्व पृथ्वी और सूर्य के प्रतीकात्मक विवाह का भी संकेत देता है। इसी कारण इस दिन लोग सरना स्थल या पवित्र वृक्ष के नीचे पूजा-अर्चना करते हुए प्रकृति से सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। सरहुल पर्व अलग-अलग जनजातीय समुदायों में अलग नामों से भी जाना जाता है। उरांव सरना समाज में इसे 'खद्दी' या 'खेखेल बेंजा' कहा जाता है। हालांकि विभिन्न समुदायों में

इसकी परंपराओं और अनुष्ठानों में थोड़ी भिन्नता दिखाई देती है, लेकिन प्रकृति की पूजा और सामूहिक उत्सव इसकी मूल भावना बनी रहती है।

इस पर्व की तैयारियां लगभग एक सप्ताह पहले से ही शुरू हो जाती हैं। गांव के पाहन यानी पुजारी इस अवसर से पहले उपवास रखते हैं। पर्व के दिन सुबह सूर्योदय से पहले दो नए घड़ों में पवित्र जल भरकर सरना स्थल पर अर्पित किया जाता है। इसके बाद साल के वृक्ष की पूजा की जाती है और गांव की खुशहाली के लिए प्रार्थना की जाती है। इस पूजा में मां सरना, सूर्य देवता, ग्राम देवताओं और पूर्वजों को स्मरण किया जाता है।

पूजा के बाद उत्सव का रंग और भी गहरा हो जाता है। आदिवासी समुदाय के लोग रंग-बिरंगे पारंपरिक वस्त्र पहनते हैं और गांव के अखड़ा में सामूहिक नृत्य करते हैं। महिलाएं और पुरुष साल के फूलों से स्वयं को सजाते हैं और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर नृत्य-गीत का आनंद लेते हैं। इस दौरान चावल से बने पारंपरिक पेय 'हांडिया' का सेवन भी किया जाता है। दरअसल, सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान, सामूहिकता की भावना और आदिवासी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने का प्रतीक है। यही कारण है कि झारखंड में यह त्योहार पूरे उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

केवल देखने तक सीमित नहीं कला का अनुभव

एक प्रचलित कहावत है 'सावन के अंधे को हरा ही हरा दिखता है'। स्पष्ट है यह कहावत दृष्टिबाधितों द्वारा रंगों की समझ और अनुभूति पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। दूसरी तरफ विज्ञान उन चुनौतियों को भी स्वीकारता चला आ रहा है, जिसे सामान्य व्यक्ति लगभग असंभव मान लेते हैं। ऐसे में खबर है कि एम्स्टर्डम स्थित वान गॉग म्यूजियम ने कला को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत यह संग्रहालय अब दृष्टिहीन और कम दृष्टि वाले दर्शक को भी महान डच चित्रकार विन्सेंट वान गॉग की कलाकृतियों की अनुभूति का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। आमतौर पर चित्रकला को देखने की कला माना जाता है, इसलिए दृष्टिबाधित लोगों के लिए इसे समझना या अनुभूत करना कठिन माना जाता है। ऐसे में एम्स्टर्डम स्थित इस संग्रहालय ने कई अभिनव उपायों के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदल दिया है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

संग्रहालय ने विशेष रूप से तैयार की गई स्पर्शनीय (टैक्टाइल) प्रतिकृतियां विकसित की हैं, जिनकी सहायता से दृष्टिहीन आगंतुक चित्रों की संरचना और आकृतियों को हाथों से महसूस कर सकते हैं। इन प्रतिकृतियों में चित्र की मुख्य रेखाओं, बनावट और रूपों को उभरे हुए रूप में तैयार किया गया है, जिससे दर्शक स्पर्श के माध्यम से यह समझ सकें कि चित्र में कौन-कौन से तत्व मौजूद हैं और उनका आपसी संबंध क्या है। इसके साथ ही संग्रहालय में ऑडियो गाइड और विशेष वर्णनात्मक व्याख्याएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। इन विवरणों में चित्रों के रंगों, प्रकाश, भावनाओं और संरचना का विस्तार से वर्णन किया जाता है, ताकि दृष्टिबाधित दर्शक भी कल्पना के माध्यम से चित्र की दुनिया में प्रवेश कर सकें। उदाहरण के लिए, वान गॉग की प्रसिद्ध कृतियों में दिखाई देने वाले तीव्र रंगों, गतिशील ब्रश स्ट्रोक और प्रकृति के जीवंत दृश्यों को शब्दों के माध्यम से इस तरह प्रस्तुत किया जाता है कि श्रोता उनके भावात्मक प्रभाव को महसूस कर सके।

इसके अतिरिक्त संग्रहालय समय-समय पर विशेष समावेशी कार्यशालाएं और मार्गदर्शित भ्रमण भी आयोजित करता है, जिनमें प्रशिक्षित विशेषज्ञ आगंतुकों को कला के अनुभव से जोड़ते हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य यह दिखाना है कि कला केवल आंखों से देखने की वस्तु नहीं है, बल्कि उसे स्पर्श, ध्वनि और कल्पना के माध्यम से भी महसूस किया जा सकता है।

इस पहल के पीछे एक व्यापक विचार यह है कि संग्रहालय केवल वस्तुओं को प्रदर्शित करने का स्थान न होकर समाज के सभी वर्गों के लिए खुला सांस्कृतिक मंच बने। वान गॉग म्यूज़ियम की यह पहल दुनियाभर के

संग्रहालयों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। यह दिखाती है कि यदि रचनात्मक सोच और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो कला का अनुभव हर व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है- चाहे वह देख सकता हो या नहीं। इस प्रकार यह संग्रहालय न केवल महान कलाकार वान गॉग की कला को संरक्षित कर रहा है, बल्कि यह भी साबित कर रहा है कि कला की दुनिया वास्तव में सबके लिए है यानी उनके लिए भी जो देखने में सक्षम नहीं हैं। वैसे दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए चित्रकला को सुलभ बनाने का प्रयास केवल हाल के वर्षों की पहल नहीं है। दुनिया के कई संग्रहालयों और कला संस्थानों ने लंबे समय से ऐसे प्रयोग किए हैं, जिनके माध्यम से दृष्टिबाधित दर्शक भी कला का अनुभव कर सकें। आज वान गॉग म्यूजियम द्वारा किए जा रहे प्रयास इसी व्यापक परंपरा की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

दरअसल 20 वीं सदी के उत्तरार्ध में यूरोप और अमेरिका के कई संग्रहालयों ने 'टैक्टाइल आर्ट' यानी स्पर्श आधारित कला अनुभव की अवधारणा पर काम करना शुरू किया। लंदन के टेट गैलरी में 1980 के दशक में ऐसी प्रदर्शनियां आयोजित की गईं, जिनमें दर्शकों को मूर्तियों को छूकर समझने की अनुमति दी गई। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य यह बताना था कि कला का अनुभव केवल देखने तक सीमित नहीं है, उसे स्पर्श और कल्पना के माध्यम से भी समझा जा सकता है। इसी प्रकार भारत में भी संग्रहालयों ने इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में 'अनुभवः ए टैक्टाइल एक्सपीरियंस' नामक विशेष गैलरी बनाई गई है, जहां प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की स्पर्शनीय प्रतिकृतियां रखी गई हैं। इन प्रतिकृतियों के साथ ब्रेल लिपि में जानकारी और ऑडियो विवरण भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे दृष्टिबाधित दर्शक कला को बेहतर ढंग से समझ सकें।

आजकल नई तकनीकों के माध्यम से चित्रों और मूर्तियों को 3-डी टैक्टाइल मॉडल में बदलने के प्रयोग भी किए जा रहे हैं। इन मॉडलों में चित्र की रेखाओं और आकृतियों को उभरे हुए रूप में बनाया जाता है, ताकि दर्शक उन्हें हाथों के स्पर्श से महसूस कर सकें। वास्तव में इन सभी प्रयासों का मूल उद्देश्य यह है कि संग्रहालय और कला संस्थान समाज के हर वर्ग के लिए उपयोगी साबित हों। जाहिर है कि इस प्रकार की पहल का मुख्य उद्देश्य यह साबित करना है कि कला केवल आंखों से देखने की वस्तु नहीं, बल्कि संवेदनाओं और अनुभवों की एक व्यापक दुनिया है, जिसे हर व्यक्ति अपने तरीके से महसूस कर सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	76,070.84	23,581.15
बढ़त	567.99	172.35
प्रतिशत में	0.75	0.74

सोना 1,61,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,62,500 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 18 मार्च 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

एयर इंडिया की 19 से 28 मार्च के बीच 36 अतिरिक्त उड़ान

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण लोगों की यात्रा योजनाओं पर पड़ रहे प्रभाव को देखते हुए एयर इंडिया 19 से 28 मार्च के बीच यूरोप और उत्तरी अमेरिका के गंतव्यों के लिए 36 अतिरिक्त उड़ानों का परिचालन करेगी। एयरलाइन ने मंगलवार को बयान में कहा कि वह दिल्ली-लंदन (हीथ्रो), मुंबई-लंदन (हीथ्रो), दिल्ली-फ्रैंकफर्ट, दिल्ली-ज्यूरिख और दिल्ली-टोरंटो मार्गों पर अतिरिक्त उड़ानों का परिचालन करेगी। कहा गया, इन उड़ानों से पांचों मार्गों पर 10,012 सीटें जुड़ जाएंगी, जिससे क्षमता में और वृद्धि होगी और यात्रा के सीमित विकल्पों के बीच यात्रियों को अधिक विकल्प मिलेंगे।

मारुति सुजुकी कुछ सालों में 7 नए एसयूवी मॉडल उतारेगी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने तेजी से बढ़ते एसयूवी खंड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए अगले पांच-छह साल में सात नए एसयूवी मॉडल पेश करने की योजना बनाई है। एमएसआईएल के सीईओ हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कंपनी पहली बार कार खरीदने वाले ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए शुरुआती स्तर वाली सुजुकी की विशिष्ट कार भी पेश करेगी। उन्होंने बताया कि भारतीय यात्री वाहन बाजार में एसयूवी मॉडल की हिस्सेदारी 2019 के 26.5 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 54.7 प्रतिशत हो गई, जो इस खंड की तेज वृद्धि को दर्शाता है। एसयूवी बाजार में मारुति सुजुकी की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2019-20 के 16.8 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 11 महीनों में 19.6 प्रतिशत हो गई है।

मालाबार गोल्ड 1,580 करोड़ के निवेश से 20 नए शोरूम खोलेगी

नई दिल्ली। मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स इस माह के अंत तक 1,580 करोड़ रुपये के निवेश से 20 नए शोरूम खोलेगी। नए शोरूम झांसी, कल्लाकुरीची, ग्वालियर, चित्तूर, हल्द्वानी, थेनी, जामनगर, रांची, वीआईपी रोड कोलकाता, अलीगढ़, केआर पुरम (बेंगलुरु), इनऑर्बिट मॉल विशाखापत्तनम, कांचरापाड़ा, श्रीरामपुर, गोकुल रोड हुबली, मणिनगर, गुरुग्राम सेक्टर 14, जुबली हिल्स (हैदराबाद), सांगारेड्डी और गुवाहाटी में खोले जाएंगे। कंपनी के बयान के अनुसार, इस विस्तार में कुल 1,580 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है और इससे 725 से अधिक रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। मालबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद ने कहा, हमारा निर्णय देश की लंबी अवधि की वृद्धि संभावनाओं में हमारे भरोसे और विश्वस्तरीय आभूषण खुदरा बिक्री के अनुभवों तक पहुंच बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

युद्ध से आपूर्ति संकट... देश में एलपीजी की खपत में हुई 17 प्रतिशत की गिरावट

पिछले साल मार्च में 13.87 लाख टन थी खपत, इस साल 15 दिन में ही घटकर 11.47 लाख टन

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण आपूर्ति बाधित होने से देश में रसोई गैस (एलपीजी) की खपत मार्च के पहले पखवाड़े में 17.7 प्रतिशत घट गई। प्रारंभिक उद्योग आंकड़ों के अनुसार मार्च के पहले पंद्रह दिन में एलपीजी खपत घटकर 11.47 लाख टन रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 13.87 लाख टन के मुकाबले 17.3 प्रतिशत कम है। यह फरवरी के पहले पखवाड़े की 15.57 लाख टन मांग से 26.3 प्रतिशत कम है।

भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है जिसमें से अधिकतर होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर हमले और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद यह मार्ग बाधित हो गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से आपूर्ति प्रभावित होने के कारण सरकार ने घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए होटल जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति में कटौती की है। सार्वजनिक क्षेत्र की तीन तेल विपणन कंपनियों के प्रारंभिक बिक्री आंकड़ों के अनुसार एक से 15 मार्च के दौरान एलपीजी खपत 2024 की समान अवधि की तुलना में 16 प्रतिशत और 2023 की समान अवधि की तुलना में 10.6 प्रतिशत कम रही।

तीन वितरण पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की बाजार में करीब 90 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एलपीजी खपत में पिछले कुछ वर्ष में सालाना आधार पर तीन से चार प्रतिशत की स्थिर वृद्धि देखी गई थी, जिसका कारण सरकार की ओर से लकड़ी एवं अन्य प्रदूषणकारी ईंधनों के स्थान पर स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा दिया जाना है।

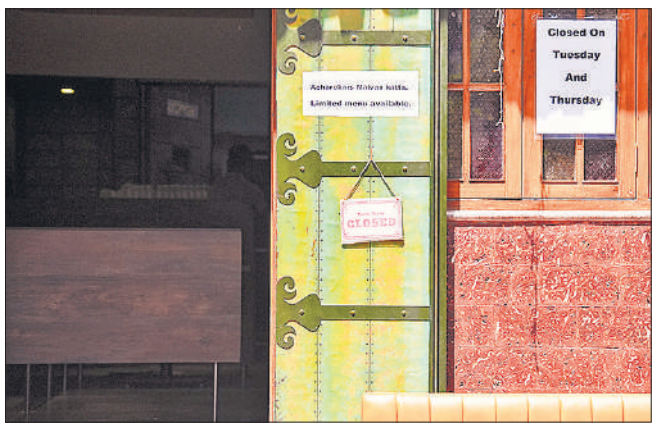

एलपीजी की अनुपलब्धता के कारण मुंबई में मंगलवार को बंद पड़ा एक रेस्टोरेंट।

विमान ईंधन की खपत भी 12 प्रतिशत कम हुई

युद्ध के कारण खाड़ी देशों में हवाई क्षेत्र बंद होने और उड़ानों के निलंबन से विमान ईंधन (एटीएफ) की खपत भी प्रभावित हुई है। मार्च के पहले पखवाड़े में यह चार प्रतिशत घटकर 3,27,900 टन रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम है। वहीं मासिक आधार पर इसमें 12.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इन दो युद्धप्रभावित ईंधनों के अलावा पेट्रोल और डीजल की मांग में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। पेट्रोल की बिक्री 13.2 प्रतिशत बढ़कर लगभग 15 लाख टन हो गई जबकि डीजल की खपत 8.2 प्रतिशत बढ़कर 33.84 लाख टन रही।

पंजाब में एलपीजी वितरकों ने खारिज किया केंद्र का पर्याप्त उपलब्धता का दावा

चंडीगढ़। केंद्र सरकार और पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की ओर से पर्याप्त उपलब्धता का दावा खारिज करते हुए पंजाब के एलपीजी वितरकों ने मंगलवार को कहा कि एलपीजी की आपूर्ति 'अपर्याप्त' है। उन्होंने बकाया आपूर्ति को पूरा करने के लिए रसोई गैस की आपूर्ति बढ़ाने की मांग की। मीडियाकर्मियों के बीच फेडरेशन ऑफ एलपीजी डिस्ट्रिब्यूटर्स ऑफ पंजाब के अध्यक्ष गुरपाल सिंह मान ने दावा किया कि एलपीजी की कीमतों में अचानक हुई वृद्धि ने उपभोक्ताओं में घबराहट पैदा कर दी है, जिन्हें आपूर्ति में संभावित कमी की आशंका है। स्थिति को स्थिर करने के बजाय बाद में उठाए गए कदमों ने भ्रम और चिंता को और बढ़ा दिया। इसके साथ शहरी क्षेत्र में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्र में 45 दिन का भेदभावपूर्ण और प्रतिबंधात्मक बुकिंग अंतराल लागू करने से गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। मान ने कहा कि यदि कोई कमी नहीं है, जैसा कि आधिकारिक तौर पर कहा जा रहा है, तो ऐसे उपायों को सही ठहराना मुश्किल है। 3-4 दिन के लिए एलपीजी बुकिंग चैनल को अस्थायी रूप से निलंबित करने से स्थिति और बिगड़ गई है, जिससे वितरकों को बिना किसी स्पष्टता या समर्थन के जनता के दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

- **कहा- कोई कमी नहीं तो क्यों लागू किए जा रहे हैं प्रतिबंधात्मक उपाय**

शेयर बाजार में दूसरे दिन भी तेजी

राहत... सेंसेक्स 568 अंक चढ़ा और निफ्टी ने भी ली 172 अंकों की बढ़त

मुंबई। वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख और धातु एवं वाहन शेयरों में खरीदारी के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन मजबूती रही। सेंसेक्स 568 अंक चढ़कर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में 172 अंक की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 567.99 अंक यानी 0.75 प्रतिशत चढ़कर 76,070.84 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 801.41 अंक बढ़कर 76,304.26 अंक तक पहुंच गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 172.35 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,581.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से इटर्नल का शेयर सबसे अधिक 5.70 प्रतिशत चढ़ा। इसके अलावा टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी के शेयरों में भी तेजी में रहे। दूसरी तरफ, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचसीएल टेक के शेयरों में गिरावट का रुख देखा गया।

रुपया 12 पैसे टूटकर 92.40 डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर

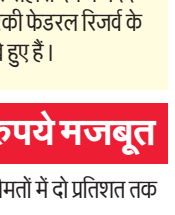

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया मंगलवार को 12 पैसे टूटकर अपने सबसे निचले स्तर 92.40 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया संकट के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी के कारण रुपये में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुझान भी रुपये को कमजोर स्तर पर सहारा देने में मदद कर रहा है। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर नजर रखे हुए हैं।

चांदी 6,000 रुपये चढ़ी, सोना भी हुआ 1,050 रुपये मजबूत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को कीमती धातुओं की कीमतों में दो प्रतिशत तक का उछाल आया। चांदी 6,000 रुपये बढ़कर 2.62 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई जबकि सोना बढ़कर 1.61 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक चांदी की कीमत 6,000 रुपये या 2.34 प्रतिशत बढ़कर सभी करों सहित 2,62,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने में लगातार तीन दिन की गिरावट का सिलसिला टूट गया और इसकी कीमत 1,050 रुपये या लगभग एक प्रतिशत बढ़कर सभी करों सहित 1,61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। विशलेषकों ने कहा कि सर्राफा की कीमतों में यह उछाल भू-राजनीतिक तनाव के बीच सुरक्षित निवेश वाली आस्तियों की मांग से प्रेरित था, भले ही वैश्विक संकेतक कमजोर बने रहे।

डाक विभाग ने शुरू कीं 24-48 घंटे में डिलीवरी वाली प्रीमियम सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

- **दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद में शुरुआत**
- **मार्च, 2027 तक इन सेवाओं को देश भर में शुरू करने का लक्ष्य**

डाक विभाग ने को त्वरित एवं समयबद्ध पार्सल के लिए 24 घंटे और 48 घंटे में डिलीवरी की गारंटी वाली तीन प्रीमियम सेवाओं की मंगलवार को शुरुआत की। विभाग उन कूरियर सेवाओं के बढ़ते बाजार के मुकाबले खुद को नए सिरे से स्थापित करने की कोशिश कर रहा है जो कुछ ही घंटों में डिलीवरी का वादा करती हैं।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यहां '24 स्पीड पोस्ट', '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' और '48 स्पीड पोस्ट' की शुरुआत की। प्रारंभिक चरण में ये सेवाएं दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में शुरू की गई हैं। मार्च, 2027 तक इसे देशभर में शुरू करने का लक्ष्य है। निर्धारित समयसीमा का पालन करने के लिए विभाग प्राथमिकता आधारित हवाई परिवहन का उपयोग करेगा। सिंधिया ने कहा कि यह पहल इंडिया पोस्ट के लिए नए दौर की शुरुआत है और इसमें व्यापक संभावनाएं निहित हैं।

आधिकारिक बयान के अनुसार, नई सेवाओं में ओटीपी आधारित सत्यापन के साथ डिलीवरी, शुरू से अंत तक 'ट्रैकिंग' सुविधा और वास्तविक समय में 'एसएमएस अलर्ट' शामिल होंगे। व्यवसायों के लिए 'अभी बुक करें, बाद में भुगतान करें' सुविधा, केंद्रीकृत बिलिंग तथा एपीआई एकीकरण के विकल्प भी उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, थोक खेप के लिए मुफ्त पिकअप और निर्धारित समय में डिलीवरी न होने पर धनवापसी की गारंटी भी दी जाएगी।

सम्मानजनक हो ईपीएफ पेंशन, 1,000 रुपये पर्याप्त नहीं

संसदीय समिति ने की सिफारिश, 7,500 रुपये मासिक पेंशन की मांग कर रहे हैं पेंशनधारक

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद की एक समिति ने मंगलवार को ईपीएफओ की कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत 1,000 रुपये की न्यूनतम मासिक पेंशन की तत्काल और व्यापक समीक्षा की सिफारिश की। समिति ने कहा कि इसे सम्मानजनक स्तर तक बढ़ाने की जरूरत है। यह सिफारिश ऐसे समय की गई है जब पेंशनधारक यह कहते हुए पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपये प्रति माह करने की मांग कर रहे हैं कि 1,000 रुपये से गुजर-बसर करना मुश्किल है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की ओर से संचालित

कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस-95) के तहत पेंशनधारकों ने न्यूनतम मासिक पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपये करने की मांग को लेकर नौ मार्च से जंतर-मंतर पर तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन भी किया था। श्रम, वस्त्र एवं कौशल विकास से जुड़ी संसद की स्थायी समिति ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की 'अनुदान मांगों (2026-27)' पर अपनी 15वीं रिपोर्ट में कहा कि महंगाई बढ़ने के बावजूद कर्मचारी पेंशन योजना के तहत न्यूनतम पेंशन 1,000 रुपये प्रति माह काफी समय से अपरिवर्तित है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अनुबंध पर काम करने वाले कई श्रमिक नियमित श्रमिकों के समान कार्य करते हैं, लेकिन कार्यस्थल दुर्घटनाओं के बाद राहत और मुआवजा देने में अक्सर देरी होती है। समिति ने सिफारिश की है कि ऐसे श्रमिकों को कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) और कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत समय पर कवरेज सुनिश्चित किया जाए।

तेल संकट से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए बने रणनीति

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने मंगलवार को सुझाव दिया कि आर्थिक मामलों के विभाग को कच्चे तेल के संकट से अर्थव्यवस्था को बचाने और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक ऊर्जा रूपरेखा विकसित करनी चाहिए। वित्त संबंधी स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में इस बात पर भी जोर दिया कि सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा प्रौद्योगिकियों और वैकल्पिक ईंधन के विकास के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ खनिज तत्वों के लिए तेजी से विकसित हो रही वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए एक समन्वित राष्ट्रीय रणनीति की आवश्यकता है।

आरबीआई ने वीआरआर नीलामी के जरिए 48,014 करोड़ रुपये की नकदी डाली

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को बैंकिंग प्रणाली में सात दिन की वैरिएबल रेट रेपो (वीआरआर) नीलामी के जरिए 48,014 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली।

केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की कटऑफ और भारित औसत दर पर उपलब्ध कराई गई। हालांकि, यह राशि 1.50 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि की तुलना में काफी कम रही, जबकि अग्रिम कर भुगतान के कारण बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी में तेज गिरावट आई है। वीआरआर नीलामी के तहत केंद्रीय बैंक अल्पावधि के लिए परिवर्तनीय ब्याज दरों पर बैंकों को धन उपलब्ध कराता है जिसमें बैंक तय राशि के लिए बोली लगाते हैं। इस सप्ताह जीएसटी भुगतान के चलते बैंकिंग प्रणाली से और धन निकलने की संभावना है, जिससे तरलता पर दबाव बढ़ सकता है। फिलहाल 16 मार्च तक बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष तरलता करीब 75,483.63 करोड़ रुपये आंकी गई है, जो 15 मार्च को अग्रिम कर भुगतान से पहले के 2.08 लाख करोड़ रुपये से काफी कम है।

ईस्टमैन ऑटो के खिलाफ दिवाला अपील खारिज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने ईस्टमैन ऑटो एंड पावर के खिलाफ दायर दिवाला अपील को खारिज करते हुए एनसीएलटी का आदेश बरकरार रखा।

एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि परिचालन लेनदार वेव इंडिया एनर्जी सॉल्यूशंस के साथ ईस्टमैन ऑटो का विवाद दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता की धारा आठ के तहत नोटिस जारी होने से पहले ही मौजूद था। यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण को विवाद के गुण-दोष में जाने या किसी पक्ष की सफलता की संभावना का आकलन करने की आवश्यकता नहीं होती है।

कास्पर्स्की भारत में निवेश दोगुना करेगी

देश को क्षेत्रीय केंद्र बनाने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

- **विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड ऑपरेशन को स्थापित करने की योजना**

वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी कास्पर्स्की ने भारत में अपने निवेश को दोगुना करने की योजना बनाई है। कंपनी का कहना है कि मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के बाद वह भारत को क्षेत्रीय सेवाओं के केंद्र (हब) के रूप में विकसित करने पर विचार कर रही है।

कास्पर्स्की के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रबंध निदेशक एड्रियन हिया ने साक्षात्कार में बताया कि कंपनी भारत में विपणन, व्यापार विकास और 'क्लाउड ऑपरेशन' को स्थापित करने की योजना बना रही है, ताकि स्थानीय एवं क्षेत्रीय ग्राहकों को सेवाएं दी जा सकें।

उन्होंने कहा कि 2024 में मजबूत दो अंकों की वृद्धि के बाद 2025 के वित्त परिणाम (जो अप्रैल में जारी होंगे) और भी बेहतर रहने की उम्मीद है। हिया ने कहा कि हम न केवल कर्मचारियों एवं कार्यालयों में निवेश बढ़ाएंगे बल्कि भारत को क्षेत्रीय स्तर पर विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड सेवाओं का केंद्र बनाने पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने साथ ही संकेत दिया कि यदि भारत में क्षेत्रीय ग्राहकों के लिए डेटा सेंटर स्थापित किया जाता है तो भर्ती में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साइबर खतरों को लेकर हिया ने आगाह किया कि 2026 में साइबर हमले और बढ़ सकते हैं। 2025 में भारत में कंपनी ने 4.7 करोड़ से अधिक वेब-आधारित खतरों को रोका था।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) उपकरण की आसान उपलब्धता के कारण 'डीपफेक' जैसे खतरे तेजी से बढ़ रहे हैं और अब 'एआई से लड़ने के लिए एआई का उपयोग' करना जरूरी हो गया है। हिया ने भारतीय सरकार की डेटा वर्गीकरण (टियरिंग) रणनीति की सराहना की, हालांकि यह भी कहा कि स्थानीय स्तर पर विकसित बड़े भाषा मॉडल के साथ साइबर सुरक्षा की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है।

मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभरा है भारत: नैसकॉम अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

- **कहा- असाधारण बदलाव के दौर से गुजर रहा है प्रौद्योगिकी उद्योग**

नैसकॉम के अध्यक्ष राजेश नांबियार ने मंगलवार को कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं एवं खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं के कारण वैश्विक कंपनियां अब केवल लागत दक्षता के बजाय भरोसे तथा मजबूती को प्राथमिकता दे रही हैं जिससे भारत एक मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है।

'नैसकॉम ग्लोबल कॉन्फ्लुएंस 2026' में नांबियार ने कहा कि निर्यात पर काफी हद तक निर्भर प्रौद्योगिकी उद्योग असाधारण बदलाव के दौर से गुजर रहा है और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के पुनर्गठन ने देशों एवं कंपनियों के प्रौद्योगिकी साझेदारी के तरीके को मूल रूप से बदल दिया है। उन्होंने कहा कि पहले सभी केवल लागत एवं दक्षता को ही प्राथमिकता देते थे, अब वह दौर खत्म हो चुका है। दक्षता महत्वपूर्ण है लेकिन यह निर्णायक कारक नहीं है। मजबूती अब कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। इन सभी प्राथमिकताओं के बीच भारत एक उपयुक्त स्थिति में है जो इसे कारोबार के लिए एक बेहद सक्षम देश बनाता है।

नैसकॉम के अध्यक्ष ने कहा कि दुनिया भर के देश और कंपनियां अब यह मूल प्रश्न पूछ रही हैं कि उनका भरोसेमंद साझेदार कौन होगा और किस देश के साथ वे दीर्घकालिक साझेदारी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक विश्वसनीय लोकतंत्र होने के साथ-साथ अपने विशाल आकार और विविध जनसंख्या के कारण नवाचार के लिए एक जीवंत प्रयोगशाला भी है।

डिजिटल प्रतिभा भंडार है भारत की ताकत

नांबियार ने कहा, भारत की ताकत का एक प्रमुख आधार उसका डिजिटल प्रतिभा भंडार है, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में लगभग 60 लाख पेशेवर और व्यापक उद्योग में अतिरिक्त 30-40 लाख लोग शामिल हैं। यह परिवेश अब एआई, मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर, उत्पाद अभियांत्रिकी एवं साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में विकसित हो रहा है। नांबियार ने भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की वैश्विक संभावनाओं पर भी जोर दिया। उन्होंने आधार एवं यूपीआई जैसे मंचों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके मूल सिद्धांत जैसे उपयोगकर्ता की सहमति, गोपनीयता, विस्तार क्षमता एवं परस्पर संचालन दुनिया के लिए उपयोगी मॉडल बन सकते हैं।

जियो पेमेंट्स बैंक ने शुरू की यूपीआई आधारित नकद निकासी सेवा

मुंबई। जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ने मंगलवार को यूपीआई आधारित नकद निकासी सेवा शुरू करने की घोषणा की।

कंपनी के मुताबिक ग्राहक अब बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट टचपॉइंट्स पर क्यूआर कोड स्कैन कर नकद निकाल सकेंगे। उन्हें पैसा निकालने के लिए डेबिट कार्ड या पारंपरिक एटीएम कार्ड की जरूरत नहीं होगी। बैंक के अनुसार, नई सेवा विशेष रूप से ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों के ग्राहकों को ध्यान में रखकर शुरू की गई है, जहां एटीएम की पहुंच सीमित है। ग्राहक यूपीआई एप के जरिए लेनदेन को ऑथराइज कर आसानी से नकद प्राप्त कर सकेंगे।

कामकाज के हालात | स्नातक बेरोजगारी दर उच्च स्तर पर, 2023 तक 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ थे बेरोजगार

देश में 40 प्रतिशत स्नातकों को नहीं मिल पा रही है नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर बहुत कम लोगों को ही तय वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की रिपोर्ट 'भारत में कामकाज की स्थिति-2026' के अनुसार बेरोजगार के रूप में पंजीकरण कराने के एक वर्ष के अंदर सात प्रतिशत स्नातकों को स्थायी वेतन वाली नौकरी मिल पाती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि स्नातक बेरोजगारी दर उच्च स्तर पर बनी हुई है। देश में 15 से 25 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी दर करीब 40 प्रतिशत और 25 से 29 वर्ष आयु वर्ग में 20 प्रतिशत है। कहा गया है, स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर केवल एक छोटा हिस्सा ही स्थायी वेतन वाली नौकरी हासिल कर पाता है। हाल के वर्षों में स्नातकों की बढ़ती संख्या के कारण यह समस्या और बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ दशकों में युवा आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और उच्च शिक्षा में नामांकन दर भी बढ़ी है जिससे युवा स्नातकों की कुल संख्या में वृद्धि हुई है। इस स्थिति से उच्च बेरोजगारी दर के साथ बेरोजगार स्नातकों की संख्या भी बढ़ गई है। 2023 तक 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार थे।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात भारत के विकास स्तर के अनुरूप है। शिक्षा तक पहुंच में लड़का-लड़की और जाति आधारित सामाजिक-आर्थिक बाधाएं कम हुई हैं। हालांकि अब भी काफी काम बाकी है। इसके साथ रोजगार में प्रभावी बदलाव नहीं हुआ है। युवा स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर लगातार ऊंची बनी हुई है। शिक्षा तक पहुंच असमान है। स्कूल से कार्यस्थल तक का सफर अनिश्चित है और कई लोगों के लिए यह स्थायी, लाभकारी रोजगार में तब्दील नहीं हो पाता।

उच्च शिक्षा संस्थान बढ़े लेकिन गुणवत्ता घटी, इनमें शिक्षकों की भी भारी कमी

उच्च शिक्षा संस्थानों का दायरा भी बढ़ा है। प्रति लाख युवाओं पर कॉलेज की संख्या 2010 के 29 से बढ़कर 2021 में 45 हो गई, जिसमें निजी संस्थानों की बड़ी भूमिका रही है। इसके बावजूद क्षेत्रीय असमानताएं बनी हुई हैं और शिक्षकों की कमी एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आई है। निर्धारित मानकों के मुकाबले निजी और सरकारी कॉलेजों में शिक्षक-छात्र अनुपात काफी अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2010 के बाद औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की संख्या में करीब 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन इसके साथ खासकर निजी संस्थानों में गुणवत्ता को लेकर चिंताएं भी सामने आई हैं। उच्च शिक्षा में गरीब परिवारों की भागीदारी बढ़ी है, जो 2007 के आठ प्रतिशत से बढ़कर 2017 में 15 प्रतिशत हो गई है लेकिन आर्थिक बाधाएं अब भी बनी हुई हैं। महंगे पेशेवर पाठ्यक्रमों मसलन इंजीनियरिंग व मेडिकल में अपेक्षाकृत संपन्न वर्ग के छात्र-छात्राओं की भागीदारी अधिक रहती है।

मारुति सुजुकी को 5,786 करोड़ के आयकर का नोटिस

मुंबई। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता मारुति सुजुकी को आयकर विभाग से 5,786.4 करोड़ रुपये का नोटिस प्राप्त हुआ है।

कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे 16 मार्च 2026 को आयकर विभाग से वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रारूप आकलन आदेश प्राप्त हुआ है। इसमें संबंधित वित्त वर्ष के लिए कंपनी द्वारा घोषित आय में विभाग ने कुछ और आय जोड़ी है जबकि कुछ छूटों को खारिज कर दिया है। इस प्रकार विभाग ने अतिरिक्त आयकर की मांग की है। कंपनी ने कहा है कि वह इसके खिलाफ विवाद समाधान पैनल के समक्ष आपत्ति दर्ज करेगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान, लेबनान को मानवीय मदद देगा चीन

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को कहा कि वह ईरान, लेबनान और क्षेत्र में जारी संघर्ष से बुरी तरह प्रभावित दो अन्य पश्चिम एशियाई देशों को आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बताया कि बीजिंग ने स्थानीय लोगों द्वारा सामना की जा रही दिक्कतों को कम करने की उम्मीद में ईरान, जॉर्डन, लेबनान और इराक को आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। लिन ने कहा, जारी पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ईरान और अन्य क्षेत्रीय देशों के लोगों को संकट का सामना करना पड़ा है।

जर्मनी के रेस्टोरेंट में गोलीबारी, दो की मौत

बर्लिन। जर्मनी में फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे के पास एक रेस्टोरेंट में मंगलवार तड़के हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हमलावर वारदात के बाद से फरार है। शुरुआती जांच के अनुसार, एक सशस्त्र व्यक्ति स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 3 :45 बजे (स्थानीय समयानुसार) रेस्टोरेंट के भीतर दाखिल हुआ और वहां मौजूद लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। हमले में घायल दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की हालत इतनी गंभीर थीं कि उन्हें बचाया नहीं जा सका।

यूएई तट से पूर्व में पोत पर प्रक्षेपास्त्र से हमला

लंदन। ब्रिटिश नौसेना ने कहा है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पूर्वी तट पर फुजैराह से 23 समुद्री मील पूर्व में एक पोत पर प्रक्षेपास्त्र से हमला किया गया है। रॉयल नेवी के ब्रिटेन समुद्री व्यापार कार्यालय (यूकेएमटीओ) ने बताया कि यूकेएमटीओ को फुजैराह (ओमान की खाड़ी) से 23 समुद्री मील पूर्व में एक घटना की सूचना मिली है। लंगर डाले हुए एक टैंकर ने अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला होने की सूचना दी है। हमले में उसे मामूली क्षति हुई है।

उत्तर पश्चिमी नेपाल में भूकंप के हल्के झटके

काठमांडू। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में मंगलवार को भूकंप का झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता चार मापी गयी। भूकंप से किसी प्रकार के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, दारचुला जिले के सितौला में यह भूकंप सुबह 10 :12 बजे महसूस किया गया। भूकंप से जान-माल क्षति की सूचना नहीं है।

नाइजीरिया में बम फटने से 23 की मौत, 100 घायल

मैदुगुरी (नाइजीरिया), एजेंसी

- मैदुगुरी शहर को निशाना बनाकर किया गया आत्मघाती विस्फोट
- बोको हराम जिहादी समूह पर हमले करने का लग रहा आरोप

उत्तर पूर्वी नाइजीरिया के मैदुगुरी शहर को निशाना बनाकर सोमवार रात किए गए संदिग्ध आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह संघर्ष ग्रस्त मैदुगुरी में हाल के वर्षों में सबसे भीषण हमलों में से एक है।

इससे पूर्व स्थानीय निवासियों एवं आपात सेवाओं ने बताया कि बोर्नो राज्य की राजधानी मैदुगुरी में मैदुगुरी विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल के प्रवेश द्वार पर और एक प्रमुख बाजार सहित भीड़ भाड़ वाले तीन स्थानों पर विस्फोट की सूचना मिली। बोर्नो पुलिस ने एक बयान में कहा इनके आत्मघाती विस्फोट होने का संदेह है। कहा कि दुर्भाग्य से 23 लोगों की जान चली गई जबकि 108 अन्य घायल हो गए। इन हमलों की जिम्मेदारी किसी भी समूह ने नहीं ली है लेकिन संदेह है कि बोको हराम जिहादी समूह ने इन हमलों को अंजाम दिया है जिसने 2009 में शरिया लागू करने के लिए उत्तर पूर्वी नाइजीरिया में विद्रोह शुरू किया था।

न्यूरो मरीजों के लिए उम्मीद

चीन ने हाल ही में न्यूरेकल टेक्नोलॉजी द्वारा विकसित एक ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) डिवाइस के व्यावसायिक उपयोग को मंजूरी देकर चिकित्सा जगत में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। यह दुनिया का पहला ऐसा मामला है जहां इस तरह के जटिल उपकरण को प्रयोगशाला से बाहर आम मरीजों के लिए उपलब्ध कराने की अनुमति मिली है। चिकित्सा विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के संगम ने आज एक ऐसी वास्तविकता को जन्म दिया है जो कभी विज्ञान-कथाओं का हिस्सा थी। मस्तिष्क में एक छोटी सी चिप लगाकर शारीरिक अक्षमताओं को दूर करना अब हकीकत बन रहा है। चीन की यह उपलब्धि उन लाखों लोगों के लिए आशा की एक नई किरण है जो रीढ़ की हड्डी की चोट या अन्य तंत्रिका संबंधी विकारों के कारण लकवे का शिकार हैं।

ब्रेन इम्प्लांट तकनीक

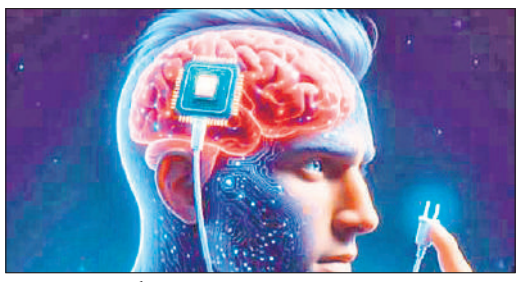

मस्तिष्क और मशीन का मिलन

- ब्रेन इंप्लांट या ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस एक ऐसी प्रणाली है जो सीधे मानव मस्तिष्क और बाहरी उपकरणों के बीच संचार का मार्ग प्रशस्त करती है। सरल शब्दों में कहें तो यह हमारे विचारों को डिजिटल संकेतों में बदलकर मशीनों को निर्देश देने की क्षमता प्रदान करती है। चीन की यह पहल विशेष रूप से उन वयस्क मरीजों के लिए है जो ऊपरी अंगों की गतिविधियों को खो चुके हैं, लेकिन जिनके पास अभी भी बांहों की कुछ कार्यक्षमता शेष है। यह तकनीक उन्हें कृत्रिम अंगों या रोबोटिक दस्तानों को केवल 'सोचकर' नियंत्रित करने की अनुमति देती है। इस विकास का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह वैश्विक स्तर पर तकनीकी वर्चस्व की दौड़ को तेज करता है। यह स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने का प्रयास है, बल्कि भविष्य के सुपर ह्यूमन्स या एआई-संचालित समाज की दिशा में एक बड़ा कदम भी।

कैसे करता है कार्य

- संकेतों को पकड़ना : जब हम चलने या हाथ हिलाने के बारे में सोचते हैं, तो मस्तिष्क के 'मोटर कॉर्टेक्स' हिस्से में विद्युत संकेतउत्पन्न होते हैं। इंप्लांट इन संकेतों को रिकॉर्ड करता है।
- डिकोडिंग : रिकॉर्ड किए गए इन 'शोर-भरे' संकेतों को एक एआई-पावर्ड प्रोसेसर या एल्गोरिदम के पास भेजा जाता है। यह एल्गोरिदम पहचानता है कि मरीज वास्तव में क्या करने की कोशिश कर रहा है।
- निर्देश : डिकोड किए गए संकेतों को बाहरी उपकरण, जैसे कंप्यूटर कर्सर, रोबोटिक आर्म या सीधे मरीज की मांसपेशियों को उत्तेजित करने वाले पैच को भेज दिया जाता है।
- रोबोटिक दस्ताना : चीन द्वारा मंजूर डिवाइस में एक रोबोटिक दस्ताना शामिल है। जब मरीज हाथ हिलाने का विचार करता है, तो चिप उस विचार को पढ़कर दस्ताने को निर्देश देती है, जिससे मरीज चीजों को पकड़ने में सक्षम हो पाता है।

लकवाग्रस्त मरीजों के लिए फायदे

- स्वतंत्रता : मरीज दूसरों पर निर्भर रहे बिना अपने कंप्यूटर को नियंत्रित कर सकते हैं, ईमेल भेज सकते हैं या इंटरनेट ब्राउज कर सकते हैं।
- गतिशीलता की वापसी : रोबोटिक अंगों या रीढ़ की हड्डी के उद्दीपन के माध्यम से कुछ मरीज फिर से खड़े होने या चलने में सक्षम हो सकते हैं।
- संवाद : जो लोग बोलने की क्षमता खो चुके हैं, उनके विचारों को सीधे टेक्स्ट या सिंथेटिक आवाज में बदला जा सकता है।
- दैनिक कार्य : पानी का गिलास उठाना या खुद से खाना खाने जैसे छोटे लेकिन महत्वपूर्ण काम संभव हो जाते हैं।

पाकिस्तानी विमानों ने तालिबानी ठिकानों पर रात भर बरसाए बम

अफगान सरकार का पुनर्वास अस्पताल पर हमले का आरोप, 400 मौतों का दावा

- पाकिस्तान ने कहा-आतंकवाद समर्थित सैन्य ठिकानों पर हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में मंगलवार को पाकिस्तान के हवाई हमले के बाद क्षतिग्रस्त इमारत और जले हुए वाहन। रात भर चले हमले में कई लोगों की मौत हो गई।

पाकिस्तान ने रात भर सटीक हवाई हमले कर अफगानिस्तान भर में आतंकवादियों और उनके ठिकानों को निशाना बनाया, हालांकि अफगान सरकार ने इस्लामाबाद पर काबुल में एक पुनर्वास अस्पताल पर बमबारी करने का आरोप लगाया, जिसमें कम से कम 400 लोग मारे गए। पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, ये ताजा हमले 26 फरवरी को शुरू किए गए ऑपरेशन गजब-लिल-हक के जारी रहने के दौरान हुए हैं।

पाकिस्तान ने 2,600 किलोमीटर लंबी सीमा पर अफ़गान तालिबान बलों द्वारा कथित हमलों के जवाब में यह ऑपरेशन शुरू किया था। सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान के सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन गजब-लिल-हक के तहत 16 मार्च की रात काबुल और नंगरहार में अफ़गान तालिबान शासन के आतंकवाद समर्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए सटीक हवाई हमले किए। उन्होंने दावा किया कि काबुल में दो स्थानों पर स्थित तकनीकी सहायता ढांचे और गोला-बारूद भंडारण अड्डे पूरी तरह से नष्ट हो गए।

उन्होंने दावा किया कि नंगरहार में अफगान तालिबान शासन द्वारा आतंकवाद को समर्थन देने वाले चार सैन्य ठिकानों पर भी हमला किया गया, जिससे संबंधित रसद, गोला-बारूद और तकनीकी ढांचे को नष्ट कर दिया गया। हालांकि, अफ़गान तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फ़ितरत ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा की गई बमबारी में राजधानी काबुल स्थित एक नशामुक्ति केंद्र को निशाना बनाया गया, जिसमें करीब 400 लोग मारे गए और 250 अन्य लोग घायल हुए हैं। फितरत ने एक्स पर कहा कि हमले में अस्पताल के बड़े हिस्से नष्ट हो गए। टोलोन्यूज ने अस्पताल के हवाले से मंगलवार को बताया कि बचाव अभियान जारी रहने के दौरान मलबे के नीचे अब भी 50 से अधिक शव फंसे होने की आशंका है।

हालांकि, तरार ने दावा किया कि पाकिस्तान ने काबुल और नंगरहार में अफगान तालिबान तथा फ़ितना अल-ख्वारिज के अड्डों और आतंकवदियों के ठिकानों को सटीक रूप से निशाना बनाया। इन ठिकानों में तकनीकी उपकरण भंडारण और गोला-बारूद भंडारण शामिल थे जिनका उपयोग पाकिस्तान के निर्दोष नागरिकों के खिलाफ किया जा रहा था।

73 आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्ला तरार तरार द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, अब तक 684 अफगान तालिबान कार्यकर्ता मारे गए हैं और 912 अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि तालिबान की 252 चौकियां नष्ट कर दी गईं, जबकि 44 चौकियों पर कब्जा कर लिया गया और फिर उन्हें नष्ट कर दिया गया। तालिबान के 229 टैंक, बख्तरबंद वाहन और तोपें नष्ट कर दी गई हैं। पूरे अफगानिस्तान में लगभग 73 आतंकी ठिकानों और आतंकी ढांचे को हवाई हमले से प्रभावी ढंग से निशाना बनाया गया।

भाजपा ने आरआरएस व रॉ पर प्रतिबंध लगाने की मांग ठुकराई

- कहा-अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की रिपोर्ट निराधार

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने मंगलवार को अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) की उस रिपोर्ट को निराधार बताया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और रिसर्च एनालिसिस विंग (रॉ) पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई थी। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस रिपोर्ट का समर्थन करके भारत के खिलाफ रुख अपनाया है। सत्तारूढ़ दल ने कहा कि केंद्र ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है और बताया कि इसमें वस्तुनिष्ठ तथ्य नहीं हैं तथा यह विश्वसनीय स्रोतों पर आधारित नहीं है।

भाजपा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, इसमें यह भी कहा गया है कि रिपोर्ट में कोई वस्तुनिष्ठ तथ्य नहीं हैं। वास्तव में, सरकार ने अमेरिकी आयोग की इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है।उन्होंने यह भी कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करते-करते कांग्रेस पार्टी आज खुद भारत के खिलाफ खड़ी नजर आ रही है। पात्रा ने कहा कि कोई भी विदेशी आयोग भारत को आदेश नहीं दे सकता या उसके संस्थानों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि कोई आयोग भारत से नहीं कह सकता कि रॉ पर प्रतिबंध लगाए। सरकार ने इसका कड़ा जवाब दिया है, लेकिन कांग्रेस रॉ के खिलाफ बोल रही है और इस आयोग के साथ खड़ी है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट का समर्थन किया है। उन्होंने कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर भारत को बदनाम करने के प्रयास का दोषी ठहराया।

भाजपा नेता ने कहा, कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक हैंडल से आयोग की रिपोर्ट का समर्थन किया गया है। उन्होंने (कांग्रेस ने) कहा है कि अमेरिका और इस एजेंसी ने जो (कुछ) कहा है, वह सही है।

पार्टी राहुल गांधी के आदेश पर भारत को बदनाम करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। पात्रा ने आयोग की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाया तथा इसके उपाध्यक्ष और कमिश्नर को डॉ. आसिफ महमूद नामक पाकिस्तानी-अमेरिकी कहते हुए आरोप लगाया कि इसके (आयोग के) निष्कर्ष उस व्यक्ति (महमूद) के भारत-विरोधी दृष्टिकोण से प्रभावित हैं।

देश की छवि धूमिल करने वालों से मिलते हैं राहुल

पात्रा ने गांधी पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह ऐसे ही व्यक्तियों से मिलते हैं और भारत की छवि धूमिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। भाजपा नेता ने कहा कि जब भी राहुल गांधी विदेश यात्रा करते हैं, वह ऐसे व्यक्तियों से मिलते हैं और भारत की छवि खराब करने और उसकी प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ते। लंदन में उन्होंने कहा था कि भारत की स्थिति ऐसी है कि सिख पगड़ी और कड़ा नहीं पहन सकते और गुरुद्वारों में नहीं जा सकते। पात्रा ने पत्रकारों से कहा कि राहुल गांधी ने यह भी कहा कि भारत में सत्ता में बैठी पार्टी मुस्लिम ब्रदरहुड जैसी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह तक दावा किया कि आदिवासी और दलित अपने साथ होने वाले अन्याय के कारण आईएसआईएस जैसी कोई संस्था बना सकते हैं।

टीएमसी बंगाल में 291 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

कोलकाता, एजेंसी

- भवानीपुर सीट से उम्मीदवार होंगी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार को अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की। तृणमूल प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की है कि पार्टी राज्य की 294 सीट में से 291 सीट पर चुनाव लड़ेगी। कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन में बनर्जी ने कहा कि दार्जिलिंग पहाड़ियों की शेष तीन सीट पर अनित थापा के नेतृत्व वाला भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा चुनाव लड़ेगा।

ममता बनर्जी भवानीपुर सीट से चुनाव लड़ेंगी। बनर्जी ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी के साथ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करते हुए कहा हम 294 सीट में से 291 सीट पर चुनाव लड़ेंगे। शेष तीन सीट पर हमारे सहयोगी, अनित थापा के नेतृत्व वाला बीजीपीएम दार्जिलिंग पहाड़ियों में चुनाव लड़ेगा। ममता बनर्जी ने विश्वास जताया कि टीएमसी 2026 के विधानसभा चुनावों में आसानी से बहुमत हासिल करने के साथ सत्ता बरकरार रखेगी। उन्होंने दावा किया, हम 2026 के विधानसभा चुनावों में 226 से अधिक सीट जीतेंगे। मुख्यमंत्री ने उन पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी आश्वस्त करने की कोशिश की, जिन्हें सूची में जगह नहीं मिली है।

41.41 लाख फर्जी राशन कार्ड खत्म किए गए

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को संसद को बताया कि वर्ष 2025 में 41.41 लाख अपात्र राशन कार्ड खत्म किए गए। राज्यसभा में खाद्य राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया ने बताया कि हरियाणा में सर्वाधिक लगभग 13.43 लाख राशन कार्ड, राजस्थान में 6.05 लाख, उत्तर प्रदेश में 5.97 लाख, पश्चिम बंगाल में 3.74 लाख और मध्य प्रदेश में 2.60 लाख अपात्र राशन कार्ड खत्म किए गए। बंभानिया ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में प्रौद्योगिकी के उपयोग के परिणामस्वरूप सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अपात्र राशन कार्डों को खत्म करने में सफलता हासिल की है। उनके अनुसार, वर्ष 2025 में कुल 41.41 लाख फर्जी राशन कार्ड खत्म किए गए।

कांग्रेस ने केरल के लिए 55 उम्मीदवार घोषित किए

नई दिल्ली, एजेंसी

- सतीशन, जोसेफ और मुरलीधरन को भी टिकट

कांग्रेस ने नौ अप्रैल को होने वाले केरल विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 55 उम्मीदवारों की सूची जारी की जिसमें वी डी सतीशन, सनी जोसेफ, के. मुरलीधरन और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों की यह पहली सूची है।

पार्टी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन को पारावूर से एक बार फिर उम्मीदवार बनाया है। वह वर्तमान में इसी सीट से विधायक हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन को वट्टीयूरकाउ से उम्मीदवार बनाया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी जोसेफ को पेरावूर से टिकट दिया गया है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के विधानसभा क्षेत्र धर्मादम से अब्दुल रशीद को प्रत्याशी बनाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के पुत्र चांडी ओमन को पुथुपल्ली से टिकट दिया गया है। वह वर्तमान में यहां से विधायक हैं। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने मंगलवार को ही केरल के लिए इन उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई थी। केरल विधानसभा की सभी 140 सीट के लिए नौ अप्रैल को मतदान होगा। मतगणना चार मई को होगी। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है।

विमान की मरम्मत करने के बाद बेड़े में किया शामिल

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया का छह साल से सेवा से बाहर रहा (ग्राउंडेड) एक विमान वीटी-एएलएल मरम्मत और कई प्रणालियों को अद्यतन बनाने के बाद एयरलाइंस के सक्रिय बेड़े में शामिल हो गया है।

एयर इंडिया ने बताया कि साल 2022 में जब टाटा समूह ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का दोबारा अधिग्रहण किया था उस समय एयरलाइंस के बेड़े में शामिल 133 विमानों में से 30 विभिन्न कारणों से ग्राउंडेड थे। वीटी-एएलएल के नाम से पंजीकृत इस बोइंग 777-300ईआर के साथ ही सभी 30 विमान मरम्मत और जरूरी अपडेट के बाद बेड़े में शामिल हो चुके हैं। यह विमान जुलाई 2007 में एयर इंडिया के बेड़े में शामिल हुआ था और कई सिस्टमों में खामियों के कारण फरवरी 2020 से ग्राउंडेड था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आपको अधिक काम करना पड़ेगा। शेयर मार्केट के माध्यम से धन लाभ हो सकता है। अधिकारी आपको बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं।

वृष – आज अपनी नौकरी से अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। फाइनेन्स से जुड़े मामलों के लिए दिन शुभ रहेगा। आपके उलझे काम सुलझ सकते हैं।

मिथुन – आज जीवनसाथी की बातें आपको कड़वी लग सकती हैं। छात्र उच्च शिक्षा को लेकर अत्यधिक सजग रहेंगे।

कर्क – आज अपनी प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी। आपके काम अपेक्षानुसार पूरे नहीं होंगे। गूढ़ विद्याओं का अध्ययन करने के योग बन रहे हैं।

सिंह – आज दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। नए रिश्तों की शुरुआत कर सकते हैं। बड़े व्यावसायिक अनुबंध होने के योग बन रहे हैं।

कन्या – आज आपके स्वभाव में नरमी और सहजता रहेगी। सामाजिक मामलों पर मुखर होकर अपनी राय रखेंगे। चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे।

तुला – आज नया वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। अपनी पुरानी गलतियों को ठीक करने का प्रयास कर सकते हैं।

वृश्चिक – आज आप अत्यन्त प्रसन्न रहेंगे। कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। स्वभाव में थोड़ा स्वार्थीपन लाने से बचें।

धनु – आज आपके विचार अत्यधिक सुलझे और रचनात्मक रहेंगे। व्यापार में बिक्री बढ़ने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर – आज कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा पद मिल सकता है। आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा। विदेश यात्रा की योजना बन सकती है।

कुंभ – आज नए कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं। कलात्मक विषयों के प्रति आकर्षित रहेंगे। साझेदारी वाले व्यवसाय में आपको लाभ होगा।

मीन – आज राजनेताओं को अपनी प्रतिष्ठा की चिंता हो सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों का फोकस कमजोर हो सकता है।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

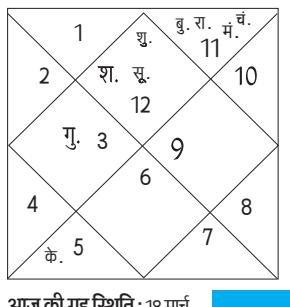

आज की ग्रह स्थिति : 18 मार्च, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी 08 .25 तक तत्पश्चात अमावस्या।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 19 मार्च 05 .21 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

सुडोकू - 91 का हल

9	4	2	5	8	6	7	3	1
6	7	5	3	1	2	4	8	9
3	8	1	4	7	9	2	5	6
4	1	9	2	3	7	5	6	8
8	5	7	9	6	1	3	4	2
2	3	6	8	4	5	9	1	7
1	6	4	7	9	3	8	2	5
7	2	3	6	5	8	1	9	4
5	9	8	1	2	4	6	7	3

सुडोकू -92

				7				3
9		2					8	
	7		8			4		
5			3			8	9	
				6	1			2
		1			2			
						7	5	8
8	4			9				

पटकथा लेखक सलीम खान को अस्पताल से छुट्टी

मुंबई। दिग्गज पटकथा लेखक सलीम खान (90) को मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और उन्हें घर ले जाया गया है। मस्तिष्काघात के बाद पिछले महीने 17 फरवरी को खान को बांद्रा के लीलावती अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में भर्ती होने के एक दिन बाद चिकित्सकों ने बताया था कि खान को ब्रेन हैमरेज हुआ और उपचार के बाद उन्हें एहतियात के तौर पर वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। एक सूत्र ने मंगलवार को बताया, उनका सफल इलाज किया गया है।

गंभीर संकट | संयुक्त राष्ट्र ने कहा-4 .5 करोड़ अतिरिक्त लोग हो सकते हैं प्रभावित

पश्चिम एशिया के संकट से दुनिया भर में भुखमरी का खतरा

रोम , एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के संगठन विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्लूएईपी) ने मंगलवार को एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यदि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अधिक बढ़ता है, तो साल 2026 में वैश्विक खाद्य असुरक्षा अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच सकती है।

डब्ल्यूएफपी की यहां जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। संगठन के नए विश्लेषण के अनुसार, युद्ध के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता आने से करोड़ों लोग 'गंभीर भुखमरी' की चपेट में आ सकते हैं।

चेतावनी में कहा गया है कि अगर यह संघर्ष साल के मध्य तक समाप्त नहीं होता और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती हैं, तो लगभग 4.5 करोड़ अतिरिक्त लोग खाद्य असुरक्षा के दायरे में आ जाएंगे। वर्तमान में दुनिया भर में 31.8 करोड़ लोग पहले से ही खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। नया संकट इस संख्या को यूक्रेन युद्ध के समय देखे गए 34.9 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर के करीब ले जा सकता है। इसमें कहा गया है कि पश्चिम एशिया हालांकि मध्य पूर्व मुख्य रूप से 'एनर्जी हब' है न कि अनाज भंडार, लेकिन ऊर्जा की कीमतों में उछाल का सीधा असर परिवहन, खाद और खेती की लागत पर पड़ता है, जिससे खाद्य सामग्री महंगी हो जाती है। डब्ल्यूएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, आयात पर निर्भर रहने वाले अफ्रीका और एशिया के देशों पर इसका सबसे बुरा असर पड़ेगा। अकेले एशिया में खाद्य असुरक्षित लोगों की संख्या में 24 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। जबकि पश्चिम और मध्य अफ्रीका में 21 प्रतिशत और पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका में 17 फीसदी की वृद्धि का पूर्वानुमान है।

पर्याप्त फंडिंग नहीं मिली तो करोड़ों लोगों की तबाही का कारण बनेगी जंग

डब्ल्यूएफपी के उप कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काउ ने कहा, यह संघर्ष वैश्विक स्तर पर लोगों को प्रभावित करेगा और उन परिवारों को सबसे ज्यादा चोट पहुँचाएगा जो पहले से ही अपने अगले भोजन का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मानवीय सहायता के लिए पर्याप्त फंडिंग नहीं मिली, तो यह करोड़ों लोगों के लिए तबाही का कारण बन सकता है। उल्लेखनीय है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग में जहाजों की आवाजाही के लगभग रुक जाने और लाल सागर में बढ़ते जोखिमों ने पहले ही ईंधन और उर्वरक की कीमतों को बढ़ा दिया है। सूडान और सोमालिया जैसे देशों में महंगाई बढ़ गई है।

रोहित शर्मा आईपीएल 2026 से पहले काफी फिट और पूरी तरह प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं तथा उन्होंने अपने कौशल पर जमकर काम किया है। मैं उनसे आगे बढ़कर नेतृत्व करने की उम्मीद कर रहा हूं।

- महेला जयवर्धने

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर नगर, बुधवार, 18 मार्च 2026

हाईलाइट

आईपीएल के अधिकतर मैचों से बाहर रहेंगे हर्षित राणा

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज हर्षित राणा पिछले महीने हुई घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अधिकतर मैचों से बाहर रह सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है। राणा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। वह अभी ''रिहैबिलिटेशन'' से गुजर रहे हैं और बीसीसीआई की चिकित्सा टीम ने उनकी वापसी के लिए कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है। उस अभ्यास मैच में एक ओवर फेंकने के बाद राणा को चोट लग गई थी। उन्हें इसके लिए सर्जरी करानी पड़ी जिससे वह टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाए थे।

ओलंपिक 2028 में चार दिन पहले शुरू हो जाएंगे फुटबॉल के मैच

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में पुरुषों और महिलाओं के फुटबॉल मैच उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले शुरू होंगे और इन्हें अमेरिका के सात शहरों में आयोजित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने जो कार्यक्रम तैयार किया है उसके अनुसार शुरुआत से ही टीमों को पिछले ओलंपिक की तुलना में विश्राम के लिए दो अतिरिक्त दिवस मिलेंगे। ओलंपिक में फुटबॉल के मैच 10 जुलाई से शुरू होंगे। इसके ग्रुप चरण और क्वार्टर फाइनल के मैच न्यूयॉर्क, कोलंबस, ओहियो, नैशविले, टेनेसी और सेंट लुई में खेले जाएंगे। नॉकआउट राउंड के बाकी मैच कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में होंगे। स्वर्ण पदक के लिए होने वाला मैच रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा।

पत्नी के सीधे-सरल सवाल ने बदल दिया सूर्यकुमार का करियर

साल 2018 में देविशा ने पूछा था- अगर आप भारत के लिए खेलना चाहते हैं तो क्या योजना है

पत्नी देविशा के साथ सूर्यकुमार यादव।

नई दिल्ली, एजेंसी

उनकी पत्नी के सीधे सरल सवाल ने ही उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने को प्रेरित किया और अब जबकि सूर्यकुमार यादव विश्व कप विजेता कप्तान बन चुके हैं, तो वे अपनी 'बेहद निश्छल' पत्नी देविशा की जितनी भी प्रशंसा करें वह कम है क्योंकि उन्होंने ही उन्हें इस मुकाम पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। यह साल 2018 की बात है जब देविशा ने सूर्यकुमार से एक सरल सवाल पूछा, 'अगर आप भारत के लिए खेलना चाहते हैं, तो आपकी क्या योजना है? उस 'बेहद सादगीपूर्ण बातचीत' के आठ साल बाद सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने टी20 विश्व कप में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

सूर्यकुमार ने पीटीआई वीडियो के साथ एक पॉडकास्ट साक्षात्कार के दौरान उस बातचीत को याद करते हुए कहा हमारी शादी 2016 में हुई थी जब मैं केकेआर के लिए खेल रहा था। सब कुछ बहुत सहजता से आगे बढ़ रहा था। मैं अच्छा खेल रहा था, खेल का आनंद ले रहा था। जब मैं 2018 में मुंबई इंडियंस में शामिल हुआ तो वह तब तक के मेरे सफर और दिनचर्या को देखती रही। मुझे लगता है कि इसके बाद हमने चीजों को थोड़ा अलग तरीके से करना शुरू कर दिया था।

उन्होंने कहा उसने मुझसे कहा कि आपके साथ आयु वर्ग में खेलने वाले सभी खिलाड़ी अब भारत के लिए खेल रहे हैं। आपके मन में क्या है? मैंने कहा मुझे भी भारत के लिए खेलना है। उसने पूछा, कैसे खेलोगे?। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी पत्नी के साथ उनके करियर को बदलने वाली बातचीत के बारे में कहा वह संक्षिप्त सी बातचीत थी। वह किसी तरह की बहस नहीं बल्कि संक्षिप्त चर्चा थी। लेकिन निश्चित तौर पर यह इस बारे में चर्चा थी कि आप अपने लक्ष्य की ओर एक कदम आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। अगर मैं भारत के लिए खेलना चाहता हूं और भारत को जीत दिलाना चाहता हूं, तो मैं यह कैसे कर सकता हूं?

एक बार जब अंतिम लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अतिरिक्त प्रयास करने का फैसला कर लिया गया तो उनकी जिंदगी में कुछ चुनौतियां भी सामने आई लेकिन सूर्यकुमार और देविशा ने एक जोड़े के रूप में उस रास्ते पर चलना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा हमें कई चीजों में कटौती करनी पड़ी। हमने इस तरह से शुरुआत की और 2018 में आईपीएल में मेरा प्रदर्शन (512 रन) बहुत अच्छा रहा तथा मैंने घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा उस साल मुझे मुंबई इंडियंस की तरफ से पारी की शुरुआत करने का भी मौका मिला और मैंने रन भी बनाए। हमने 2019 और 2020 में भी यही सिलसिला जारी रखा और मैं एक अलग ही मूड में था। कप्तान ने कहा कि देविशा पर्दे के पीछे रहकर उनकी ताकत बनी रहीं।

टी-20 विश्व कप 2024 में 'अनुभवी जोश' कारगर साबित हुआ, तो 2026 में 'गरम खून' ने किया कमाल

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टी-20 विश्व कप की दो चैंपियन टीमों की तुलना करते हुए कहा कि 2024 की टीम के खिलाड़ियों में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ट्रॉफी के लंबे समय से चले आ रहे सूखे को खत्म करने के लिए 'अनुभवी जोश' था, जबकि इस साल साल खिताब का बचाव करने वाली टीम के पास 'युवाओं का जोशीला जुनून' था। सूर्यकुमार ने पीटीआई के साथ एक विस्तृत पॉडकास्ट साक्षात्कार में ट्रॉफी जीतने वाली दोनों टीमों के बीच मामूली अंतर पर बात की। वह 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में खेले थे। उस टीम में विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी शामिल थे। बारबाडोस में मिली जीत के बाद इन तीनों दिग्गज खिलाड़ियों ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। इसके बाद टीम की कमान निर्भीक सूर्यकुमार ने संभाली, जिन्होंने टी20 में भारत के खेल को अगले स्तर पर पहुंचाया। सूर्यकुमार ने दोनों टीमों की तुलना करते हुए कहा, दोनों टीमों में बस उन्नीस बीस का फर्क था। वो एक्सपीरियंस (अनुभव) वाला जोश था, इधर एकदम खून गरम था लड़कों का। भारत 2026 में अपने घरेलू मैदान पर खेले गए टूर्नामेंट में खिताब का प्रबल दावेदार था, लेकिन 2024 की टीम के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता, जिसे आईसीसी खिताब हासिल करने की राह में मानसिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। सूर्यकुमार से जब पूछा गया कि 2026 की टीम 2024 की टीम से थोड़ा बेहतर थी, उन्होंने कहा, 2024 में हमारे पास काफी अनुभव था। उस समय टीम के पास अनुभव था और कई अच्छे खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा अब भी हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन उस समय हमारी टीम के पास काफी अनुभव था और प्रत्येक खिलाड़ी अपनी भूमिका के लिए पूरी तरह से तैयार था।

पढ़ाई में तो अच्छे नंबर नहीं मिले, लेकिन क्रिकेट में 80 प्रतिशत अंक हासिल किए

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव को भले ही पढ़ाई में बहुत अधिक सफलता नहीं मिली लेकिन क्रिकेट के मैदान पर उन्होंने आखिरकार 80 प्रतिशत अंक हासिल कर लिए हैं। सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने हाल में टी20 विश्व कप खिताब का सफलतावाक बचाव किया। इस जीत का भरपूर आनंद ले रहे सूर्यकुमार का भारतीय कप्तान के रूप में जीत का रिकॉर्ड 80 प्रतिशत है। मुंबई के रहने वाले सूर्यकुमार स्वाभाविक रूप से अपने इन आंकड़ों से बेहद खुश थे, क्योंकि शिक्षा ग्रहण करते समय वह कभी इतने अधिक नंबर लेकर नहीं आए थे। सूर्यकुमार ने 2024 में टी20 कप्तान का पद संभालने के बाद लगातार सफलता हासिल की। उनकी अगुवाई में भारत ने अभी तक जो 52 मैच खेले हैं उनमें से 42 मैच में उसे जीत मिली है।

मीनाक्षी ने एशियाई चैंपियनशिप के लिए टीम में जगह बनाई

नई दिल्ली। मीनाक्षी गोयत ने आत्म-संदेह पर काबू पाकर बड़ा उलटफेर करते हुए अंतिम पंघाल को हराकर अगले महीने होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय महिला टीम में जगह बना ली। दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंतिम को घरेलू मैदान पर यह दुर्लभ हार झेलनी पड़ी। ट्रायल में इससे पहले तीन बार अंतिम से हार चुकी मीनाक्षी ने इस बार मजबूत रक्षात्मक खेल का शानदार प्रदर्शन किया और 6-2 की बढ़त लेने के बाद 'विन बाय फॉल' से जीत दर्ज की। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अंतिम, दिग्गज विनेश फोगाट के 53 किग्रा वर्ग छोड़ने के बाद इस वर्ग में दबदबा बनाए हुए थीं। मुकाबले के दौरान मीनाक्षी ने कई बार अंतिम के सिर पर मजबूत पकड़ बनाई और उन्हें आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं करने दिया।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर श्रृंखला बराबर की

हैमिल्टन। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने 60 रन की आकर्षक पारी खेली जबकि तेज गेंदबाज बेन सीयर्स और लॉकी फर्ग्यूसन ने तीन-तीन विकेट लिए जिससे न्यूजीलैंड ने मंगलवार को यहां दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 68 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। कॉनवे की 49 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया जिसमें जोश क्लर्कसन नाबाद 26 रन बनाकर दूसरे बड़े स्कोरर रहे। इससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 175 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 15.3 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई।

स्क्वाश खिलाड़ियों की नजरें लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर : अनाहत

मुंबई, एजेंसी

स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह। एजेंसी

भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह को उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में हर खिलाड़ी का ध्यान मुख्य रूप से लॉस एंजिलिस 2028 खेलों पर होगा क्योंकि इन खेलों के दौरान स्क्वाश ओलंपिक में पदार्पण करेगा। अनाहत ने मंगलवार को यहां कहा कि ओलंपिक में पदक जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है।

जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन की टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अनाहत ने कहा बेशक यह बहुत रोमांचक है। यह पहली बार है जब यह ओलंपिक का हिस्सा बन रहा है और सभी खिलाड़ी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

उन्होंने कहा इससे पहले कोई भी खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था लेकिन अब ओलंपिक भी है और बेशक, हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह ओलंपिक में जाए, खेले और पदक जीते। अनाहत ने कहा, अगले कुछ वर्षों में सभी का यही लक्ष्य रहेगा और दीर्घकाल में मेरे दिमाग में भी यही बात रहेगी कि मैं ओलंपिक तक ट्रेनिंग कर सकूं और संभवतः देश के लिए पदक जीत सकूं। जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन पीएसए कॉपर प्रतियोगिता है जो खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का मौका देगा और साथ ही इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में भी मदद करेगा। भारत के दूसरे सबसे बेहतर रैंकिंग वाले पुरुष खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किए जाने से कारपोरेट जगत भी इसकी ओर आकर्षित हुआ है। उन्होंने कहा, यह (ओलंपिक) दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है इसलिए वहां पहुंचना हर किसी का सपना होता है। इसके अलावा हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी फायदा हुआ है जो ओलंपिक में शामिल होने के बाद ही संभव हो पाया है।टंडन ने कहा ओलंपिक में शामिल होने के बाद पूरे स्क्वाश पारिस्थितिकी तंत्र में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिला है। टंडन ने कहा कि इंडियन ओपन में खेलने से उन्हें कुछ राहत जरूर मिलेगी लेकिन स्क्वाश खिलाड़ी पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के हालात पर भी नजर बनाए हुए हैं।

उन्होंने कहा यह स्वदेश में ही हो रहा है इसलिए हमारे लिए बहुत सुविधाजनक है। इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। अभी तक उड़ान रद्द नहीं हुई है इसलिए यह इस बात पर निर्भर करता है कि युद्ध की स्थिति कैसी रहती है। टंडन ने कहा तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से ईमेल मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

मंधाना महिला वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं, जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर कायम हैं।

रैंकिंग में यह बदलाव न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन के दो स्थान फिसलकर नौवें नंबर पर आने के बाद हुआ। भारत की जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बरकरार हैं। न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मैडी ग्रीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज के अंतिम मैच में 94 रनों की शानदार पारी खेलकर रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। 33 वर्षीय ग्रीन की डुनेडीन में खेली गई 73 गेंदों की पारी की बदौलत उनकी टीम ने 200 रन से जीत दर्ज करते हुए सीरीज में 3-0 से सूपड़ा साफ किया। इस प्रदर्शन से वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर 610 रेटिंग अंकों के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। न्यूजीलैंड की हरफनमौला अमेलिया केर ने आखिरी वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 80 रन बनाने के साथ 22 रन देकर पांच विकेट झटके।

कुलदीप का ग्रैंड रिसेप्शन

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार व चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव का मंगलवार को राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी स्थित एक होटल में रिसेप्शन कार्यक्रम हुआ। देर रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव भी शुभकामनाएं देने के लिए रिसेप्शन में पहुंचे। सीएम योगी ने बुके देकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया। कुलदीप ने मसूरी में बचपन की दोस्त वंशिका के साथ शादी की है। ● अमृत विचार

धोनी शीर्ष छह में बल्लेबाजी करें : डिविलियर्स

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने मंगलवार को बेबाक राय देते हुए कहा कि महेंद्र सिंह धोनी को आगामी आईपीएल में शीर्ष छह में बल्लेबाजी करनी चाहिए क्योंकि चुके हैं और 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में अपनी फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए खेलेंगे और डिविलियर्स ने इस करिश्माई खिलाड़ी से पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजी क्रम में बहुत नीचे खेलने की रणनीति को बदलने की अपील की। आगामी आईपीएल सत्र में सीएसके में धोनी की भूमिका पर बात करते हुए डिविलियर्स ने कहा यह बहुत मुश्किल है और सीधा-सीधा मामला नहीं है। ब्रांड बनने में वर्षों लगते हैं और सीएसके ने धोनी की शख्सियत के साथ कई वर्षों में यह साम्राज्य खड़ा किया है जो हमेशा से वहां मौजूद रहे हैं।

मन की बात — ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाली बल्लेबाज ने किया था शानदार प्रदर्शन

महिलाओं के लिए अधिक टेस्ट मैच होने चाहिए : प्रतिका

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण पर अर्धशतक लगाने वाली भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल ने महिलाओं के लिए अधिक टेस्ट मैच कराने की वकालत करते हुए इसे अपना पसंदीदा प्रारूप बताया है।

प्रतिका ने इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले गए दिन-रात्रि टेस्ट की दूसरी पारी में 63 रन बनाकर भारत को पारी की हार से बचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

दिल्ली खेल पत्रकार संघ (डीएसजेए) की मेजबानी में आयोजित भारतीय खेल पत्रकार संघ (एसजेएफआई) के सम्मेलन से इतर प्रतिका ने कहा टेस्ट क्रिकेट सबसे खूबसूरत प्रारूप है। बचपन से मेरे पिता और कोच कहते थे कि इस प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करना बहुत जरूरी है। जब आपको उसी तरह तैयार किया जाता है तो स्वाभाविक रूप से यह आपका पसंदीदा प्रारूप बन जाता है। उन्होंने बताया कि उन्होंने विवियन रिचर्ड्स, सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा और रिकी पोंटिंग जैसे महान खिलाड़ियों के टेस्ट मैचों के वीडियो देखकर खुद को इस प्रारूप के लिए तैयार किया है।

प्रतिका ने कहा मैंने इन महान बल्लेबाजों के कई वीडियो देखे हैं। टेस्ट क्रिकेट में जिस तरह वे खेलते थे, वह हमेशा प्रेरित करता रहा है। महिला टेस्ट मैचों की संख्या बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जितने अधिक टेस्ट मैच होंगे, उतना बेहतर होगा। उनके अनुसार टेस्ट क्रिकेट खेलने का अनुभव खिलाड़ी को न केवल बेहतर बनाता है, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी उसे परिपक्व करता है।

एसजेएफआई के इस चार दिवसीय स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित पुरस्कार समारोह में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने प्रतिका को 51 लाख रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया।

बीसीसीआई के पुरस्कार से मिली प्रेरणा

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के वार्षिक पुरस्कार समारोह 'नमन पुरस्कार 2026' को भी खास अनुभव बताया। उन्होंने कहा यह बीसीसीआई के साथ मेरा पहला पुरस्कार था और पूरी शाम बेहद शानदार रही। इस तरह की पहचान खिलाड़ियों को प्रेरित करती है। बीसीसीआई जिस तरह चैंपियनों को सम्मानित कर रहा है, वह भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ा कदम है। पिछले सत्र में भारत की विभिन्न टीमों ने पांच वैश्विक ट्रॉफियां जीती हैं और देश में क्रिकेट लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्व कप जीत को अपने करियर का सबसे यादगार पल बताते हुए कहा कि उसकी खुमारी अब तक बरकरार है।